रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	33.1	27.5
जमशेदपुर	33.5	26.0
डालटनगंज	32.8	26.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

www.lagatar.in | रांची, शुक्रवार 26 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 05 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 108 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

जे.बी.वी.एन.एल से
व्हाट्सएप नंबर पर जुड़ें
9431135503

वादा से ज्यादा
आपके लिए करेंगे,
125 नहीं अब
200
यूनिट बिजली मुफ्त देंगे

बिजली की बचत करें,
झारखण्ड को उन्नत करें

मुख्य बिन्दु

- आर्थिक रूप से कमजोर घरेलू उपभोक्ताओं को इस योजना का लाभ मिलेगा।
- 200 यूनिट प्रति माह मुफ्त बिजली योजना के तहत सभी तरह के शुल्क यथा Enargy Charge, Fixed Charge, Electric Duty, FPPPA Charge आदि की छूट 200 यूनिट तक मासिक खपत करने वाले घरेलू उपभोक्ताओं को प्रदान की जाएगी।
- यह योजना जुलाई 2024 के बिलिंग माह से लागू किया जाएगा।
- इस योजना के तहत कुल 45.77 लाख उपभोक्ताओं में से लगभग 41.44 लाख घरेलू उपभोक्ता आच्छादित होंगे।
- 200 यूनिट प्रति माह मुफ्त बिजली योजना हेतु झारखण्ड सरकार प्रतिमाह लगभग ₹350 करोड़ सब्सिडी के रूप में झारखण्ड बिजली वितरण निगम लिमिटेड को उपलब्ध करायेगी।

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

बाबूलाल मरांडी ने सीएम हेमंत पर साधा निशाना, कहा - गलतफहमी पालकर आखिर कितने दिन आंखें बंद रखेंगे

उठिए, जागिए महाराज, देखिए आपके पीछे कोई नहीं बचा है...

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक बार फिर से तार्किक अंदाज में सीएम हेमंत सोरेन पर निशाना साधा है. कहा है कि गलतफहमी पालकर कितने दिन आंखें बंद रखेंगे. उठिए, जागिए महाराज, देखिए आपके पीछे अब कोई नहीं बचा है. और हां, थोड़ी सी भी मर्यादा और इंसानियत बची हो तो नामजद सहायक पुलिसकर्मियों का नाम एफआईआर से वापस लें. चाहे आप अपनी हड्डियों का बचा पूरा दम भी क्यों न लगा लें...अधिकारों के मिलने तक, मांगों के पूरा होने तक यह संघर्ष अनवरत चलता रहेगा, यह बिगुल हरदम बजता रहेगा.

दनादन परीक्षाएं की जा रही हैं स्थगित

बाबूलाल ने ट्वीट में आगे लिखा है कि हेमंत सोरेन जी, आपने तो जमानत पर जेल से छूटने के बाद चंपाई सोरेन जी द्वारा घोषित 40,000 नौकरियों में 25% कटौती कर के 30,000 नौकरियां देने की बात कही थी, लेकिन अब तो प्रतिदिन दनादन परीक्षाएं स्थगित की जा रहीं हैं. इस आपाधापी की वजह क्या है? क्या आयोग ने सरकार के दबाव में अधूरी तैयारी के साथ परीक्षा की तिथि घोषित कर दी थी? क्या आपको नौकरी बेचने का मनचाहा 'रेट' नहीं मिल रहा?

युवाओं को नौकरी देने की नीयत नहीं

वजह चाहे जो भी हो, एक बात तो स्पष्ट है कि आपमें झारखंड के युवाओं को नौकरी देने की नियत नहीं है. आपकी मंशा सरकारी नौकरियों के पदों को बाहरी हाथों में बेचकर अवैध रूप से उगाही करने की है. झारखंड के युवाओं को आप जैसा 'घोषणावीर' सीएम नहीं चाहिए. कुछ महीने और प्रतीक्षा करिए.युवा आपकी इस धूर्तबाजी को हमेशा के लिए बंद कर राजनीतिक रूप से बेरोजगार कर देंगे.

ये कैसी सरकार है....

जहां पहले अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरना पड़ता है, फिर लाठी खानी पड़ती है और अंत में मुख्यमंत्री जी के आदेश पर झूठी एफआईआर भी लिखी जाती हैं. जब बात खुद सत्ता में बैठकर आदेश देने की आती है, लोगों पर एफआईआर कराने की आती है तो महोदय को आदिवासी समाज नहीं दिखता है. नामित नामों को देखें तो 18 में से लगभग 11 से 12 नाम आदिवासी भाई -बहनों के हैं, और अभी 1500 अज्ञात लोगों में से न जाने और कितने आदिवासी होंगे.

'बच्चों को घटिया खाना खिला रही हेमंत सरकार'

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी हेमंत सरकार पर लगातार हमलावर हैं. उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि हेमंत सरकार झारखंड के आदिवासी बच्चों को घटिया खाना खिला रही है. बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए पौष्टिक भोजन बेहद जरूरी होता है, लेकिन झारखंड के अनुसूचित जनजाति आवासीय विद्यालय में आदिवासी बच्चों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता बेहद घटिया है. हेमंत सोरेन से कहा कि कुछ तो लाज-शर्म रखिए और शिक्षा के मंदिर को अपने भ्रष्टाचार का केंद्र मत बनाइये. डीसी रांची को कहा कि यथाशीघ्र संबंधित विद्यालय में पौष्टिक भोजन और पठन-पाठन की सुचारू व्यवस्था का प्रबंध करें.

झारखंड के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध मोदी सरकार : बाबूलाल ने दूसरे ट्वीट में कहा कि झारखंड के सर्वांगीण विकास के लिए मोदी सरकार प्रतिबद्ध है. वर्ष 2024-25 के बजट में झारखंड राज्य के लिए 7302 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है. वर्ष 2009-14 के औसत बजट 457 करोड़ से लगभग 16 गुना अधिक है. रेल परियोजनाओं के लिए 52885 करोड़ रुपए का निवेश होगा. 57 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास होगा.

रांची, धनबाद व जमशेदपुर में एयर क्वालिटी के लिए मिले 150 करोड़

- धनबाद और जमशेदपुर को 100 में 100 और रांची को मिले 75 अंक

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड के शहरी विकास और आवास सचिव अरवा राजकमल ने भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) की 7वीं संचालन समिति की बैठक में भाग लिया. वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए चयनित शहरों में झारखंड के तीन शहरों में रांची, धनबाद और जमशेदपुर शामिल हैं. सचिव ने बैठक में इस मुद्दे को उठाया कि झारखंड के लिए 2023-24 में कोई फंड जारी नहीं किया गया है और 2024-25 में फंड के लिए भारत सरकार से अनुरोध किया गया है. संचालन समिति ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा उपलब्ध कराए गए वायु गुणवत्ता मानकों के आंकड़ों के अनुसार ही 2025-25 में राशि आवंटित करने का निर्णय लिया. सीपीसीबी के अनुसार, धनबाद को 100 में 100 अंक मिले, रांची को 100 में 75 अंक मिले. उन्हें 2024-25 में फंडिंग के लिए योग्य पाया गया. शहरों में वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए इन 3 शहरों को 2024-25 में लगभग 150 करोड़ की फंडिंग दी जाएगी.

किन चीजों में होगा राशि का उपयोग : राशि का उपयोग करके, 3 शहर संघनन मशीनरी, उभयचर उत्खननकर्ता खरीद सकते हैं. जल निकाय पुनर्जीवन, वृक्षारोपण भी कर सकते हैं. धूल भरी सड़कों पर यातायात को कम करने के लिए शहर पेवर-ब्लॉक सड़कें भी बना सकते हैं.

कोर्ट की खबरें : हाईकोर्ट के नए भवन में जलजमाव पर जनहित याचिका की हुई सुनवाई

पार्किंग में जलजमाव, कोर्ट नाराज

संवाददाता। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने पार्किंग एवं अन्य जगहों पर जलजमाव पर नाराजगी जतायी है. नयी हाईकोर्ट बिल्डिंग से संबंधित एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने गुरुवार को आदेश दिया कि झारखंड हाईकोर्ट परिसर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम इंस्टॉल किया जाये. इसको लेकर अदालत ने राज्य सरकार को भी रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है. कोर्ट ने यह भी कहा है कि लंबे अरसे से झारखंड हाईकोर्ट के नये परिसर के निर्माण की मांग हो रही थी. इतनी बड़ी रकम से बड़े प्रोजेक्ट के निर्माण पूरे होने के बावजूद अगर इस तरह जलजमाव का सामना करना पड़ रहा है तो यह निराशा जनक है. मामले की अगली सुनवाई अगस्त माह में होगी. बता दें कि बारिश से हमेशा हाईकोर्ट की पार्किंग में जल जमाव हो जाता है.

प्रेम प्रकाश की डिस्चार्ज पिटीशन पर बहस पूरी

रांची। चेशायर होम रोड की जमीन की अवैध तरीके से खरीद-बिक्री से जुड़े लैंड स्कैम केस के आरोपी और पवार ब्रोकर के नाम से मशहूर प्रेम प्रकाश की डिस्चार्ज पिटीशन रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई है. गुरुवार को ईडी और प्रेम प्रकाश की ओर से बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है.

ऊर्जा सचिव को 31 अगस्त को उपस्थित होने का निर्देश

रांची। राजेश कुमार सिंह द्वारा विद्युत विभाग में इंडियन इलेक्ट्रिसिटी एक्ट के तहत उच्च पदों पर नियुक्ति के लिए दायर जनहित याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. गुरुवार की सुनवाई के दौरान अदालत ने ऊर्जा सचिव को 31 जुलाई को सशरीर उपस्थित होने को कहा है. अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि 2003 में जब एक्ट आया तो 2024 तक इसका इम्प्लीमेंट क्यों नहीं किया गया. अदालत अब इस मामले में 31 जुलाई को सुनवाई करेगा. राजेश कुमार ने अपनी जनहित याचिका में मांग की है कि बिजली बोर्ड में उच्च पदों पर प्रोफेशनल लोगों की नियुक्ति इंडियन इलेक्ट्रिसिटी एक्ट के तहत की जानी चाहिए. इस मामले में हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस की बेंच में सुनवाई हुई. प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता ऋतु कुमार ने पक्ष रखा. वहीं विद्युत् नियामक आयोग की ओर से अधिवक्ता नवीन कुमार ने पक्ष रखा.

आलमगीर-बीरेंद्र का केस एक साथ टैग, होगा चार्ज फ्रेम

रांची। पूर्व मंत्री आलमगीर आलम और ग्रामीण विकास विभाग के निलंबित इंजीनियर इन चीफ बीरेंद्र राम से जुड़े टेंडर घोटाला के दो मामलों को एक साथ टैग कर दिया गया है. रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में गुरुवार को इस केस की आरोपी राजकुमारी देवी और बीरेंद्र राम के पिता गेंदा राम सशरीर कोर्ट में उपस्थित हुए. सुनवाई के दौरान सभी आरोपियों को पुलिस पेपर सौंप दिया गया. अब न्यायालय चार्ज फ्रेम की प्रकिया शुरू करेगा.

टेंडर घोटाला के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही ईडी : दरअसल झारखंड में टेंडर घोटाला के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग की जांच केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी कर रही है. इस केस में पूर्व मंत्री आलमगीर आलम, उनके ओएसडी संजीव लाल और जहांगीर आलम समेत ग्रामीण विकास विभाग के निलंबित इंजीनियर इन चीफ बीरेंद्र राम समेत कई लोगों को ईडी गिरफ्तार कर चुकी है.

मॉब लिंचिंग केस : असलम की डिस्चार्ज पर फैसला सुरक्षित

रांची। चर्चित रुपेश पांडेय मॉब लिंचिंग केस के आरोपी मोहम्मद असलम उर्फ पप्पू मियां की डिस्चार्ज पिटीशन पर रांची सीबीआई की विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के बाद अदालत ने डिस्चार्ज पिटीशन पर फैसला सुरक्षित रख लिया. सीबीआई की ओर से विशेष लोक अभियोजक खुशबू जायसवाल ने बहस की. बता दें कि हजारीबाग जिले के बरही में छह फरवरी 2022 को सरस्वती पूजा के बाद प्रतिमा विसर्जन जुलूस देखने पहुंचे रूपेश पांडेय नामक युवक की भीड़ ने हत्या कर दी थी. इस मामले में बरही थाना में दो एफआईआर दर्ज हुई थी. दोनों एफआईआर को सीबीआई ने टेकओवर कर जांच की है.

बरही थाना कांड संख्या 59/2022 में 27 नामजद व अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है. जबकि कांड 63/2022 में 87 नामजद और अन्य अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है.

लैंड स्कैम: राजकुमार पाहन ने भरा एक लाख का निजी बॉण्ड

रांची। लैंड स्कैम केस का आरोपी राजकुमार पाहन

गुरुवार को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में सशरीर उपस्थित हुआ. उसके खिलाफ कोर्ट ने समन जारी किया था. कोर्ट में उपस्थित होने के बाद कोर्ट ने उसे एक लाख का निजी मुचलका भरने का निर्देश दिया है. दरअसल ईडी ने हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम केस में प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन (पीसी) दायर की है, जिसपर कोर्ट ने संज्ञान भी ले लिया है. इस केस के प्रमुख आरोपी बड़गाईं अंचल के हल्का कर्मचारी भानु प्रताप समेत अन्य फिलहाल बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में बंद हैं. पीएमएलए कोर्ट द्वारा संज्ञान लिए जाने के बाद आर्किटेक्ट विनोद सिंह और राजकुमार पाहन पर गिरफ़्तारी की तलवार लटकने लगी थी. लेकिन कोर्ट में उपस्थित होने के बाद अब राजकुमार को राहत मिली है.

राहुल गांधी के खिलाफ वारंट जारी करने की कोर्ट से मांग

रांची। भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ बयान देने से जुड़े मामले में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और रायबरेली के सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज केस में रांची सिविल कोर्ट में सुनवाई हुई. पिछली सुनवाई में रांची की एमपी एमएलए की विशेष कोर्ट ने राहुल गांधी के विरुद्ध समन जारी किया था. लेकिन अब तक वह कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए. गुरुवार को नवीन झा की ओर से उपस्थित अधिवक्ता विनोद साहू ने कोर्ट से यह आग्रह किया कि राहुल गांधी के खिलाफ वारंट जारी किया जाए. राहुल गांधी के खिलाफ बीजेपी कार्यकर्ता नवीन झा ने केस दायर किया था. जिसमें यह आरोप लगाया गया है कि मार्च 2018 को उन्होंने कांग्रेस महाधिवेशन के दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की छवि धूमिल की है. राहुल के खिलाफ भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ अपतिजनक टिप्पणी करने के मामले को लेकर अवमानना का केस रांची और चाईबासा में किया गया था.

राज्य सेवा के अफसरों का ताबड़तोड़ तबादला

61 बीडीओ का हुआ ट्रांसफर

प्रमुख संवाददाता। रांची। राज्य सेवा के अफसरों का बड़े पैमाने पर तबादला किया है. 61 बीडीओ को इधर से उधर कर दिया है. ग्रामीण विकास विभाग ने इसका आदेश जारी कर दिया. जारी आदेश में कहा गया है कि वैसे प्रखंड जहां प्रखंड विकास पदाधिकारी पदस्थापित नहीं है. वहां अधिसूचित कार्यरत अंचल अधिकारी को प्रखंड विकास पदाधिकारी की शक्ति नियमित प्रखंड विकास पदाधिकारी के पदस्थापन तक प्रदत की जाती है. जिन प्रखंडों में भी अधिकारी के पद रिक्त हैं, उनमें प्रखंड विकास पदाधिकारियों द्वारा अंचल अधिकारी के दायित्वों का निर्वहन किया जाएगा.

जानें कौन-कहां गए

चंद्र देव प्रसाद	बीडीओ	चंदवारा, कोडरमा	अजय कुमार वर्मा	बीडीओ	डुमरी, गिरिडीह
नुपूर कुमारी	बीडीओ	कटकमसांडी	पप्पु रजक	बीडीओ	हंटरगंज
अमित कुमार	बीडीओ	सदर गुमला	अमल जी	बीडीओ	पालोजोरी,
कुन्दन भगत	बीडीओ	मोहनपुर	अमरेन डाग	बीडीओ	रंका, गढ़वा
रणजीत कुमार सिन्हा	बीडीओ	दुलमी	कीकू महतो	बीडीओ	कुंदा चतरा
कमलेश कुमार सिन्हा	बीडीओ	शिकारीपाडा	देवानन्द राम	बीडीओ	देवघर सदर
आशा साहू	बीडीओ	चितरपुर, रामगढ़	सुनील वर्मा	बीडीओ	हाटगम्हरिया
शक्ति कुंज	बीडीओ	रायडीह गुमला	मनोरंजन कुमार	बीडीओ	पत्थलगड़ा, चतरा
सत्यम कुमार	बीडीओ	विष्णुगढ़	मनोज कुमार तिवारी	बीडीओ	डडई, गढ़वा
दयानंद प्रसाद जायसवाल	बीडीओ	महुआटांड़	ललित प्रसाद सिंह	बीडीओ	झींकपानी, प. सिंहभूम
मो. हारून रशीद	व्याख्याता	सर्ड	संजय कुमार कोनगाडी	बीडीओ	पदमा हजारीबाग
संजय सांडिल्य	बीडीओ	बेरमो	आकांक्षा कुमारी	बीडीओ	गोड्डा सदर,
रितीक कुमार	बीडीओ	मांडू, रामगढ़	कनक	बीडीओ	बुंडू रांची
बरुण कुमार	बीडीओ	कुरडेग	विवेक किशोर	बीडीओ	कुकडू, सरायकेला
रेणु कुमारी	बीडीओ	मांडर	संतोष कुमार महतो	बीडीओ	गारू, लातेहार
संदीप कुमार	बीडीओ	मनिका लातेहार	हरिशंकर बारिक	बीडीओ	विश्रामपुर, पलामू
सोमनाथ बनर्जी	बीडीओ	रातू रांची	अखिलेश कुमार	बीडीओ	मझिआंव, गढ़वा
ज्ञानमणी एक्का	बीडीओ	केरसई, सिमडेगा	संतोष कुमार चौधरी	बीडीओ	बारियातू, लातेहार
मो. अमीर हमजा	बीडीओ	जामा दुमका	अशोक कुमार चौपड़ा	बीडीओ	मनातू, पलामू
विजय प्रकाश मरांडी	बीडीओ	नाला, जामताड़ा	मनोज कुमार गुप्ता	बीडीओ	राहे, रांची
अनिल कुमार	बीडीओ	तिसरी गिरिडीह	विजय कुमार	बीडीओ	हरिहरगंज पलामू
प्रभाष चंद्र दास	बीडीओ	जलडेगा, सिमडेगा	संतोष कुमार	बीडीओ	नौडीहा बाजार, पलामू
विवेक कुमार	बीडीओ	ईचाक	चन्दन प्रसाद	बीडीओ	दारू, हजारीबाग
सुमित कुमार मिश्रा	बीडीओ	केरेडारी, हजारीबाग	ठाकुर गौरी शंकर शर्मा	बीडीओ	लोहरदगा सदर
अमित कुमार पासवान	बीडीओ	चंदवा	निखिल गौरव कमान कच्छप	बीडीओ	खुंटपानी, प. सिंहभूम
प्रवीण कुमार	बीडीओ	रामगढ़, पलामू	विशाल कुमार पाण्डेय	बीडीओ	टुंडी, धनबाद
अभिषेक पाण्डेय	बीडीओ	प्रतापपुर चतरा	अन्वेषा ओना	बीडीओ	चांडिल,
कामेश्वर बेदिया	बीडीओ	ओरमांझी	मनीष कुमार	बीडीओ	धुरकी, गढ़वा
तालेश्वर रविदास	बीडीओ	पतरातू रामगढ़	अजय कुमार दास	बीडीओ	चिनियां, गढ़वा
प्रदीप कुमार दास	बीडीओ	पाकरटांड़, सिमडेगा	मनीष कुमार	बीडीओ	नामकुम, रांची
शैलेन्द्र कुमार चौरसिया	बीडीओ	बगोदर, गिरिडीह			

ब्रीफ खबरें

सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड का हक लौटाया : ठाकुर

रांची। प्रदेश कांग्रेस ने रतनगर्भा झारखंड और अन्य राज्यों द्वारा खदान और खनिज संपदाओं पर कर लगाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला ऐतिहासिक करार देते हुए इसका स्वागत किया है. प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा खनिज और खदानों पर राज्यों द्वारा कर लगाने के अधिकार के पक्ष में फैसला देना एक ऐतिहासिक निर्णय है. उन्होंने कहा कि 35 वर्षों पूर्व के फैसले को अमान्य करार देकर उच्चतम न्यायालय ने झारखंड को उसका हक वापस लौटा दिया.

राजधानी में आज बनेगी मानव श्रृंखला

रांची। आदिवासी जमीन लूट और पांचवीं अनुसूचित क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयों में आदिवासियों की मातृभाषा कुड़ुख, मुंडारी, खड़िया, संथाली, हो आदि के स्थान पर सादरी और नागपुरिया के शिक्षक नियुक्ति के विरोध में 26 जुलाई को एक दिवसीय मानव श्रृंखला बनाकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा. यह प्रदर्शन सुबह नौ बजे से हरमू बाईपास रोड में पुरानी रांची से लेकर बिरसा चौक तक किया जाएगा. यह जानकारी राष्ट्रीय आदिवासी छात्र संघ के अध्यक्ष संगम उरांव ने दी है.

सूबे के पांच जिलों के रहने वाले 15 नक्सलियों की तलाश में एनआईए

रांची । राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) रांची, धनबाद, लातेहार, लोहरदगा और चतरा जिले के रहने वाले 15 बड़े नक्सलियों की तलाश में है. इन नक्सलियों के सहयोगियों से एनआईए जानकारी जुटाने में लगी है. एजेंसी ने पिछले दिनों कुछ सहयोगियों के ठिकानों पर छापेमारी भी की थी. बता दें कि एनआईए झारखंड टेरर फंडिंग, माओवादी उग्रवाद और मानव तस्करी से संबंधित कई मामलों की जांच कर रही है. इन सभी मामलों में एनआईए ने कई जगहों पर छापेमारी भी की है. साथ ही कई नक्सली, उग्रवादी और टेरर फंडिंग से जुड़े लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है.

इन 15 बड़े नक्सलियों की है तलाश

- गिरिडीह के पीरटांड़ का रहने वाला भाकपा माओवादी का नक्सली पतिराम मांझी को एनआईए कांड संख्या आरसी-11/2017 और आरसी -19/2018 और 25/2020 मामले में तलाश कर रही.
- धनबाद टुंडी का रहने वाला भाकपा माओवादी नक्सली प्रयाग मांझी को एनआईए कांड संख्या आरसी- 11/2017 में खोज रही.
- रांची बुंडू का रहने वाला भाकपा माओवादी नक्सली गुरुवा मुंडा को एनआईए कांड संख्या आरसी- 11/2017 में तलाश कर रही.
- भाकपा माओवादी नक्सली छोटू खेरवार को एनआईए कांड संख्या आरसी 14/2017 और आरसी 01/2018 और 25/2020 में तलाश कर रही है.
- चतरा लावालौंग का रहने वाला टीपीसी उग्रवादी बृजेश गंझू को एनआईए कांड संख्या आरसी 06/2018, आरसी 22/2018 और आरसी 23/2018 में ढूंढ़ रही.
- चतरा जिले के लावालौंग का रहने वाला आक्रमण गंझू को एनआईए कांड संख्या आरसी 06/2018, आरसी 22/2018 और आरसी 23/2018 में तलाश कर रही.
- गिरिडीह जिले के मधुवन का रहने वाला भाकपा माओवादी नक्सली रामदयाल महतो को एनआईए कांड संख्या आरसी 19/2018 मामले में खोज रही.
- गिरिडीह जिले के पीरटांड का रहने वाला भाकपा माओवादी नक्सली अजय महतो को एनआईए ने कांड संख्या आरसी 19/ 2018 में तलाश कर रही है.
- गिरिडीह डुमरी का रहने वाला भाकपा माओवादी का नक्सली चंचल को एनआईए ने कांड संख्या आरसी 19/2018 में ढूंढ रही.
- गिरिडीह जिले के अकबीकाटांड का रहने वाला भाकपा माओवादी नक्सली शनीचर हेंब्रम को एनआईए कांड संख्या आरसी 19/2018 में तलाश कर रही है.
- लातेहार का रहने वाला रवींद्र गंझू को एनआईए कांड संख्या 25/2020 में तलाश कर रही है.

इसके अलावा इस मामले में एनआईए मृत्युंजय भुईंया, नागेंद्र यादव, कुंदन खेरवार, अनिल तुरी की भी तलाश कर रही है.

आंदोलनकारियों को मिलेगा बकाया पेंशन

रांची। झारखंड अलग राज्य के गठन के लिए आंदोलन करने वाले आंदोलनकारियों को बकाया पेंशन का भुगतान किया जायेगा. यह बकाया पेंशन रांची, जामताड़ा, लातेहार, चतरा और गढ़वा जिले के आंदोलनकारियों या उनके आश्रितों को मिलेगा. इसको लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने तीस लाख की राशि आवंटित की है. इसको लेकर गृह सचिव ने आदेश जारी किया है. जारी आदेश में कहा गया है कि संबंधित जिले के डीसी भुगतान से पूर्व सुनिश्चित करेंगे कि राज्य सरकार द्वारा चिन्हित आंदोलनकारियों को राशि का भुगतान करेंगे. जिन जिलों के लिए राशि आवंटित की गयी है, उसमें जामताड़ा के लिए 11.45 लाख, लातेहार के लिए 3.54 लाख, चतरा के लिए 9.97 लाख, गढ़वा के लिए 1.16 लाख और रांची के 3.91 लाख शामिल है.

क्लासिफाइड

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, शुक्रवार 26 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 05 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 5 ● वर्ष : 2, अंक : 108 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झारखंड के हक में सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला, केंद्र को झटका

खनिजों पर राज्यों को रॉयल्टी वसूलने का कानूनी अधिकार

25 साल बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही फैसले को गलत ठहराया

- 9 जजों की पीठ ने 8-1 के बहुमत से कहा-रॉयल्टी टैक्स नहीं है
- कहा- एमएमआरडीए एक्ट राज्यों के अधिकार सीमित नहीं करता

लगातार न्यूज नेटवर्क

सुप्रीम कोर्ट के नौ जजों की बैंच ने गुरुवार को एक आदेश जारी कर कहा है कि खान-खनिज की माइनिंग पर टैक्स लगाने का अधिकार राज्यों को है. सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है कि केंद्र सरकार, राज्यों की सरकार को जो रॉयल्टी मिलती है, वह टैक्स नहीं है. माइनिंग पर टैक्स लगाने का अधिकार राज्य सरकार को है या नहीं है, इसे लेकर करीब 25 सालों से विवाद चल रहा था.

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला झारखंड के लिए महत्वपूर्ण है. क्योंकि झारखंड में कोयला, आयरन ओर (लौट अयस्क), तांबा, यूरेनियम, अभ्रक, बॉक्साइट, मैग्नीज समेत कई तरह के खनिज हैं. सरकार को सिर्फ रॉयल्टी मिलती है. सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब राज्य सरकार अपने स्तर से खनिजों की माइनिंग पर टैक्स लगा पाएगी. इससे राज्य सरकार की आय में बढ़ोतरी होगी. इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि झारखंड के पास देश में कोयले का सबसे बड़ा भंडार है, लेकिन बिजली की उपलब्धता के मामले में यह सबसे नीचे स्थित पांच राज्यों में शामिल है.

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान के तहत राज्यों के पास खदानों और खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने का विधायी अधिकार है. शीर्ष अदालत की नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 8:1 के बहुमत के फैसले में कहा कि खनिजों पर देय रॉयल्टी कर नहीं है. चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि रॉयल्टी टैक्स नहीं है. कोर्ट के फैसले से झारखंड, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और उत्तर-पूर्व के खनिज समृद्ध राज्यों को फायदा होगा. हालांकि, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि संसद के पास निकाले गये खनिजों पर कर लगाने की सीमाएं, प्रतिबंध और यहां तक कि रोक लगाने की शक्ति है.

1989 में सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ द्वारा दिया गया फैसला सही नहीं : सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने अपने और पीठ के सात जजों के फैसले को पढ़ा, जिसमें कहा गया कि संविधान की दूसरी सूची की प्रविष्टि 50 के अंतर्गत संसद को खनिज अधिकारों पर कर लगाने की शक्ति नहीं है. बहुमत के फैसले में कोर्ट ने कहा कि वर्ष 1989 में सात जजों की संविधान पीठ द्वारा दिया गया वह फैसला सही नहीं है, जिसमें कहा गया था कि खनिजों पर रॉयल्टी कर है. -शेष पेज 11 पर

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना फैसले से असहमत

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने कहा कि राज्यों के पास खदानों तथा खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने का विधाई अधिकार नहीं है. चीफ जस्टिस और नागरत्ना के अलावा पीठ के अन्य सदस्य न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय, अभय एस. ओका, जेबी पारदीवाला, मनोज मिश्रा, उज्ज्वल भुइयां, सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह हैं.

31 जुलाई को पीठ सुनाएगी अपना फैसला

पीठ ने इस विवादास्पद मुद्दे पर फैसला सुनाया कि क्या खनिजों पर देय रॉयल्टी खान तथा खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 के तहत कर है. क्या केवल केंद्र को ही ऐसा कर लेने का अधिकार है या राज्यों को भी अपने क्षेत्र में खनिज युक्त भूमि पर कर लेने का अधिकार है. चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली नौ जजों की पीठ ने केंद्र और राज्यों से इस पहलू पर लिखित दलीलें दाखिल करने को कहा और कहा कि वह 31 जुलाई को इस मुद्दे पर फैसला करेगी. अगर यह फैसला पूर्वव्यापी लागू होता है, तो राज्यों को भारी कर बकाया देना पड़ सकता है. राज्य चाहते हैं कि यह फैसला पूर्वव्यापी रूप से लागू हो, जबकि केंद्र इसे भविष्य के लिए लागू करना चाहती है.

कोर्ट ने क्या -क्या कहा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यों के पास मिनरल्स वाली जमीन पर कर लगाने की क्षमता और शक्ति है. इससे ओडिशा, झारखंड, बंगाल, छत्तीसगढ़, एमपी और राजस्थान को बड़ा फायदा होगा. चीफ जस्टिस ने कहा, रॉयल्टी खनन पट्टे से आती है. रॉयल्टी खनन में निकाले गए मिनरल्स की मात्रा के आधार पर तय की जाती है. रॉयल्टी की बाध्यता पट्टा देने वाले और पट्टा लेने वाले के बीच अनुबंध की शर्तों पर निर्भर करती है. इसके लिए जो भी पेमेंट होती है, वह सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए नहीं, बल्कि विशेष उपयोग शुल्क के लिए होता है. ऐसे में सरकार को अनुबंध के लिए किए गए भुगतान को टैक्स नहीं माना जा सकता. मालिक खनिजों को अलग करने के लिए रॉयल्टी लेता है. रॉयल्टी को लीज डीड द्वारा जब्त कर लिया जाता है और टैक्स लगाया जाता है. हमारा मानना है कि इंडिया सीमेंट्स के फैसले में रॉयल्टी को टैक्स बताना गलत है.

केंद्र की दलील- रॉयल्टी का अधिकार केंद्र के पास हो

केंद्र की ओर से पेश अटार्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने तर्क दिया था- केंद्र के पास खदान और खनिजों पर टैक्स लगाने की ज्यादा शक्तियां हैं. सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि खदान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम खनिजों पर टैक्स लगाने की राज्यों की विधाई शक्ति पर सीमा लगाती है और रॉयल्टी तय करने का अधिकार केवल केंद्र सरकार के पास है.केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर राज्य सरकारों के द्वारा खनिज पर रॉयल्टी से अधिक टैक्स लगाने का विरोध किया था. केंद्र ने अदालत से राज्यों द्वारा रॉयल्टी से अधिक टैक्स लगाने की अनुमति ना देने के लिए कहा था. केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि खनिज समृद्ध राज्यों द्वारा लगाए गए टैक्स से महंगाई बढ़ेगी. खनन क्षेत्र में एफडीआई में बाधा आएगी. भारतीय खनिज महंगा हो जाएगा. व्यापार घाटे में वृद्धि और राज्यों के बीच विषम आर्थिक विकास के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार कम प्रतिस्पर्धी हो जाएगा.

क्या है रॉयल्टी : कंपनियां खनिज की मात्रा के अनुपात में निकाले गए खनिज के लिए एक निश्चित राशि का भुगतान करती हैं. इस तरह के भुगतान को रॉयल्टी कहा जाता है. रॉयल्टी की गणना निकाले गए या हटाए गए खनिजों की मात्रा के आधार पर की जाती है.

किसका कितना बकाया (रुपये में)

राज्य	बकाया	राज्य	बकाया
ओडिशा	1798369 .46 लाख	महाराष्ट्र	30453 .66 लाख
छत्तीसगढ़	883872 .12 लाख	गुजरात	25165 .11 लाख
राजस्थान	367596 .65 लाख	तेलंगाना	22473 .79 लाख
झारखंड	**279140 .34 लाख**	तमिलनाडु	17936 .39 लाख
आंध्र प्रदेश	41402 .136 लाख	गोवा	9755 .24 लाख
कर्नाटक	254214 लाख	यूपी	2452 .32 लाख

कारगिल विजय दिवस आज

भारत ने 26 जुलाई, 1999 में पाकिस्तानी सेना को खदेड़ते हुए कारगिल में विजय पताका फहराया था. इसके बाद से ही हर साल 26 जुलाई के दिन भारत कारगिल विजय दिवस मनाता है. यह दिन उन सैनिकों की बहादुरी को समर्पित है, जिन्होंने भारत को जीत दिलाई थी, साथ ही यह उन शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का दिन है, जिन्होंने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे. कारगिल दिवस के दिन स्कूल, कॉलेज, सरकारी व गैर-सरकारी शैक्षिक और अन्य संस्थानों में समारोह आयोजित किए जाते हैं.

ऑपरेशन विजय के नाम से भारत ने चलाया था अभियान

- 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ, 60 दिन तक कारगिल चला युद्ध–527 जवान हुए थे शहीद, करीब 1400 जवान घायल हुए

जेपी पटेल व लोबिन की विधायकी गई, स्पीकर कोर्ट ने सुनाया फैसला

दसवीं अनुसूची के उल्लंघन के लिए दोनों को माना दोषी

प्रमुख संवाददाता। रांची

विधानसभा सदस्य जेपी पटेल और लोबिन हेंब्रम की विधायकी चली गई. विधानसभा स्पीकर कोर्ट ने गुरुवार को इसका फैसला सुना दिया. पिछले दो दिनों से इस मामले की सुनवाई स्पीकर कोर्ट में चल रही थी. बुधवार को सुनवाई पूरी होने के बाद स्पीकर ने फैसला सुरक्षित रख लिया था. साथ ही दोनों से गुरुवार को दोपहर 12 बजे तक जवाब देने को कहा गया था. दोनों की ओर से लिखित जवाब मिलने के चार घंटे बाद स्पीकर रवींद्र नाथ महतो ने दोनों विधायकों की सदस्यता रद्द करने का फैसला सुना दिया. दोनों को दल-बदल मामले में दसवीं अनुसूची के उल्लंघन के लिए दोषी माना गया. इन दोनों विधायकों की सदस्यता 26 जुलाई से रद्द मानी जाएगी.

पार्टी लाइन से बाहर जाकर लोबिन ने लड़ा था चुनाव : झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम ने अपनी पार्टी के खिलाफ राजमहल से लोकसभा चुनाव लड़ा था. पार्टी अध्यक्ष शिबू सोरेन ने इनको पार्टी से निलंबित करते हुए दल-बदल की शिकायत की थी. वहीं विधायक लोबिन हेंब्रम की ओर से कहा गया कि इससे संबंधित कोई नोटिस नहीं मिला है. सदन में हेमंत सोरेन के पक्ष में वोट किया था. इसका मतलब है कि वे झामुमो के ही विधायक हैं. वहीं झामुमो की ओर से कहा गया कि लोकसभा चुनाव के दौरान लोबिन हेंब्रम ने पार्टी लाइन से बाहर जाकर चुनाव लड़ा. ऐसे में उनकी सदस्यता खत्म होनी चाहिए

- 26 जुलाई से मानी जाएगी दोनों की सदस्यता रद्द
- दोनों के लिखित जवाब देने के चार घंटे बाद स्पीकर ने सुनाया फैसला

कांग्रेस के टिकट पर जेपी पटेल ने लड़ा था चुनाव

वहीं, भाजपा विधायक जेपी पटेल लोकसभा चुनाव के कुछ दिन पहले कांग्रेस में शामिल हो गये थे और हजारीबाग से कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़े थे. इनके खिलाफ नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने दल-बदल की शिकायत की थी. सुनवाई के दौरान अमर बाउरी ने पूछा था कि विधायक केवल इतना बता दें कि वह कांग्रेस के चुनाव चिह्न पर हजारीबाग सीट से लोकसभा का चुनाव लड़े थे या नहीं. प्रतिवादी जेपी पटेल ने इस पर कहा था कि मुझे मंगलवार को ही याचिका की कॉपी मिली. इसलिए मुझे जवाब के लिए 90 दिनों का समय चाहिए. इस पर स्पीकर ने उन्हें गुरुवार को ही जवाब देने को कहा था.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	64,800
चांदी (किलो)	87,000

ब्रीफ खबरें

महाराष्ट्र में बारिश का कहर, इलाके जलमग्न

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच गुरुवार को को वर्षाजनित घटनाओं में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई. पुणे समेत महाराष्ट्र के कई निचले इलाके जलमग्न हो गये हैं. मुंबई में जनजीवन अस्त-व्यस्त है. गुजरात में भी बारिश का कहर जारी है. पेज 12 भी देखें

केजरीवाल के समर्थन में 30 को 'इंडिया' की रैली

नयी दिल्ली। विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन 30 जुलाई को जंतर-मंतर पर एक रैली आयोजित करेगा, जिसमें तिहाड़ जेल में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरती सेहत का मुद्दा उठाया जाएगा. आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को यह जानकारी दी.

दरबार हॉल और अशोक हॉल के नाम बदले गए

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति भवन के प्रतिष्ठित दरबार हॉल और अशोक हॉल के नाम गुरुवार को बदल कर क्रमशः गणतंत्र मंडप और अशोक मंडप कर दिए गए. इस मामले पर सियासत भी तेज हो गई है. इसको लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा. प्रियंका गांधी ने कहा कि दरबार का कोई कॉन्सेप्ट नहीं है, लेकिन 'शहंशाह' का कॉन्सेप्ट है.

लोकसभा में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे उठाया सवाल, की मांग, मचा हंगामा

संथाल के 10% आदिवासी कहां गुम हो गए?

एजेंसी। नयी दिल्ली

गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को लोकसभा में आदिवासियों की घटती आबादी का मुद्दा उठाया. उन्होंने शुरुआत संविधान खतरे में है से की और कहा कि हम यहां दलितों की बात करते हैं, आदिवासी की बात करते हैं. कहीं किसी की सरकार हो, उसका एकमात्र लक्ष्य यही है कि अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है. सांसद ने कहा, जिस संथाल परगना से आता हूं, वहां जब बिहार से झारखंड अलग हुआ, तो आदिवासी आबादी 36% थी. आज आदिवासियों की आबादी 26% है. 10% आदिवासी कहां गायब हो गए, कहां खो गए?

123% की दर से बढ़ी मुस्लिम आबादी : सांसद ने कहा कि जिप की जो अध्यक्ष हैं, उनके पति मुसलमान हैं. हमारे यहां सौ आदिवासी मुखिया हैं जो आदिवासी के नाम पर हैं और उनके पति मुस्लिम हैं. प्रत्येक चुनाव में 15 से 17% आबादी बढ़ती है, हमारे यहां 123%. दुबे ने कहा कि जिस लोकसभा से चुन कर आया, उसकी एक विस सीट मधुपुर में 267 बूथों पर मुस्लिमों की आबादी 117%बढ़ गई है. झारखंड में 25 ऐसी विस सीटें हैं जहां 123%, 110% आबादी बढ़ी है. ये बड़ी चिंता का विषय है. उन्होंने पाकुड़ जिले के तारानगर इलामी और दारापाड़ा में दंगे का मुद्दा उठाते हुए कहा, मालदा और मुर्शिदाबाद के लोग आकर हमारे लोगों को भगा रहे हैं. गांव के गांव खाली हो रहे हैं. दुबे ने कहा कि ये मैं ऑन रिकॉर्ड कह रहा हूं. अगर मेरी बात गलत है, तो मैं इस्तीफा देने को तैयार हूं. सांसद ने कहा, मालदा, मुर्शिदाबाद, किशनगंज, अररिया, कटिहार और जो पूरा संथाल परगना है, इसको केंद्र शासित प्रदेश बनाइए. नहीं तो हिंदू खत्म हो जाएंगे. एनआरसी लागू करिए. इसके पहले पहले हाउस की एक कमेटी भेजिए और इस कमेटी में टीएमसी के अधिक से अधिक सांसदों को शामिल करिए.

- संथाल परगना , मुर्शिदाबाद, अररिया, किशनगंज, मालदा को बनाया जाए केंद्रशासित प्रदेश, वरना खत्म हो जाएंगे हिंदू
- झारखंड की 25 विस सीटों पर बढ़े 110% मुस्लिम, गांव के गांव हो गए खाली

बांग्लादेशी कर रहे यहां की लड़कियों से शादी

सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि इसके बारे में कभी भी ये सदन चिंता की बात नहीं करता है, वोटबैंक की पॉलिटिक्स करता है. निशिकांत दुबे ने कहा कि हमारे यहां जो सरकार है झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस, इसके लिए कोई भी एक्शन नहीं लिया जा रहा है. उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की घुसपैठ हमारे यहां लगातार बढ़ रही है. आदिवासी महिलाओं के साथ बांग्लादेशी घुसपैठिए शादी कर रहे हैं. हिंदू और मुसलमान का सवाल नहीं है. बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि हमारे यहां जो लोकसभा का चुनाव लड़ती हैं महिला, वह आदिवासी कोटे से लड़ती हैं और उसके पति मुसलमान हैं.

पेरिस ओलंपिक का आज रंगारंग उद्घाटन

पेरिस। पेरिस ओलंपिक शुक्रवार को सीन नदी पर ऐतिहासिक उद्घाटन समारोह के साथ शुरू होगा. भारत भी इस महत्वपूर्ण अवसर का हिस्सा होगा. उद्घाटन समारोह भारतीय समयानुसार रात 11 बजे से शुरू होगा और भारत में इसका सीधा प्रसारण भी होगा.

ओलंपिक इतिहास में पहली बार उद्घाटन समारोह किसी स्टेडियम में नहीं होगा. सभी राष्ट्रों की पारंपरिक परेड पेरिस की सीन नदी के किनारे होगी. समारोह में, 100 नावों पर 10,000 एथलीट सीन के ज़रिए यात्रा करेंगे. दो बार की ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु और टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल, पेरिस परेड ऑफ नेशंस में भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे. -पेज 10 भी देखें

विस का मॉनसून सत्र आज से, 29 को अनुपूरक बजट

विधानसभा अध्यक्ष के चैंबर में आयोजित बैठक में सीएम हेमंत सोरेन.

विशेष संवाददाता। रांची

हेमंत के तीसरी बार सीएम बनने के बाद विस का मॉनसून सत्र शुक्रवार से शुरू हो रहा है. छह दिन के कार्यदिवस वाले इस छोटे सत्र के सफल संचालन के लिए विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने गुरुवार को विधायक दल के नेताओं की बैठक बुलाई.

बैठक में इंडिया गठबंधन विधायक दल के नेता एवं सीएम हेमंत सोरेन, कांग्रेस की ओर से मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव, माले विधायक विनोद सिंह और आजसू के लंबोदर महतो ने हिस्सा लिया. बैठक के बाद बातचीत में सीएम ने कहा कि सवाल भी आते हैं, जवाब भी आते हैं. जैसा आसन का निर्देश होता है, उसके अनुसार सदन चलता है. जब उनसे पूछा गया कि भाजपा के विधायक बैठक में नहीं आए. तो उन्होंने कहा कि वे लोग तो आए थे, मगर किस लिए आए, किस उद्देश्य के लिए आए, यह तो वही लोग बता सकते हैं. हेमंत ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा झारखंड में राष्ट्रपति शासन लगाए जाने की मांग पर कहा कि वे संसद देखें, झारखंड के बारे में अधिक चिंता न करें.

सत्र हंगामेदार होने की संभावना, भाजपा विभिन्न मुद्दों पर घेरेगी : विधानसभा का मॉनसून सत्र हंगामेदार रहने की संभावना है. भाजपा विभिन्न मसलों जैसे रोजगार, नौकरी, स्थानीय नीति, विधि व्यवस्था, बांग्लादेशी घुसपैठ सहित अन्य मसलों पर सरकार को घेरेगी. इधर सत्ता पक्ष भी विपक्ष के हमले का मुंहतोड़ जवाब देने को तैयारी कर रहा है.

स्पीकर ने की विधायकों की बैठक, भाजपा के लोग नहीं हुए शामिल

- **हेमंत ने कहा :** भाजपा के कुछ लोग तो आए थे, मगर किस उद्देश्य से आए थे, वही बता सकते हैं

सदन में किस दिन क्या होगी कार्यवाही

- **26 जुलाई :** शपथ ग्रहण अगर कोई हो तो, राज्यपाल सदन में प्रख्यापित अध्यादेशों को रखेंगे, शोक प्रस्ताव यदि हो तो
- **27, 28 जुलाई :** अवकाश
- **29 जुलाई :** प्रश्नकाल, वित्तीय वर्ष 2024–25 का प्रथम अनुपूरक बजट पेश
- **30 जुलाई :** प्रश्नकाल, अनुपूरक बजट पर चर्चा
- **31 जुलाई :** राजकीय विधेयक एवं राजकीय कार्य यदि हो, प्रश्नकाल
- **01 अगस्त :** प्रश्नकाल, राजकीय विधेयक एवं अन्य राजकीय कार्य यदि हो
- **2 अगस्त :** राजकीय विधेयक एवं राजकीय कार्य यदि हो, गैर सरकारी संकल्प

हाई बोल्ट का नंगा तार हैं योगी

प्रसंगवश

बैजनाथ मिश्र
वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

राजनीतिक दलों में असंतोष सीक्रेट एजेंट की तरह होता है. वह मौके की तलाश में रहता है. जब तक पार्टियां उड़ान या उठान पर होती हैं, तब तक यह एजेंट साइलेंट मोड में होता है. लेकिन जैसे ही वे ढलान की ओर अग्रसर होती हैं, यह एजेंट अपने पैंतरे दिखाने लगता है. उत्तर प्रदेश भाजपा में यह परिदृष्य सतह पर आ गया है. ऐसा मीडिया की खबरों से प्रतीत होता है. मूल सवाल यह उठ रहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बचेंगे या जायेंगे ? ऐसे ही हालात 1999 में बने थे. तब कल्याण सिंह बतौर मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से भिड़ गये थे. अंततः उन्हें जाना पड़ा था. उन्होंने अलग पार्टी बनायी, मुलायम सिंह यादव से समझौता भी किया. इससे इन दोनों को तो नुकसान हुआ ही, भाजपा भी लहूलुहान हो गयी थी. थक-हार कर मेरो मन अनत कहां सुख पावै, जैसे उड़ि जहाज कौ पंछी पुनि जहाज पै आवै गाते हुए कल्याण सिंह भाजपा में वापस आये जरूर, लेकिन भाजपा को उबरने में कम से कम एक दशक से ज्यादा लग गया. कल्याण सिंह ने भाजपा को गढ़ा था, सींचा था, संवारा था और राम मंदिर के लिए अपनी बहुमत की सरकार कुर्बान कर दी थी. प्रदेश में उनकी हैसियत का नेता तब भी नहीं था और अब भी नहीं है. लेकिन उन्होंने सबसे बड़ी भूल यह कर दी कि वह वाजपेयी जी से भिड़ गये. इतिहास गवाह है कि जो अटल जी से भिड़ा वह कहीं का नहीं रहा. बलराज मधोक से लेकर गोविंदाचार्य और सुब्रह्मण्यम स्वामी तक.

खैर अब लौटते हैं उत्तरप्रदेश में मौजूदा हालात पर. योगी जी न संघ में रहे हैं, ना ही भाजपा संगठन में. न उन्होंने संघ के लिए कुछ किया है, ना ही भाजपा के लिए. उनके दादा गुरु महंत दिग्विजय नाथ हिंदू महासभा के थे और उनके शिष्य अवैद्यनाथ जी भी उसी के ध्वजवाहक थे. लेकिन ये दोनों राम मंदिर के लिए अड़े और लड़े. बाद में अवैद्यनाथ जी भाजपा से जुड़े, चुनाव लड़े और बाद में एक घटना के कारण आदित्यनाथ ने राजनीति में पदार्पण किया और गोरखपुर से लगातार संसद पहुंचते रहे. उन्होंने हिंदू रक्षा वाहिनी भी बनायी और हिंदुओं के लिए अपने गुरुओं की राह पर चलते हुए पूरी शिद्दत से लड़े और किसी से भी भिड़े. बावजूद इसके वह प्रदेश के नेता कभी नहीं थे. वह गोरखपुर मंडल और खींचतान कर पूर्वी उत्तर प्रदेश में ही प्रभावी रहे. लेकिन 2017 में मुख्यमंत्री बनने के बाद वह पूरे प्रदेश में छा गये हैं. आज उनके बराबर का कोई नेता भाजपा में तो नहीं ही है, दूसरी पार्टियों में भी नहीं है. उन्होंने नो रिटर्न एंड पर चले गये प्रदेश को पटरी पर लाने का प्रयास किया है. उन्होंने कानून का राज तो स्थापित किया ही है, विकास की आस भी जगायी है. वह अपनी वेश-भूषा, भाषा और व्यक्तित्व-कृतित्व से हिंदुत्व के आइकॉन बन गये हैं. यानी हिंदुत्व के मामले में आज भाजपा जहां है, योगी जी उससे एक सीढ़ी ऊपर हैं. ऐसे में क्या लोकसभा चुनाव में प्रदेश में भाजपा की दुर्गति के लिए उन्हें कसूरवार मानते हुए मुख्यमंत्री पद से हटा दिया जायेगा ? इस प्रश्न का उत्तर इस सवाल में छिपा है कि उन्हें किन लोगों के कहने या दबाव में हटाया जायेगा और उनकी जगह लाया कौन जायेगा ? -शेष पेज 11 पर

ब्रीफ खबरें

साकची बाजार शिव मंदिर की कांवर यात्रा 11 को

जमशेदपुर। साकची बाजार श्री शिव मंदिर कमिटी 11 अगस्त रविवार को विशाल कांवर यात्रा निकालेगी सुबह छह बजे स्वर्णरेखा नदी मानगो से साकची शिव मंदिर तक निकलने वाली कांवर यात्रा में 1100 कांवरियां शामिल होंगे, जो भोले बाबा का जलाभिषेक करेंगे. इस धार्मिक कांवर यात्रा को सफल बनाने के लिए मंदिर कमिटी की एक बैठक मंदिर परिसर में उमेश शाह की अध्यक्षता में संपन्न हुई. उन्होंने बताया कि इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता एवं उनकी पत्नी सुधा गुप्ता अतिथि के रूप में शामिल होंगी.बैंड बाजे के साथ आकर्षक झांकी निकलेगी.

इनर व्हील क्लब ने स्कूल में लगाये 20 फलदार पौधे

जमशेदपुर। इनर व्हील क्लब ऑफ जमशेदपुर जेस्ट ने पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर आदित्यपुर दिंदली बाजार स्थित मध्य विधालय में 20 फलदार पौधे लगाये और विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया. यह कार्यक्रम अध्यक्ष प्रीति गोयल ने क्लब की अन्य सदस्यों के साथ मिलकर संपन्न किया. उन्होंने बच्चों को जागरूक करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण इतना महत्वपूर्ण है कि हर व्यक्ति इसमें बदलाव ला सकता है. प्रदूषण को कम करके हम आने वाले वर्षों तक पृथ्वी पर रहना जारी रख सकते हैं.

नशा के खिलाफ अभियान चलाएगा नमो फैन्स क्लब

आदित्यपुर। नमो फैन्स क्लब नशा के खिलाफ भुक्तभोगी परिवारों एवं आम जनता को साथ लेकर आदित्यपुर के शिक्षण संस्थानों में जन जागरुकता अभियान चलाएगी. यह जानकारी क्लब के संरक्षक सतीश शर्मा ने दी. उन्होंने कहा कि आदित्यपुर ब्राउन शुगर जैसी जानलेवा नशीली पदार्थ का हब बन गया है. यहां से कई राज्यों में ब्राउन शुगर की सप्लाई बड़ी मात्रा में की जाती है. इस नशा की चपेट में बच्चों के आने से उनका पूरा परिवार मानसिक रूप से परेशान है. आदित्यपुर में चोरी एवं लूटपाट जैसी घटनाओं को नशाखोरों की टोली अंजाम दे रही है.

बजट में शोषण के अलावा कुछ भी नहीं : अभय झा

आदित्यपुर। युवा जनशक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय झा ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए कहा कि मोदी सरकार 3.0 के बजट ने मध्यम वर्ग के लोगों के लिए ताबूत पर कील ठोंकने जैसा काम किया गया है. यह बजट सरकारी खजाने भरने और जनता की शोषण के अलावा कुछ अलग नहीं है. एक तरफ सरकार मुद्रा लोन को सरल कराने की बात करती है लेकिन देश के युवाओं को लोन नहीं मिल पाता है. पेट्रोल डीजल को जीएसटी के दायरे से बाहर रखा गया है.

एनएच 18 पर डिवाइडर से टकराई कार, एक घायल

घाटशिला। गालूडीह थाना क्षेत्र के पुतरू टोल प्लाजा से कुछ दूरी पर गुरुवार को एनएच 18 फोरलेन पर अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई. इस दुर्घटना में कार चालक चांडिल के कपाली गांव निवासी सैयद कलीम गंभीर रूप से घायल हो गये. स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस की मदद से अनुमंडल अस्पताल घाटशिला पहुंचाया. अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार कर गंभीर रूप से घायल चालक को बेहतर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर रेफर कर दिया गया. घायल सैयद कलीम ने बताया कि वह जमशेदपुर की ओर जा रहा था.

भू-अर्जन का मुआवजा भुगतान का निर्देश

जमशेदपुर। उपायुक्त अनन्य मित्तल ने योजनाओं के लिए आम लोगों से अर्जित की गई भूमि का मुआवजा भुगतान जल्द से जल्द करने का निर्देश अधिकारियों को दिया. उपायुक्त बृहस्पतिवार को विभाग की समीक्षा कर रहे थे. इस दौरान पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता को भादोडीह-सतनाला-बोड़ाम, माधवपुर पथ का मुआवजा भुगतान हेतु वांछित राशि जिला भू अर्जन कार्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया. बैठक में जिला भू अर्जन पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, जमशेदपुर तथा एनएचएआई के परियोजना निदेशक मौजूद रहे.

आदित्यपुर में सामाजिक संस्था उद्गम के 8वें रक्तदान शिविर में पहुंचे बड़ी संख्या में रक्तदाता

ग्रामीण क्षेत्रों में भी रक्तदान की परंपरा शुरू होनी चाहिए : अर्जुन मुंडा

- झारखंड के 17 जिलों में सबसे ज्यादा रक्त की कमी : गीता कोड़ा

संवाददाता । आदित्यपुर

उद्गम के 8वें रक्तदान शिविर में गुरुवार को बड़ी संख्या में रक्तदाता और उनका हौसला बढ़ाने वाले पहुंचे. इस अवसर पर 119वीं बार रक्तदान करने वाले सतपाल सिंह, 104वीं बार रक्तदान करने वाले मनोरंजन गौड़ और 108वीं रक्तदान करने वाले कुमार एस हाजरा को अतिथियों ने सम्मानित किया. शिविर में कुल 331 यूनिट रक्त संग्रह हुआ.

इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्य अतिथि अर्जुन मुंडा ने कहा कि आज उद्गम का महारक्तदान शिविर लगा है. यह मानवीय संवेदनाओं का अभूतपूर्व योगदान है. मनुष्य का जीवन केवल खुद के लिए बल्कि इसका अस्तित्व औरों के लिए भी है. इसका उदाहरण रक्तदान है. हमें ऐसे कार्यक्रमों से प्रेरित होकर औरों के लिए समाज के लिए कुछ योगदान दें. प्रकृति ने हमें बहुत सारी अमूल्य चीजें देकर भेजी है जिसका हम दान कर दूसरों की जान बचा सकते हैं यही मानव जीवन की सार्थकता है. इसमें रक्तदान भी अमूल्य है. ग्रामीण क्षेत्रों में भी रक्तदान की परंपरा शुरू हो. अब ग्रामीणों में रक्तदान के प्रति जागरुकता आई है, भ्रांतियां दूर हुई है. अपने संबोधन में उन्होंने शरीर में रक्तप्रवाह की महत्ता को बताया.

विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद गीता कोड़ा ने कहा कि रक्तदान के क्षेत्र में उद्गम ने कीर्तिमान स्थापित किया है. पहली बार 1302 यूनिट रक्त संग्रह करना संस्था का रिकार्ड है. झारखंड के 17 जिलों में सबसे ज्यादा रक्त की कमी है, सरकार को इसपर ध्यान देने की जरूरत है. थैलीसीमिया, एनीमिया जैसी बीमारी से लोग जान गंवा रहे हैं. रक्तदान जीवनदान है चूंकि विज्ञान अब तक इसका वैकल्पिक उपाय तक नहीं ढूंढ पाई है. अतिथियों ने शिविर में पहुंचे रक्तदाताओं का मनोबल बढ़ाया और उन्हें असली दाता बताया.

उद्गम के 8वें रक्तदान शिविर में पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व सांसद गीता कोड़ा, सरायकेला जिलाध्यक्ष उदय सिंहदेव, पूर्वी सिंहभूम जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा, कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अजय सिंह, समाजसेवी बिल्डर कौशल सिंह, क्षत्रिय महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष शम्भूनाथ सिंह, संरक्षक अशोक षाड़ंगी, अजजा मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य रमेश हांसदा, पूर्व विधायक मंगल सोय, पूर्व जिप सदस्य सारथी महतो मंचासीन रहे. सोनिया सिंह ने स्वागत भाषण किया. मुख्य संरक्षक और नगर निगम का पूर्व डिप्टी मेयर अमित सिंह बॉबी ने मुख्य अतिथि अर्जुन मुंडा का अभिनंदन शॉल ओढ़ाकर किया. स्वागत करने वालों में कृष्ण मुरारी झा, रंजन दास, बरजो राम हांसदा, अमितेश सिंह, बबलू शर्मा, किशन प्रधान, अमन कुमार शामिल रहे. इस कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष विजय महतो, नमो फैंस क्लब के संरक्षक सतीश शर्मा, राकेश सिंह, सरयू पासवान, मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, गुरजीत सिंह, संजय सरदार, राकेश मिश्रा, रतन महतो, देवश महापात्रा, उद्यमी विमल सिंह और विनोद सिंह, ललन शुक्ला, मंजू ठाकुर, जयंत श्रीवास्तव, मनोज सिंह, पार्षद अभिजीत महतो आदि मौजूद रहे. मंच का संचालन प्रकाश मेहता ने किया.

गोपालपुर गांव में 15 ट्रैक्टर से अधिक अवैध लकड़ियां जब्त

जादूगोड़ा के आरा मिल में एसडीएम का छापा

वन विभाग छानबीन में जुटा, एक हिरासत में

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

एसडीएम (धालभूम) पारूल सिंह ने गुप्त सूचना के आधार पर बृहस्पतिवार को जादूगोड़ा के गोपालपुर गांव में स्थित एक आरा मिल (लकड़ी टाल) में छापामारी की. छापामारी के दौरान टाल से काफी मात्रा में पेड़ की साबूत लकड़ियां मिली. कुछ लकड़ियों को परिसर में स्थित तालाब में डालकर रखा गया था. एसडीएम ने वहां काम कर रहे मजदूरों से पूछताछ की लेकिन किसी ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया. इसी दौरान मिल के मालिक भागीरथ भकत का बेटा पीयुष भकत वहां पहुंचा. एसडीएम ने उससे पूछताछ की लेकिन उसने भी लकड़ियों के संबंध में जानकारी होने से इनकार किया. मौके पर मौजूद जादूगोड़ा पुलिस ने पीयुष भकत को हिरासत में ले लिया. एसडीएम ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली थी कि वन क्षेत्र से लकड़ियों काटकर टाल में लाया जाता है. सूचना के बाद उन्होंने परिसर का मुआयना किया. जहां भारी मात्रा में लकड़ियां बरामद हुई. मौके से ही वन विभाग के अधिकारियों को इसकी सूचना देते हुए आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा. दूसरी ओर सूचना के बाद वन विभाग की टीम वहां पहुंची तथा लकड़ियों को जब्त करते हुए इसकी सूची बनायी. लगभग 15 ट्रैक्टर से ज्यादा मात्रा में वहां लकड़ियां होने का दावा किया गया.

संचालक फरार, बेटा हिरासत में

लकड़ी टाल का संचालन बारीडीह का रहने वाला भागीरथ भकत करता है. छापेमारी के दौरान वह वहां मौजूद नहीं था. उस समय उसका पुत्र पीयुष भकत वहां मौजूद था. एसडीएम के पूछताछ करने पर पीयुष भकत ने बताया कि वह दिल्ली में रहकर पढ़ाई करता है. कुछ दिन पहले ही शहर आया है. आज किसी काम से टाल में आया था.

स्वतंत्रता दिवस की तैयारी को लेकर एसडीओ ने की बैठक

राजस्टेट मैदान में 12 व 13 को अभ्यास परेड

संवाददाता । घाटशिला

अनुमंडल कार्यालय घाटशिला के सभागार में गुरुवार को स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) सच्चिदानंद महतो ने तैयारी कमेटी के साथ समीक्षा बैठक की. अनुमंडल पदाधिकारी ने बैठक में उपस्थित विभिन्न स्कूलों के प्रतिनिधियों से कहा कि इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस समारोह में परेड तथा अन्य कार्यक्रम को लेकर राजस्टेट मैदान में 12 एवं 13 अगस्त को अभ्यास परेड किया जाएगा, जिसमें विभिन्न स्कूलों के बच्चे शामिल होंगे.

बीडीओ तथा सीओ की अध्यक्षता में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी पूरी की जाएगी. परेड का निरीक्षण सीओ एवं बीडीओ करेंगे. सुरेश चौहान तथा कलीराम शर्मा बच्चों की परेड की देखरेख करेंगे. अन्य तैयारी को लेकर तैयारी समिति के सदस्यों को विस्तृत जानकारी दी गई.

एसडीओ ने कहा कि धालभूमगढ़ कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राएं बैंड टीम के साथ मैदान में 15 अगस्त को 9.30 बजे उपस्थित रहेंगी. इसके लिए तैयारी समिति के सदस्य संपर्क करेंगे. बैठक में डीसीएलआर नित्य निखिल सुरीन, अंचल अधिकारी निशात अंबर, सुरेश चौहान, कलीराम शर्मा, फकीर चंद्र अग्रवाल, सत्यनारायण जैन, आनंद अग्रवाल सहित तैयारी समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे.

आदित्यपुर में टीसीएस भुवनेश्वर की महिलाकर्मी ने की आत्महत्या

आदित्यपुर। थाना क्षेत्र के मांझी टोला त्रिपुरारी कॉलोनी मार्ग संख्या एक की रहने वाली मंजूलता मिश्रा (26 वर्ष) ने बुधवार देर रात आत्महत्या कर ली. घटना के बाद इसकी जानकारी पुलिस को दे दी गई है. पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. मंजू के भुवनेश्वर में टीसीएस कंपनी में काम करती थी. फिलहाल वह वर्क फ्रॉम होम पर थी. परिवार के लोग टीसीएस कंपनी के अधिकारियों को ही इसका कारण मान रहे हैं. उनका कहना है कि मंजू पर काम का काफी दबाव था. वह कई दिनों से तनाव में थी.

ग्राम प्रधानों के साथ संघ के अध्यक्ष ने की बैठक

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के जयपुरा में गुरुवार को तीन पंचायत खेदुआ, ब्रामनकुंडी व सांड्रा ग्राम प्रधानों के साथ मानवता कल्याण संघ की बैठक हुई. बैठक में संगठन को मजबूत बनाने के लिए कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया. बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर संपूर्ण मानवता कल्याण संघ के अध्यक्ष डॉ संजय गिरि उपस्थित थे.

बैठक में संगठन के कल्याण कोष का गठन करने और वंचित पदधारकों के सम्मान राशि का भुगतान की पहल करने पर बल दिया गया. ग्राम प्रधान के अध्यक्ष कोकिल महातो ने कहा कि अपने अधिकारों की रक्षा करते हुए प्रशासन से कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करना है. डॉ गिरि ने कहा कि सरकारी योजना के संचालन में ग्राम सभा और ग्राम प्रधान से सहमति ली जानी चाहिए. समस्त ग्राम प्रधानों के हक के लिए सरकार से लड़ेंगे. मौके पर राम लाल नायक, दुलाल चंद नायक, सपत गोराई, नंदलाल बाग, अरुण बारिक आदि उपस्थित थे.

शिक्षा के बिना विकास संभव नहीं : रामदास

संवाददाता । घाटशिला

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग झारखंड सरकार के निर्देश पर गुरुवार को मारवाड़ी हिंदी प्लस टू उच्च विद्यालय में स्कूल रुआर अभियान पर एकदिवसीय प्रखंड स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई. कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक रामदास सोरेन उपस्थित थे.

कार्यशाला को संबोधित करते हुए विधायक रामदास सोरेन ने कहा कि शिक्षा के बिना गांव का विकास संभव नहीं है गांव का विकास होगा तो राज्य और राष्ट्र का विकास होगा. इसलिए हर बच्चे शिक्षित हो यह हम सभी का प्रयास होना चाहिए. साथ ही साथ बच्चों की पढ़ाई के लिए झारखंड सरकार की अन्य कई योजनाओं के संबंध में चर्चा की.

उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार राज्य के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए स्कूल रुआर अभियान की शुरुआत की है. इस अभियान के तहत स्कूल में नए नामांकन एवं ड्रॉप आउट बच्चों को दोबारा स्कूल लाने के लिए प्रेरित करना उद्देश्य है. यह अभियान 31 जुलाई तक चलेगा. इसके लिए उन्होंने शिक्षकों को भी निर्देश दिया कि जो बच्चे लगातार 15 से 20 दिन स्कूल नहीं आ रहे हैं उनके घर जाकर उन्हें स्कूल लाने के लिए तैयार करें. राज्य सरकार शिक्षा पर विशेष ध्यान दे रही है.

कार्यशाला में मुख्य रूप से बीडीओ युनिका शर्मा, बीईओ प्रभाकर कुमार, बीपीओ जयश्री बाइपोई, रंजित घोष, कमल किशोर गोप, शिप्रा दत्ता, संजीव कुमार पाल, श्रवण कुमार, केशव कुमार, उत्पल चक्रवर्ती, संजीव कुमार दत्ता, कृष्ण चंद्र बेरा, सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे.

डुमरिया में स्कूल रुआर पर कार्यशाला आयोजित

डुमरिया प्रखंड सभागार में गुरुवार को बीडीओ निलेश कुमार मुर्मू की अध्यक्षता में प्रखंड स्तरीय स्कूल रूआर 2024 पर कार्यशाला आयोजित की गई. इसमें प्रखंड प्रमुख गंगामनी हांसदा, उप प्रमुख चैतन मुर्मू समेत सभी मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, प्रखंड संसाधन केंद्र के कर्मी और प्रधानाध्यापक उपस्थित थे. कार्यशाला में मुख्य रूप से समग्र शिक्षा अभियान का मुख्य लक्ष्य 5 से 18 वर्ष उम्र के सभी बच्चों को स्कूली शिक्षा पूर्ण कराना और विद्यालय से बाहर सभी बच्चों का विद्यालय में नामांकन कराना है. बीडीओ ने निर्देश दिया कि अपने पोषक क्षेत्र के सभी बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन कराना सुनिश्चित करेंगे. अंत में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी विनय कुमार दुबे ने धन्यवाद ज्ञापन किया. उपस्थित पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने रूआर रथ (बैक टू स्कूल) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया.

विडंबना मध्य विद्यालय के जर्जर भवन में उच्च विद्यालय के छात्र पढ़ने को विवश

12 वर्ष बाद भी गोबरघुसी उच्च विद्यालय का नहीं बना अपना भवन

- क्षमता 250 छात्रों की, पढ़ रहे 560 विद्यार्थी

विशेष सहयोगी । पटमदा

पटमदा प्रखंड के गोबरघुसी गांव में मध्य विद्यालय के भवन में उच्च विद्यालय के छात्र पढ़ रहे हैं. इसके कारण कई कक्षाओं का संचालन एक कमरे में किया जा रहा है. वर्ष 2012 में मध्य विद्यालय को उच्च विद्यालय का दर्जा प्राप्त हुआ, लेकिन शिक्षा विभाग की लापरवाही के कारण विद्यालय में आज तक एक भी कमरा नहीं बना.

वर्तमान में जिन कमरों में कक्षा संचालित होती है वो भी जर्जर है और कभी भी दुर्घटना घट सकती है. विद्यालय के प्रधानाध्यापक उपेंद्र बेसरा ने कहा कि विद्यालय में 250 छात्र-छात्राओं के बैठने की व्यवस्था है. वहीं वर्तमान में 560 विद्यार्थी पठन-पाठन कर रहे हैं.

शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कक्षा एक से आठवीं तक 240 तथा कक्षा 9वीं व 10वीं में 320 विद्यार्थी नामांकित हैं. हाई स्कूल के छात्रों के लिए बेंच-डेस्क के साथ-साथ शौचालय भी अपर्याप्त है. वर्तमान में तीन ही शौचालय संचालित हैं, जो छात्र-छात्राओं के अनुपात में कम है. विज्ञान का प्रायोगिक कक्ष एवं पुस्तकालय संचालन के लिए भी कमरों की कमी है. छात्रों की उपस्थिति बढ़ने पर एक-एक बेंच पर पांच-पांच विद्यार्थियों को बैठाया जाता है.

इससे छात्रों को पठन-पाठन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है. विद्यालय में चारदीवारी नहीं रहने के कारण सांप, बिच्छू, जंगली-जानवरों एवं बाहरी असामाजिक तत्वों का भय हमेशा लगा रहता है.

उपायुक्त को सौंपा मांग पत्र

विद्यालय के प्रधानाध्यापक उपेंद्र बेसरा ने बताया कि कमरों की कमी से जूझ रहे विद्यालय में और कमरों का निर्माण कराने के लिए शिक्षा विभाग से कई बार पत्राचार किया गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई. यहां तक कि विद्यालय प्रबंधन समिति एवं ग्रामीण आमसभा करके सांसद से लेकर विधायक तक गुहार लगा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई पहल नहीं की गई. उन्होंने बताया कि इस संबंध में विद्यालय परिवार की ओर से उपायुक्त को एक मांग पत्र सौंपा गया है. दूसरी ओर इस संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी से दूरभाष पर संपर्क साधा गया, लेकिन उनसे वार्ता नहीं हो पायी.

न्यूज अपडेट

दिल्ली में खड़गे से मिले बन्ना व दीपिका पांडेय

जमशेदपुर। स्वास्थ्य एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता ने गुरुवार को दिल्ली में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने झारखंड की वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की. मंत्री बन्ना गुप्ता ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा विगत 4 वर्षों में गए गए कार्यों एवं खाद्य आपूर्ति विभाग में पद संभालने के बाद किए गए संक्षिप्त कार्यों की प्रगति रिपोर्ट से अवगत कराया. मुलाकात के दौरान कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह भी मौजूद थीं. इससे पहले दोनों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का गुलदस्ता देकर स्वागत किया.

आदित्यपुर में डिवाइडर की जाली हो रही चोरी

आदित्यपुर। आदित्यपुर में प्रतिदिन घरों, दुकानों में चोरी, वाहन चोरी, चेन स्नैचिंग, छिनतई की घटना से यहां के लोग परेशान तो हैं ही अब एक नया मामला प्रकाश में आया है कि चोर मुख्य मार्ग पर लगे डिवाइडर की जाली चोरी कर रहे हैं. मुख्य मार्ग से डिवाइडर की लोहे की जाली लगातार चोरी होने की घटना पर आदित्यपुर के वरिष्ठ नागरिक और भाजपा नेता भोगेन्द्र नाथ ने सवाल उठाया है. उन्होंने कहा शेरे पंजाब चौक जैसे व्यस्तम स्थान से डिवाइडर पर लगे लोहे का सुरक्षा घेरा स्क्रैप माफिया और नशेड़ियों द्वारा चोरी की जा रही है. यहां की आम गरीब जनता हेलमेट और कागजात चेकिंग के नाम पर परेशान हो रही है. आदित्यपुर की बिगड़ी विधि व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए टीएमसी जिलाध्यक्ष बाबू तांती कहते हैं कि यहां पुलिस गश्त और टाइगर मोबाइल की तैनाती महज दिखावा है.

जमीन की समस्या को लेकर मंत्री से मिले प्राचार्य

घाटशिला। घाटशिला कॉलेज की जमीन की समस्या को लेकर के प्राचार्य डॉ आर के चौधरी ने रांची में उच्च शिक्षा मंत्री चंपई सोरेन से गुरुवार को उनके आवास पर मुलाकात की. प्राचार्य ने शिक्षा मंत्री को बताया कि कॉलेज विस्तार के लिए अतिरिक्त पांच एकड़ भूमि की आवश्यकता है. इसका प्रस्ताव जनवरी में ही मंत्रालय में जमा करवा दिया गया है. सरकार के स्तर पर उपायुक्त को पत्र भेजा जाये है तो जमीन मिलना आसान हो जाएगा. वहीं घाटशिला कॉलेज को धरमबहाल पंचायत के फुलडुंगरी में मिली जमीन की लीज अवधि वर्ष 2006 में समाप्त हो गयी. लीज नवीकरण के लिए अंचल कार्यालय स्तर से इसका जांच प्रतिवेदन नहीं भेजा जा रहा है. जिससे यह मामला वर्षों से लंबित है. चंपाई सोरेन ने इन मामलों में सहयोग करने का भरोसा दिया.

दुर्गा पूजा में ट्रैफिक व्यवस्था सुदृढ़ रखने की मांग

आदित्यपुर। गम्हरिया विकास समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने आदित्यपुर नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष पुरेंद्र नारायण सिंह के नेतृत्व में उपायुक्त, सरायकेला- खरसावां से मिलकर दुर्गा पूजा के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था सुदृढ़ रखने के लिये सभी पूजा पंडालो के निकट पार्किंग एवं दुकानों के लिए स्थान चिन्हित किए जाने की मांग की है. जिससे जहां- तहां वाहनों और दुकानों के लगने से जाम की समस्या न उत्पन्न हो सके. इसके अलावा प्रतिनिधिमंडल ने दुर्गा पूजा से पूजा पंडालों के आसपास बृहद सफाई अभियान चलाने, पहुंच पथ की मरम्मत कराने का निर्देश नगर निगम को दिए जाने समेत कई अन्य जरूरी व्यवस्था कराने की मांग की. प्रतिनिधिमंडल में पुरेंद्र नारायण सिंह के साथ डॉ अशोक कुमार, कुमार बिपिन बिहारी प्रसाद शामिल थे.

संस्था ने करवाई दिव्यांगों की दिव्यांगता जांच

जमशेदपुर। पोटका प्रखंड क्षेत्र के दिव्यांग एवं मानसिक रूप से बीमार लोगों की मदद में तत्पर नील-दीप निःशक्त सेवा अभियान की ओर से बृहस्पतिवार को क्षेत्र के आधा दर्जन दिव्यांगों के स्वास्थ्य की जांच सदर अस्पताल में करायी गई. दिव्यांगता प्रमाण पत्र नहीं रहने के कारण उन लोगों को सरकार से प्रदत सुविधा नहीं मिल रही थी. संस्था ने अपने खर्च पर सभी का दिव्यांगता फॉर्म भरवाकर शिविर में पहुंचाया. संस्था के संचालक पूर्व पार्षद करूणामय मंडल ने बताया कि बीमार की सेवा करना नारायण सेवा के समान है. इस में चयन कुमार मंडल, अरुण कुमार रजक, विवेक मंडल, ज्योत्सना गोप का सहयोग प्राप्त हुआ. जिनकी जांच हुई उनमें प्रभाष चंद्र भकत, गोपालपुर एवं सुधीर प्रमाणिक, डोमजुड़ी, इपील सोरेन, खड़बंद, जगदीश चंद्र गोप, बंदुआ, चुनका टुडू, केरुकोचा, चाकुलिया शामिल हैं.

काशिदा पंचायत में तीन योजनाओं का शिलान्यास

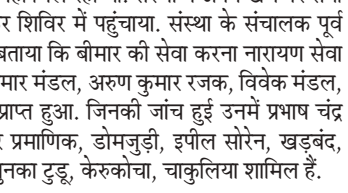

घाटशिला। विधायक निधि से घाटशिला प्रखंड की काशिदा पंचायत के अलग-अलग गांवों में तीन पीसीसी सड़क निर्माण योजना का शिलान्यास गुरुवार को विधायक रामदास सोरेन ने नारियल फोड़कर किया. प्रेम नगर गांव में भारती दास के घर से शिबू नामाता के घर तक 500 फीट पीसीसी सड़क, तमकपाल गांव में आयन टुडू के घर से सुनील हेंब्रम के घर तक 800 फीट पीसीसी सड़क एवं कसीदा विक्रमपुर स्थित एनएच 18 से संजीत पांडा के घर तक 1000 फीट पीसीसी सड़क का निर्माण किया जाएगा. मौके पर विधायक ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में जहां कहीं भी सड़क की जरूरत है उसे प्राथमिकता के आधार पर विधायक निधि से बनाने का प्रयास किया जा रहा है.

करनडीह में सड़क जाम से परेशान रहे लोग

जमशेदपुर। बृपस्पतिवार को करनडीह चौक एक बार फिर जाम हो गया. जिसके कारण टाटा-हाता रोड में वाहनों की लंबी कतार लग गई. जाम सुबह 10:30 बजे से शुरू हुई. इसकी जानकारी ट्रैफिक पुलिस को होने के बाद वह चौक पर पहुंची तथा जाम हटवाया. इससे पहले सड़क जाम होने के कारण वाहनों के पहिए थम गए. करनडीह चौक से प्रखंड कार्यालय तक तथा दूसरी तरफ सुन्दरनगर चौक, जादूगोड़ा-नरवा पहाड़ रोड एवं हाता रोड में वाहनों की लंबी कतार लग गई. दो पहिया एवं तीन पहिया वाहन चालक मार्ग बदलकर गंतव्य की ओर गए. ज्ञातव्य हो कि 15 जुलाई को भी इसी तरह भयंकर जाम लगा था. जिसे दैनिक शुभम संदेश ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था. स्थानीय लोगों ने चौक पर ट्रैफिक पुलिस की प्रतिनियुक्ति की मांग की.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | जमशेदपुर, शुक्रवार 26 जुलाई 2024 | श्रावण कृष्ण पक्ष 05 संवत 2081 | पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ | वर्ष : 2, अंक : 108 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

कल्याण नगर-इंद्रा नगर बस्तियों के घरों को तोड़ने का मामला, 23 अगस्त को एनजीटी में होनी है सुनवाई

एनजीटी में पूरी ताकत से लड़ेंगे बस्तीवासियों का मुकदमा : सरयू राय

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

- दिल्ली में अधिवक्ता संजय उपाध्याय से मिले सरयू राय
- दोनों के बीच कानूनी पहलुओं पर विस्तार से हुई चर्चा
- बस्तीवासियों को वकालतनामा देना होगा

जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट के सीनियर वकील संजय उपाध्याय से मुलाकात की. इस दौरान विधायक ने उनसे जमशेदपुर के कल्याण नगर, इन्द्रा नगर बस्तियों के घरों के टूटने की समस्या पर चर्चा की. उनके बीच इस समस्या के तमाम कानूनी पहलुओं पर विस्तार से वार्ता हुई. संजय उपाध्याय ने कहा कि वह बस्तीवासियों का मुकदमा एनजीटी में पूरी ताकत से लड़ेंगे, इसके लिए बस्तीवासियों को वकालतनामा देना होगा. सरयू राय ने उन्हें वकालतनामा लाकर देने का भरोसा दिया.

गौरतलब है कि आगामी 23 अगस्त 2024 को एनजीटी में इस मामले को लेकर तारीख पड़ी है. श्री राय ने बताया कि दर्जन भर चुनिंदा बस्तीवासी वकालतनामा देकर अपना पक्ष रखेंगे और मांग करेंगे कि प्रशासन सही तरीके से सर्वे करे. अभी जो सर्वे किया गया है, वह त्रुटिपूर्ण है. यह एनजीटी के गाइडलाइन के अनुरूप नहीं है. इसमें कतिपय तथ्यों की अनदेखी हुई है. बस्तीवासी इस बारे में मुख्य सचिव को भी ज्ञापन देंगे. मुख्य सचिव को एनजीटी के सामने 23 अगस्त के पहले हलफनामा देना है. वह मांग करेंगे कि उनका पक्ष भी हलफनामा में रखा जाए. उनका पक्ष समाहित नहीं होगा तो वे वरीय अधिवक्ता संजय उपाध्याय के माध्यम से अपना हलफनामा देंगे और एनजीटी से आग्रह करें कि उनके प्रस्ताव पर भी विचार करें.

प्रशासन ने 150 घरों को तोड़ने का दिया है नोटिस

ज्ञात हो कि 13 जुलाई को जमशेदपुर अंचल कार्यालय की ओर से लगभग 150 घरों को तोड़ने के लिए नोटिस जारी किया गया. नोटिस में 14 दिनों का समय देते हुए सभी से जवाब मांगा गया. अन्यथा भवन तोड़ने की बात कही गई. विधायक सरयू राय सबसे पहले बस्ती पहुंचे तथा लोगों को आश्वस्त किया कि घर नहीं टूटेगा. उन्होंने इस संबंध में उपायुक्त से भी बात की. दूसरे दिन पूर्व सांसद डॉ. अजय कुमार अपने समर्थकों के साथ कल्याणनगर तथा इंद्रानगर पहुंचे. मामला गरमाता देख भाजपा सांसद विद्युत वरण महतो ने बस्ती का दौरा करने के बाद उपायुक्त के साथ बैठक कर मामले की जानकारी ली. बाद में सरयू राय ने इसपर तंज भी कसा कि बयानबाजी और ज्ञापन से यह मसला हल नहीं होगा. कानूनी लड़ाई से ही हल निकलेगा और इसके लिए सभी दलों से एक मंच पर आने की अपील भी की थी.

जेपीएस की फाउंडर प्रिंसिपल ललिता सरीन का निधन

संवाददाता | जमशेदपुर

शहर की जानीमानी शिक्षाविद ललिता सरीन का गुरुवार को सर्किट हाउस स्थित उनके घर में निधन हो गया. वे 75 वर्ष की थीं. उन्हें एक वर्ष कैंसर था. उनका इलाज चल रहा था. स्वर्गीय ललिता सरीन बारीडीह स्थित जमशेदपुर पब्लिक स्कूल (जेपीएस) की फाउंडर प्रिंसिपल रह चुकी हैं. उन्होंने वर्ष 1988 में इस स्कूल में प्रिंसिपल का पदभार लिया था. वे करीब 20 वर्षों तक इस स्कूल में प्रिंसिपल रहते हुए स्कूल को ऊंचाई पर ले गईं. जेपीएस से रिटायर होने के बाद उन्होंने मानगो के पारडीह में माउंट जी लिटेरा स्कूल में डायरेक्टर का पदभार संभाला. स्वर्गीय ललिता सरीन की भाभी शुचिता सरीन ने बताया कि उनके भतीजे व सगे-संबंधियों को सूचना दे दी गई है. उनके पहुंचने पर अंतिम संस्कार किया जाएगा.

ब्रीफ खबर

आज कदमा व मानगो में 3 घंटे नहीं आएगी बिजली

जमशेदपुर |झारखंड बिजली वितरण निगम की ओर से शुक्रवार को डिमना और उलियान पावर सब स्टेशन में मरम्मत कार्य चलाया जाएगा. जिसके चलते तीन घंटे तक बिजली सेवा प्रभावित रहेगी. सुबह 8 बजे से सुबह 11 बजे तक कदमा के सतीघाट रोड, मरीन ड्राइव, उलियान मेन रोड, भाटिया बस्ती, अनिल सुर पथ, एनएच 33 पीपला, भिलाई पहाड़ी, हीरा चुनी, नरगा, गुर्मा क्षेत्र में निर्धारित अवधि में सप्लाई बाधित रहेगी.

साकची पेनार रोड में खाली कराया बेसमेंट

जमशेदपुर । झारखंड हाईकोर्ट के निर्देश पर जेएनएसी की ओर से चलाए जा रहे बेसमेंट अतिक्रमण अभियान बृहस्पतिवार को दूसरे दिन भी चला. बुधवार को जहां से अतिक्रमण हटाया गया था. वहां शेष ढांचा तोड़ने के लिए टीम पहुंची तथा उसे खालीकराया. वहीं साकची के पेनार रोड स्थित होल्डिंग नंबर 76 के खिलाई कार्रवाई शुरू की गई. इसी दौरान भवन के मालिकों ने खुद ही अनधिकृत हिस्से को तोड़ने की की हामी भरी. उसे समय दे दिया गया.

कैरम सलेक्शन ट्रायल में 250 छात्रों ने लिया हिस्सा

जमशेदपुर । सोनारी स्थित आरएमएस हाई स्कूल बालिचेला की मेजबानी में सीआईएससीई बोर्ड के जमशेदपुर जोन के विद्यालयों का दो दिवसीय पांचवी जोनल कैरम (बोर्ड) सलेक्शन ट्रायल प्रतियोगिता 2024 का आयोजन किया गया. सलेक्शन ट्रायल प्रतियोगिता में शहर के सीआईएससीई बोर्ड के विद्यालयों के 250 छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं. पहले दिन बालक वर्ग के तीनों कैटेगरी में लीग मैच हुए.

भाजपा का नशे के कारोबार के खिलाफ प्रदर्शन

जमशेदपुर । जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा अंतर्गत सीतारामडेरा क्षेत्र में नशे के बढ़ते कारोबार और लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर भाजपा कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए हैं. बृहस्पतिवार को भाजपा सीतारामडेरा मंडल अध्यक्ष सुरेश शर्मा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सीतारामडेरा थाना पर प्रदर्शन किया तथा थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर नशे के व्यापार पर अंकुश लगाने और युवाओं को नशे के अंधकार से दूर करने की मांग की.

पूर्व सांसद डॉ. अजय ने चलाया जनसंपर्क अभियान

जमशेदपुर । पूर्व सांसद सह कांग्रेस का वरीय नेता डॉ. अजय कुमार ने बृहस्पतिवार को जमशेदपुर के विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चलाया. इस दौरान उन्होंने लोगों से मुलाकाक ती तथा उनकी समस्याओं से अवगत हुए. मौके पर डॉ. अजय कुमार ने कहा कि वे सिर्फ वादा नहीं करते बल्कि लोगों की जनसमस्याओं का समाधान भी करते है. उन्होंने युवाओं का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें खुब पढ़ने और खेलने की नसीहत दी. साथ ही कहा कि जाति धर्म की राजनीति से ऊपर उठ कर अपने करियर पर ध्यान दें युवा तभी आपका भविष्य सुरक्षित होगा.

कपाली में युवक की पत्थर से कूचकर हत्या का मामला

पुलिस ने दो को हिरासत में लिया, पूछताछ जारी

- घटनास्थल से मिली थी शराब की बोतल
- हर बिंदू पर जांच कर रही है पुलिस

आमेर अली की फाइल फोटो

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

मानगो से सटे कपाली थाना क्षेत्र के डोबो-पुड़िसिली मुख्य सड़क किनारे बुधवार की रात हुई आमेर अली (23) की हत्या मामले में पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लिया है. दोनों से पुछताछ की जा रही है. बताया जाता है कि हिरासत में लिए गए युवक आमेर अली के साथ ही थे. हालांकि पुलिस को वहां अन्य लड़कों के भी होने की संभावना है. पुलिस युवकों से पुछताछ के आधार पर जांच कर रही है. माना जा रहा है कि शराब पीने के दौरान किसी बात को लेकर इनका आपस में विवाद हुआ. जिसके बाद आमरे अली की धारदार हथियार व पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी गई.

घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शराब की बोतल तथा प्लास्टिक ग्लास भी बरामद किया है. इससे संदेह लगाया जा रहा है कि शराब पीने के बाद आमेर अली की हत्या हुई होगी.

कपाली ओपी प्रभारी सोनू कुमार ने बताया कि आमेर अली का पूर्व में आपराधिक इतिहास रहा है. जिसके कारण उसका कपाली आना-जाना होते रहता था. कुछ दिनों से वह आदित्यपुर क्षेत्र में रहता था. घटना के दिन वह कपाली क्यों आया. इसकी जानकारी स्पष्ट नहीं हो पायी है. हालांकि पुलिस उसके फोन की कॉल डिटेल निकालकर अनुसंधान कर रही है. ओपी प्रभारी ने कहा कि पुलिस इस मामले की हर बिंदू की जांच कर रही है. इस मामले में किसी की गिरफ्तारी से उन्होंने इंकार किया. हालांकि कहा कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

उल्लेखनीय है कि आमेर अली का परिवार सरायकेला- खरसावां जिले के कपाली से सटे कदमडीहा गांव में रहता है. परिवार में उसका पिता उमर अली, छोटा भाई रहमत अली तथा बहन है. एक माह पहले वह आदित्यपुर मुस्लिम बस्ती में रहने के लिए चला गया. हालांकि उसका कपाली आना-जाना लगा रहा. घटना के दिन भी वह पहले अपने घर आया. उसके बाद दोस्तों से मिलने की बात कहकर चला गया. उसके बाद उसकी हत्या की खबर परिजनों को मिली. परिजन भागे-भागे घटनास्थल पर पहुंचे. अंधेरा होने के कारण टार्च एवं गाड़ी की लाईट में घटनास्थल से पुलिस ने खून से सना पत्थर, समीप पड़ा शराब की बोतल एवं अन्य संदिग्ध चीज बरामद की.

उलीडीह की महिला से मांगी 50 हजार रंगदारी

एसएसपी के यहां शिकायत लेकर पहुंची महिला एवं परिवार के सदस्य

जमशेदपुर । उलीडीह ओपी अंतर्गत शांतिनगर की रहने वाली सुचिता देवी से क्षेत्र के दबंगों ने 50 हजार रुपये की रंगदारी मांगी. रंगदारी की रकम नहीं देने पर सुचिता देवी एवं परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट भी की. घटना 19 जुलाई की है. घटना के बाद महिला परिवार के सदस्यों के साथ उलीडीह थाना गई तथा शिकायत की. लेकिन पुलिस की ओर से किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गई. अंत में महिला परिवार के सदस्यों के साथ बृहस्पतिवार को एसएसपी से मिलने पहुंची. महिला ने बताया कि उलीडीह के रहने वाले डब्लु सिंह, शक्तिनाथ सिंह, कुश वर्मा, रंजीत गिरि, दीपक, कंचन सिंह और किशोर रजक उसके घर आते हैं तथा गाली गलौज करते हैं. रंगदारी में 50 हजार रुपये की मांग की. सभी 19 जून को भी घर पर आए थे तथा एक माह का समय दिया था. पैसा नहीं देने पर 19 जुलाई को आए तथा मारपीट की. दबंगों की हरकतों से सुचिता देवी का पूरा परिवार दहशत में है. सुचिता का आरोप है कि उलीडीह पुलिस भी आरोपियों के साथ मिली हुई है. आरोपियों के बारे में बताया जा रहा है कि इलाके में उनका वर्चस्व है. अगर जमीन की खरीद-बिक्री कोई करता है, तो उन्हें रंगदारी की रकम देनी पड़ती है.

किरीबुरु व चक्रधरपुर को छोड़ नक्सली बंद का दिखा असर

संवाददाता | चक्रधरपुर

मनोहरपुर बाजार में बंद पड़ी दुकाने .

भाकपा माओवादी नक्सली संगठन की नेता जया हेम्ब्रम समेत अन्य तीन नक्सलियों की गिरफ्तारी के विरोध में नक्सलियों ने बुधवार की रात 12 बजे से गुरुवार की रात 12 बजे तक 24 घंटे का नक्सली बंद बुलाया है. सारंडा और चक्रधरपुर अनुमंडल के शहरी क्षेत्र में बंद बेअसर रहा. पोड़ाहाट अनुमंडल के सभी प्रखंडों में बंद का व्यापक असर देखा गया.

चक्रधरपुर शहर में रोज की तरह दुकानें व अन्य प्रतिष्ठान व कार्यालय खुले रहे. पोड़ाहाट अनुमंडल के बंदगांव घाटी, नीचे कराईकेला, नकटी छोड़कर बंदगांव बाजार, चाकी, टेबो, मनोहरपुर, सोनुवा, गोईलकेरा, आनंदपुर में बाजार व दुकानें पूरी तरह बंद रहीं. बसें और अन्य यात्री वाहन भी नहीं चले. सारंडा के अलावा किरीबुरु-मेघाहातुबुरु में भी बंद का कोई असर नहीं रहा. अन्य दिनों की तरह दुकानें, स्कूल, बैंक, व्यावसायिक प्रतिष्ठान आदि खुले रहे.

लंबी दूरी की कुछ यात्री बसों को छोड़ अन्य यात्री बसें तथा छोटे वाहनों का परिचालन सामान्य रूप से जारी है.

(विस्तृत खबर पेज - 5)

टोन्टो में 2 किलो का आईईडी बरामद, पुलिस ने नष्ट किया

किरीबुरू | चाईबासा पुलिस व सीआरपीएफ ने आज गुररुवार को नक्सलियों के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाते हुये बड़ी सफलता अर्जित करते हुये दो किलो वजन का एक आईईडी बरामद किया.

पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने बताया कि टोन्टो थानान्तर्गत वनग्राम सरजोमबुरू और चिड़ियाबेडा के बीच जंगल में सुरक्षा बलों को लक्षित करने के उद्देश्य से नक्सलियों द्वारा लगाये गये एक आईईडी बरामद कर उसी स्थान पर बम निरोधक दस्ता के सहायता से नष्ट किया गया.

कॉमर्शियल विभाग की तीनों सीट पर मेंस कांग्रेस का कब्जा

चक्रधरपुर । रेलवे अर्बन बैंक डेलीगेट चुनाव में चक्रधरपुर रेल मंडल के कॉमर्शियल विभाग के सभी तीन सीटों पर मेंस कांग्रेस की जीत हुई है. कॉमर्शियल विभाग में टाटानगर से मेंस कांग्रेस प्रत्याशी सुदीप डेनियल चौधरी, चक्रधरपुर से मेंस कांग्रेस प्रत्याशी बीएस राव और राउरकेला से मेंस कांग्रेस प्रत्याशी राजेश रंजन ने जीत दर्ज की. राउरकेला ब्रांच के सभी 6 सीटों पर मेंस कांग्रेस के प्रत्याशियों की जीत हुई है. आदित्यपुर में परिचालन विभाग से मेंस कांग्रेस प्रत्याशी ए गौतम कुमार, बिमलगढ़ एसएसई पीवे से मेंस कांग्रेस प्रत्याशी आरके बिन्धानी, टाटानगर में इलेक्ट्रिक जेनरल विभाग से मेंस कांग्रेस प्रत्याशी एमके दुबे, इंजीनियरिंग विभाग से मेंस कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम चौधरी, इलेक्ट्रिक लोको शेड विभाग से मेंस कांग्रेस प्रत्याशी दर्शन मुखी, राउरकेला इंजीनियरिंग विभाग से मेंस कांग्रेस प्रत्याशी बिभूति भूषण, इलेक्ट्रिक जनरल विभाग से मेंस कांग्रेस से प्रकाश दास ने अर्बन बैंक डेलिगेट चुनाव में जीत दर्ज की है. रातभर मतगणना जारी रहा. शुक्रवार तक सभी जगह के नतीजे आने की उम्मीद है.

डूरंड कप की तैयारियों का अधिकारियों ने लिया जायजा

आयोजन समिति के साथ बैठक कर समीक्षा की

- 28 जुलाई से 23 अगस्त तक होंगे डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के मैच

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में होने वाले डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप डी के मैच की तैयारियों की उपायुक्त अनन्य मित्तल ने समीक्षा की. बैठक में एसएसपी, एडीसी के अलावे आयोजन समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे. इस दौरान उपायुक्त ने बिंदुवार कार्यक्रम के आयोजन, सुरक्षा की व्यवस्था, खिलाड़ियों के आने एवं ठहरने, खेल प्रेमियों के बैठने समेत सुरक्षात्मक अन्य बिंदुओं की समीक्षा की. इस दौरान मैदान में दर्शकों का प्रवेश के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल, वॉलंटियर, चेक प्वाइंट पर स्कैनर मशीन, वीआईपी प्रवेश मार्ग को व्यवधान रहित रखने, पार्किंग स्थलों को चिन्हित कर समुचित व्यवस्था, सुगम यातायात व्यवस्था को लेकर दिशा निर्देश दिया. साथ ही एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड पर्याप्त संख्या में तैनात रखे जाने को लेकर संबंधित विभागीय पदाधिकारी को निर्देश दिया.

ज्ञात हो कि डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप डी के मैच 28 जुलाई से 23 अगस्त 2024 तक जमशेदपुर में खेला जाएगा. जिसमें में असम राइफल्स, चेन्नइयन फुटबॉल क्लब, इंडियन आर्मी और जमशेदपुर फुटबॉल क्लब की टीमें शामिल है. उद्घाटन 28 जुलाई को जेआरडी टाटा स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स में होगा.

सामाजिक सुरक्षा योजना पर कार्यशाला

जमशेदपुर । पूर्वी सिंहभूम जिले के पटमदा बोड़ाम तथा घाटशिला प्रखंड क्षेत्र के कठिन परिस्थितियों में रहने वाले एक हजार परिवार एवं बच्चों की वर्तमान स्थिति का पता लगाने के लिए पुनः सर्वे कराया जाएगा. कुछ वर्ष पहले उन परिवारों का सर्वे कराया गया था तथा उन्हें सामाजिक सुरक्षा योजना से जोड़ा गया था. तब और अब में क्या अंतर आया है. इसका पता लगाने के बाद पुनः ऐसे परिवार एवं बच्चों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा. इस विषय पर बृहस्पतिवार को एक उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया. जिसमें ऐसे परिवार एवं बच्चों की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की गई.

कार्यक्रम के तहत अगले चरण में ऐसे परिवरों का पुनः सर्वेक्षण कर उनका पारिवारिक और सामाजिक उत्थान आदि मानकों पर काम करने पर बल दिया गया, साथ ही ऐसे और परिवारों को चिन्हित करने की बात कही गई. कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन, बाल कल्याण संघ एवं मिरेकल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में किया गया. कार्यक्रम में मौजूद जिप अध्यक्ष बारी मुर्मू ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से कठिन परिस्थिति में रहने वाले बच्चों को संवर्धन करने में मदद मिलती है.

तैयारी लोयोला स्कूल पहुंचकर डीसी-एसएसपी ने मतदाता सूची में अपना नाम जांचा

वोटर लिस्ट में छूटे हुए मतदाताओं का नाम 9 अगस्त तक होगा दर्ज

- आवासीय कालोनी पहुंचकर अधिकारियों ने आम लोगों से की बात

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

वोटर लिस्ट में अपना नाम देखते उपायुक्त अनन्य मित्तल.

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते उपायुक्त.

जिले के मतदान केंद्रों पर बृहस्पतिवार को मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया. इसके साथ ही पूर्व से घोषित #नाम जांचोर सोशल मीडिया अभियान भी चला. उपायुक्त अनन्य मित्तल, एसएसपी कौशल किशोर, डीडीसी मनीष कुमार समेत सभी वरीय पदाधिकारियों ने अपने-अपने बूथ पर पहुंचकर मतदाता सूची में अपना नाम जांचा तथा उसे हैशटैग के साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किया. मतदान केंद्र के बाद अधिकारी अलग-अलग आवासीय सोसायटी में पहुंचकर आम लोगों से मिले तथा उनके नाम की मतदाता सूची में जांच करवाई.

इससे पहले सुबह डीसी, एसएसपी, डीडीसी समेत अन्य अधिकारी लोयोला स्कूल स्थित मतदान केंद्र पर पहुंचे. वहां मौजूद बीएलओ से मतदाता सूची लेकर अपने नाम की जांच की. इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बीएलओ द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. सभी बीएलओ को कहा कि शत प्रतिशत मतदान के लिए मतदाताओं की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है, ऐसे में अपने-अपने क्षेत्रों में मतदाताओं को जागरूक करते हुए उन्हें मतदाता सूची से जोड़ें. उन्होंने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि मतदाता सूची में अपने नाम की जांच कर स्वच्छ, पारदर्शी व त्रुटिरहित मतदाता सूची बनाने में अपना आवश्यक सहयोग प्रदान करें.

उपायुक्त अनन्य मित्तल ने बृहस्पतिवार को अपने कार्यालय कक्ष में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की. इस दौरान फोटोयुक्त मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत होने वाली गतिविधियों की उन्हें जानकारी दी. उन्हें बताया गया कि जिले के सभी मतदान केन्द्रों में एकीकृत प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया कर दिया गया है. सभी मतदाता अपने बूथ पहुंचकर मतदाता सूची में अपने नाम का सत्यापन करें इसके लिए राजीतिक दलों से भी जनजागरुकता लाने में सहयोग की अपील की. ज्ञात हो कि 25 जुलाई से 9 अगस्त तक छूटे हुए मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट में दर्ज होगा.

सुरदा माइंस के एनवायरमेंट क्लियरेंस का मिला भरोसा

केंद्रीय मंत्री से मिले सांसद विद्युत वरण महतो

संवाददाता | मुसाबनी

सांसद विद्युत वरण महतो ने गुरुवार को केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात कर सुरदा माइंस के लिए एनवायरमेंट क्लीयरेंस यथाशीघ्र प्रदान करने का आग्रह किया. विगत चार वर्षों से सुरदा माइंस वन एवं पर्यावरण की स्वीकृति नहीं मिलने के कारण बंद पड़ी है. जिसके कारण मुसाबनी का कंसंट्रेटर संयंत्र भी बंद पड़ा है और हजारों की संख्या में मजदूर बेरोजगार हैं. सांसद ने इस संबंध में केंद्रीय मंत्री को ज्ञापन सौंप कर कहा कि सुरदा माइंस के लिए फॉरेस्ट क्लीयरेंस दिया जा चुका है और जैसे ही एनवायरमेंट क्लीयरेंस मिल जाता है यह माइंस चालू हो जायेगा.

केंद्रीय मंत्री ने सांसद विद्युत वरण महतो को बताया कि संबंधित कागजात राज्य सरकार द्वारा अत्यंत विलंब से उनके मंत्रालय को प्राप्त हुआ है. उन्होंने सांसद को आश्वस्त किया कि अब इसमें बिल्कुल विलंब नहीं होगा. आवश्यक कार्रवाई करते हुए इसे यथाशीघ्र केंद्रीय सचिव के पास इसे प्रेषित करेंगे. सांसद ने इसके पश्चात वन एवं पर्यावरण विभाग केन्द्रीय सचिव लीना नंदन से भी मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा. केंद्रीय सचिव ने उन्हें आश्वस्त किया कि सारी प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर दी जायेगी. इससे राज्य सरकार को भी सूचित कर दिया जायेगा. सांसद ने यह उम्मीद व्यक्त किया है की आने वाले निकट भविष्य में सुरदा माइंस में उत्पादन शुरू होगा और लोगों को रोजगार मिलेगा.

'हिट एंड रन' के इस मामले में पांच दिन बाद भी कार्रवाई नहीं, आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर

कार की चपेट में आने से घायल हुए युवक की मौत

संवाददाता। हजारीबाग

कार की चपेट में आने से घायल हुए दो युवकों में एक की बृहस्पतिवार को रांची में इलाज के दौरान मौत हो गई. इसकी सूचना मिलते ही मृतक शुभम के परिजनों ने सैकड़ों लोगों के साथ सदर थाना पहुंच कर आरोपी गाड़ी मालिक और चालक को गिरफ्तार कर कार्रवाई करने की मांग की.

परिजनों ने 'हिट एंड रन' के इस मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक से भी मुलाकात कर न्याय की गुहार लगाई. इसके बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपी के घर गई लेकिन वहां से आरोपी फरार था. इस संबंध में सदर पुलिस ने बताया कि रविवार की रात शहर के आनंद चौक पर घटना घटी थी, जिसमें घायल हुए एक युवक की गुरुवार को मौत हो गई है. कार मालिक के खिलाफ सदर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है. उन्होंने यह भी कहा कि परिजनों ने समय पर आवेदन नहीं दिया थ इसलिए कार्रवाई नहीं हो पाई है. आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा.

खास बातें

- कार मालिक और चालक को गिरफ्तार नहीं कर पाई है पुलिस
- परिजनों ने पुलिस अधीक्षक से मिलकर लगाई न्याय की गुहार

बता दें कि शहर के आनंद चौक पर बीते रविवार की रात करीब 9:30 बजे 'हिट एंड रन' की घटना हुई थी. इसमें एक कार ने पैदल चल रहे दो युवकों को अपनी चपेट में ले लिया था. इस घटना में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे. इनमे से एक शुभम की गुरुवार को रांची में इलाज के दौरान मौत हो गई. मृतक की पहचान झंडा चौक स्थित महावीर स्थान निवासी तपेश्वर गुप्ता के पुत्र के रूप में हुई. वहीं घायल युवक प्रेम जैन रांची के वेदांत अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहा है. इस संबंध में परिजन रवि कुमार ने बताया कि रविवार रात 9:30 बजे शहर के ही दो युवक कार लेकर जा रहे थे.

चालक डेंजर ड्राइविंग कर रहा था. चालक पैदल जा रहे शुभम कुमार और प्रेम जैन को जोरदार टक्कर मारते हुए अपनी मारुति कार लेकर भाग गया. कार में बैठे दोनों युवक शराब के नशे में थे. इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई. पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों घायलों को सदर अस्पताल भेज दिया और कार को पकड़ कर जब्त कर लिया. तलाशी में कार से शराब की बोतल और प्लेट पुलिस को मिली है. उन्होंने बताया कि घटना के पांच दिन बाद तक भी पुलिस आरोपी चालक को गिरफ्तार नहीं कर पाई है. परिजनों ने यह भी बताया कि शहर में पिछले एक महीने से डेंजर ड्राइविंग, हेलमेट एवं अन्य कागजात की पुलिस जांच कर रही है. इसके बावजूद शहर में इस तरह की घटना घट रही है. पुलिस मौन धारण कर रखी है. ऐसे में पुलिस पर से विश्वास धीरे-धीरे उठता जा रहा है. उन्होंने यह भी कहा कि गुरुवार को घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर न्याय की गुहार लगाई है.

नाम जांचो अभियान में डीसी ने लिया हिस्सा, सूची में अपने नाम की जांच की

संवाददाता। रामगढ़

मतदाताओं को जागरूक करने तथा प्रत्येक मतदाता का नाम मतदाता सूची में अंकित करने को लेकर बृहस्पतिवार को संचालित नाम जांचों अभियान के तहत जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त, रामगढ़ चंदन कुमार ने उत्क्रमित उच्च विद्यालय छत्तरमांडू में मतदान केंद्र संख्या 107 पर जाकर मतदाता सूची में अपने नाम की जांच की. साथ ही उन्होंने सभी से प्रत्येक निर्वाचन में अपने मताधिकार का प्रयोग करने तथा मतदान केंद्र, वोटर हेल्पलाइन एप सहित अन्य माध्यमों से मतदाता सूची में अपने नाम की जांच करने की अपील की। गौरतलब हो कि मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत सभी मतदान केंद्रों पर मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन किया गया है, जिसमें जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त के अलावा अनुमंडल पदाधिकारी आशीष गंगवार, उप निर्वाचन पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता सहित अन्य अधिकारियों ने भी नाम जांचों अभियान में हिस्सा लिया. मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे.

मतदाता सूची में अपने नाम की जांच करते उपायुक्त चंदन कुमार.

ब्रीफ खबरें

एक लाख अस्सी हजार ले उड़े उच्चके

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र में अपराध की घटनाओं की बाढ़ सी आ गयी है. निरंतर आपराधिक घटनाएं घट रही हैं. न तो अपराधी पकड़ में आ रहे हैं और न ही घटनाओं पर विराम लग पा रहा है. गुरुवार को दोपहर विष्णुगढ़ के अखाड़ा चौक में अपराधियों ने एक और आपराधिक घटना को अंजाम दिया. विष्णुगढ़ के चंद्रिका साव इसके शिकार हुए. उन्होंने एसबीआई की विष्णुगढ़ शाखा से एक लाख अस्सी हजार रुपये निकाले. रुपये झोले में रखे और अपनी साइकिल के हैंडल में लटकाकर अखाड़ा चौक स्थित एक दुकान में घुस गए. बाहर रुपये वाले झोले को उसी तरह साइकिल के हैंडल में लटकता उन्होंने छोड़ दिया. इसी बीच एक अपराधी आया तथा झोले से रुपये निकाल कर अपने साथी की अपाचे बाइक में सवार होकर फरार हो गया.

महालक्खी चैरिटेबल ट्रस्ट खर्च उठाएगी

चौपारण। हिंदू धर्म में सावन के महीने को अत्यंत पवित्र और शुभ माना गया है. यह महीना भगवान शिव और माता पार्वती के लिए समर्पित होता है. कई शिवभक्त पैसे के अभाव के कारण चाहकर भी कांवड़ यात्रा नहीं कर पाते हैं. ऐसे में आर्थिक रूप से कमजोर शिवभक्त भी इस साल बाबा वैद्यनाथ धाम कांवड़ लेकर जा सकते हैं, जिनका पूरा खर्च महालक्खी चैरिटेबल ट्रस्ट उठाएगी. इस संबंध में महालक्खी चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक सह उतरी छोटानागपुर प्रमंडलीय प्रभारी भाजयुमो अविनाश आर्या ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर जो शिव भक्त कांवड़ यात्रा करना चाहते हैं उन्हें महालक्खी चैरिटेबल ट्रस्ट निःशुल्क यात्रा करवाएगी. ऐसे शिवभक्त 9060610777, 8294975482 पर संपर्क कर सकते हैं.

बजरंग दल करेगा हिंदू महापंचायत

हजारीबाग। धर्म विरोधी घटना को लेकर बजरंग दल ने हिंदू महापंचायत का आयोजन किया है. बड़कागांव प्रखंड के केरेडारी क्षेत्र के समस्त हिंदू जनमानस और सनातन धर्म प्रेमियों को बजरंग दल ने सूचित किया है कि आगामी दिनों में क्षेत्र में घट रही धर्म विरोधी घटनाओं के संबंध में हिंदू महापंचायत का आयोजन बड़कागांव कुशवाहा धर्मशाला गुरुचट्टी में शुक्रवार को 11 बजे दिन में रखा गया है. बजरंग दल द्वारा क्षेत्र के सभी हिंदू जनमानस को सादर आमंत्रित किया गया है. बजरंग दल की ओर से प्रांत मिलन प्रमुख संजय चौबे ने हिंदू जनमानस से महापंचायत में आने का निवेदन किया गया है.

सरकारी योजनाओं के काम मशीन से कराकर ठेकेदार और बिचौलिया हो रहे मालामाल

मजदूर पलायन करने को मजबूर

- मामला संज्ञान में लाए जाने के बावजूद अधिकारियों का पलायन रोकने व स्थानीय स्तर पर रोजगार देने की ओर ध्यान नहीं

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

एक तरफ जहां सरकार मनरेगा जैसी योजना चला रही है. वहीं दूसरी तरफ जिले में रोजगार नहीं मिल पाने के कारण स्थानीय मजदूर पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं. दो दिन पहले पेलावर से तीन दर्जन मजदूर अपने परिवार को पालने के लिए दूसरे राज्य चले गए. बता दें कि शुभम संदेश ने एक माह पहले मजदूरों की इस पीड़ा को प्रमुखता से उजागर किया था, जिसमें बताया गया था कि कैसे जिले के मजदूर रोजगार नहीं मिलने के कारण भुखमरी के कगार पर आ चुके हैं.

मजदूरों ने यह भी बताया था कि निजी मकान में थोड़ा बहुत काम चलता है, जिसमें मजदूरों कभी रोजगार मिलता है तो कभी नहीं मिलता है. उसमें भी ठेकेदार मजदूरी का रेट अपने हिसाब से तय करता है. जरूरतमंद मजदूर कम पैसे में भी काम करने के लिए तैयार हो जाते हैं. ठेकेदार कभी पैसा देता है तो कभी हफ्ता दिन तक नहीं देता है. कई बार ऐसा भी होता है कि हफ्तों रोजगार नहीं मिलता है. मजदूर रोजगार की आस में गांव से शहर आते हैं और निराश होकर खाली हाथ वापस घर चले जाते हैं.

अपनी खबर के साथ शुभम संदेश इस मामले को सरकार और जिले के अधिकारियों के संज्ञान में लाने का काम किया था. लेकिन अधिकारियों के कान में जूं तक नहीं रेंगी. यथास्थिति कायम रहने की वजह से दाने-दाने को मोहताज हो गए शहर के पेलावल रोमी से लगभग तीन दर्जन मजदूर अपने परिवार से दूर दूसरे राज्य रोजगार की तलाश में निकल गए. इस दौरान मजदूरों के परिजन भी भावुक नजर आए. उन्होंने बताया कि झारखंड सरकार मजदूरों को 100 दिन रोजगार मिले इसके लिए मनरेगा के तहत कई काम गांव में करवा रही है. इसके बावजूद मजदूरों को रोजगार नहीं मिलता है. मजदूरों के लिए चलाई जा रही योजनाओं के काम जेसीबी से करवा कर लाभ ठेकेदार अनुचित लाभ उठाते हैं. यही कारण है कि स्थानीय मजदूरों को रोजगार नहीं मिल पा रहा है. परिजनों ने यह भी बताया कि विधानसभा का चुनाव आ रहा है. अगर हजारीबाग में मजदूरों को रोजगार मिलता तो यहां काम के साथ-साथ उन्हें जनप्रतिनिधि भी चुनने का मौका मिलता, लेकिन इस स्थिति में वे घर परिवार को देखेंगे या चुनाव प्रक्रिया में शामिल होंगे.

बरसात में लोग घर आते हैं, मजदूर बाहर जाने को मजबूर : इस संबंध में पेलावल विकास मंच के स्थापक सह अध्यक्ष एम हक ने बताया कि राज्य सरकार तरह-तरह की रोजगार योजना ला रही है, लेकिन किसी का लाभ मजदूरों को नहीं मिलता, बल्कि ठेकेदार और बिचौलिया मिलकर अधिकांश योजनाओं की राशि हजम कर जाते हैं. यही कारण है कि मजदूर यहां से दूसरे राज्य के लिए पलायन कर रहे हैं.

उन्होंने यह भी कहा कि शहर में इन दिनों रोजगार मिला करता था, लेकिन वर्तमान में यहां न बालू मिल रहा है और न ही छरी है. इस वजह से निजी मकान में काम नहीं चल रहा है. यहां तक बिल्डिंग मैटेरियल के अभाव में ठेकेदारों ने भी काम बंद कर दिया है. इसके साथ ही बरसात का महीना है. ऐसे में मजदूर अपना घर परिवार छोड़कर दूसरे राज्य चले गए हैं. बरसात में उन्हें रोजगार मिलेगा या नहीं मिलेगा इसकी कोई गारंटी नहीं है. हालांकि आमतौर पर बरसात के महीने में लोग बाहर से अपने घर आते हैं, लेकिन हजारीबाग के मजदूर बरसात में घर परिवार छोड़कर दूसरे राज्य जाने को मजबूर हो रहे हैं. उन्होंने यह भी कहा कि एक महीने पहले भी लगभग 15 मजदूर इसी जगह से दूसरे राज्य जा चुके हैं.

पूर्व में मजदूरों की समस्याओं को लेकर प्रकाशित की गई खबर और पलायन करने वाले मजदूर .

शुभम संदेश की खबर पर हरकत में आया फॉरेस्ट विभाग

वहीं दूसरी ओर बड़कागांव के उरीमारी के दो दर्जन मजदूरों को साल भर पहले फॉरेस्ट विभाग ने हाजिरी पर काम करवाया था, लेकिन जब मजदूरों की मजदूरी देने की बारी आई तो फॉरेस्ट विभाग ने हाथ खड़े कर दिए. वह मजदूरी देने में टालमटोल करने लगा, आश्वासन देने लगा. एक साल बाद पीड़ित मजदूर फॉरेस्ट ऑफिस पहुंचे और मजदूरी का भुगतान करने की मांग की, लेकिन एक बार फिर आश्वासन ही मिला. इसके बाद मजदूरों ने शुभम संदेश से गुहार लगाई. शुभम संदेश ने प्रमुखता के साथ मजदूरों की पीड़ा सरकार तक पहुंचाई, जिसके बाद फॉरेस्ट विभाग हरकत में आया और मजदूरों को थोड़ा बहुत पैसा देकर मुंह बंद कर दिया.

हड़ताली कर्मियों से तत्काल समझौता करे सरकार : सीटू

संवाददाता। हजारीबाग

सरकार की किसी भी योजना की सफलता कर्मचारियों पर निर्भर करती है. यदि कर्मचारी परेशान हो तो सरकार की कोई भी योजना समय पर पूर्ण नहीं हो सकती. पूरे राज्य में झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ और मनरेगा कर्मचारी संघ अपनी मांगों को लेकर 22 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल में चले गए हैं. अपनी मांगों के लिए कर्मचारी संघ के नेताओं ने कई बार राज्य सरकार को पत्र लिखा और मिलकर भी अपनी समस्याओं को रखा. बावजूद इसके उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया. इसके कारण ये लोग अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं. इनके हड़ताल में चले जाने के कारण पूरे राज्य में विकास का पहिया थम गया है. किसी कार्यालय में काम नहीं हो रहा है. यहां तक कि छात्रों का जाति, आवासीय और आया प्रमाण पत्र भी नहीं बन रहा है. इस परसीपीएम नेता गणेश कुमार सीटू ने हड़ताल को पूर्ण समर्थन करते हुए मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर हड़ताल में गए कर्मचारी के प्रतिनिधियों को तत्काल बुलाकर वार्ता करने और राज्य एवं राज्य की जनता के हित में उनकी मांगों पर सम्मानजनक समझौता करने की मांग पार्टी जिला कमेटी ने की है.

30 वर्षों में सिर्फ भय व भ्रष्टाचार की राजनीति हुई : भुनेश्वर यादव

जनसंपर्क के दौरान समाजसेवी भुनेश्वर यादव .

संवाददाता। चौपारण

आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जेबीकेएसएस समर्थक समाजसेवी भुनेश्वर यादव ने बरही विधानसभा अंतर्गत चौपारण प्रखंड के कई गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाकर अपने पक्ष में समर्थन मांगा. जनसंपर्क अभियान में भुनेश्वर यादव ने समर्थन मांगते हुए कहा कि समय की मांग है कि आप अपनी माटी से ही नेता को चुने, क्योंकि 30 वर्षों से बरही विधानसभा का जिन लोगों ने नेतृत्व किया उन्होंने यहां विकास की बातें छोड़कर जनता से ताकत पाकर, यही के लोगों में भय पैदा किया.

डीसी ने किया मतदान केंद्रों का दौरा

संवाददाता। रामगढ़

मतदाता सूची द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत हो रहे कार्यों को लेकर गुरुवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार ने 22 बड़कागांव एवं 23 रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया. इस दौरान उपायुक्त ने छत्तरमांडू क्षेत्र में मतदान केंद्र संख्या 109, 110, 111, 112, छावनी कन्या मध्य विद्यालय सुभाष चौक रामगढ़ में मतदान केंद्र संख्या 1, 2, 3 एवं 22 बड़कागांव अंतर्गत मतदान केंद्र संख्या 443 का निरीक्षण कर द्वितीय मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 25 जुलाई को हुए मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन का जायजा लिया.

मौके पर उपायुक्त ने सभी बीएलओ सहित अन्य कर्मियों को उनके उनके क्षेत्र में प्रत्येक मतदाता का नाम मतदाता सूची में अंकित होना सुनिश्चित करने, लोगों को मतदाता सूची में अपना नाम जांच करने हेतु वोटर हेल्पलाइन एप सहित अन्य ऑनलाइन माध्यमों के प्रति जागरूक करने सहित अन्य आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए. साथ ही उन्होंने मतदाता सूची द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत निर्धारित विशेष शिविर दिवस 27 जुलाई शनिवार, 28 जुलाई रविवार, 3 अगस्त शनिवार एवं 4 अगस्त रविवार को मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहकर मतदाताओं को मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया.

मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए.

मतदान केंद्र पहुंचे उपायुक्त सह जिला निर्वाचन अधिकारी चंदन कुमार.

ग्रामीणों की जमीन बचाने के लिए कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह उतरे मैदान में

महिलाओं से दुर्व्यवहार पर कार्रवाई की मांग

संवाददाता। हजारीबाग

वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह सदर प्रखंड के सखिया पंचायत के बेलामुडवार गांव पहुंचे, जहां उन्होंने सैकड़ों महिलाओं और पुरुषों के साथ मिलकर एक जमीन संबंधित शिकायत को लेकर हजारीबाग के एसडीपीओ और डीआईजी से मुलाकात की. मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने पूर्वजों से दान में मिले सामूहिक जमीन पर अनाधिकृत लोगों द्वारा अवैध कब्जे की शिकायत की है. ग्रामीणों ने बताया कि गांव की सामूहिक जमीन, खाता न. 1 और प्लॉट नम्बर 103, को स्थानीय जमीन दलाल मनोज साव ने फर्जी दस्तावेज बनाकर जबरन कब्जा कर लिया है.

मनोज साव इस जमीन पर डस्ट गिराकर और बाउंड्री करने के उद्देश्य से काम कर रहा था, जिसके खिलाफ गांव की महिलाओं ने आवाज उठाई. स्थानीय ग्रामीण महिलाओं के अनुसार उनके विरोध करने पर मनोज साव ने उनके साथ गाली-गलौज, धक्का-मुक्की और छेड़खानी की. जब महिलाओं ने अपने बचाव के लिए ग्रामवासियों को बुलाया, तो भारी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गए. इस दौरान मनोज साव भागने की कोशिश में गिरते-पड़ते भागा और ग्रामीणों को धमकी दी कि वह सभी को झूठे आरोप में फंसवा देगा, यह दावा करते हुए कि उसकी पहुंच ऊपर तक है. इस घटना के बाद ग्रामीणों ने आनन-फानन में थाना पहुंचकर आवेदन दिया और उचित कार्रवाई की मांग की. इसके उपरांत सभी ग्रामीण इकट्ठा होकर मुन्ना सिंह के आवास पर पहुंचे और उनके समक्ष अपनी समस्याओं को रखा और ये निवेदन किया कि इस मामले में आप हमारी मदद कीजिए. मुन्ना सिंह ने घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा, "यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि गांव की सामूहिक जमीन पर अवैध कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है. प्रशासन से मांग करता हूं कि दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए और इस मामले में उच्च पदाधिकारियों के द्वारा हस्तछेप किया जाए." मुन्ना ने कहा कि ग्रामीणों की आवाज को दबाया नहीं जा सकता और कांग्रेस पार्टी उनके हक की लड़ाई में पूरी तरह से उनके साथ है.

मौके पर राहुल यादव, अनिल यादव, राजेश यादव, घनश्याम यादव, भरत यादव, विनोद यादव, अर्जुन यादव, संन्जु यादव, धर्मेन्द्र यादव, पप्पू यादव, संजय यादव, संतोष यादव, नरेश यादव, विरेंद्र यादव लाल यादव सुधीर यादव, किशोर कुमार यादव, किशोर यादव, कारु यादव, अशोक यादव, महेंद्र यादव, रमेश्वर यादव आदि मौजूद थे.

सदर प्रखंड के सखिया पंचायत के बेलामुडवार गांव पहुंचे मुन्ना सिंह.

प्रक्रिया मृतक को न्याय दिलाए जाने को लेकर जांच की जा रही है : अजय कुमार

एएसआई राहुल की मौत की जांच करने पहुंचे एसपी

संवाददाता। रामगढ़

बरकाकाना ओपी क्षेत्र के बंजारी मंदिर के समीप ड्यूटी में तैनात राहुल कुमार सिंह की मौत की घटना तूल पकड़ने लगा है. राहुल कुमार सिंह की हुई मौत की जांच करने रामगढ़ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार बंजारी मंदिर चेक पोस्ट पहुंचे. यहां उन्होंने बंजारी धर्मशाला में पुजारी राजेंद्र उपाध्याय व अन्य लोगों से पूछताछ की. बता दें कि 21 जुलाई को ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक पुलिस के एएसआई राहुल कुमार सिंह की मौत हो गई थी.

इसके बाद मृतक के परिजनों द्वारा रामगढ़ थाना प्रभारी अजय कुमार साहू व तत्कालीन पुलिस अधीक्षक डॉ विमल कुमार पर कई गंभीर आरोप लगाया गया था. इसके बाद रामगढ़ जिला के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार को स्थानांतरित करते हुए मुख्यालय बुला लिया गया है, जबकि तत्कालीन रामगढ़ थाना प्रभारी अजय कुमार साहू को पुलिस महानिदेशक द्वारा निलंबित कर दिया गया है.

परिजनों द्वारा हंगामा किए जाने के बाद मृतक का पोस्टमार्टम रिम्स में किया गया, जहां मौत का कारण जहर बताया गया. बताया जाता है कि तत्कालीन थाना प्रभारी द्वारा अनिकेत नामक युवक को पकड़ कर थाना लाया गया था. अनिकेत द्वारा 21 फरवरी को पुलिस कस्टडी में आत्महत्या कर ली गई, जबकि मृतक राहुल कुमार सिंह एक अन्य चोरी के मामले के अनुसंधान पदाधिकारी थे, जहस पर थाना प्रभारी अजय कुमार साहू द्वारा पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया गया है.

पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने जांच किए जाने के बाद पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर बताया कि मृतक को न्याय दिलाए जाने को लेकर जांच की जा रही है ताकि मृतक को न्याय मिल सके. मौके पर मुख्यालय पुलिस उपाधीक्षक, पतरातु पुलिस उपाधीक्षक, पुअनि मुन्ना सिंह, पुअनि अर्जुन उरांव, पुअनि अख्तर अली सहित कई अधिकारी उपस्थित थे.

एएसआई की मौत की जांच करने पहुंचे पुलिस अधीक्षक व अन्य.

65 प्रतिशत पिछड़ों को 14 प्रतिशत आरक्षण देना अन्यायपूर्ण : मेहता

- कांग्रेस नेता ने कहा- इंडिया गठबंधन के लोग इस मुद्दे को जोर-जोर से उठाएं

संवाददाता। हजारीबाग

कांग्रेस नेता डॉ. आरसी प्रसाद मेहता ने कहा कि संपूर्ण भारत में पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण मंडल कमीशन के संयोजक पूर्व प्रधानमंत्री बीपी सिंह द्वारा मिला है. जिसकी जितनी आबादी उसकी उतनी भागीदारी का समर्थन विपक्ष के नेता राहुल गांधी करते हैं. झारखंड सरकार द्वारा 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का बिल झारखंड कैबिनेट में पास किया गया, परंतु राज्यपाल ने बिल को रोक कर अन्याय किया है. हमारे प्रधानमंत्री पिछड़े के नाम पर प्रधानमंत्री बने, पिछड़े के नाम पर थोक में वोट मिला. तीसरी बार प्रधानमंत्री बने यदि मोदी चाहते तो झारखंड के लोगों के साथ 27 प्रतिशत आरक्षण देकर न्याय कर सकते थे जो नहीं किया, परंतु मोदी ने आर्थिक रूप से पिछड़े. नौ लाख से कम आय वाले स्वर्णों को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जो प्रशंसनीय है, जिसका मैं समर्थन करता हूं. ज्ञातव्य हो कि संपूर्ण भारत में सवर्ण अगड़ों की आबादी 10 प्रतिशत से कम है, परंतु झारखंड के 65 प्रतिशत पिछड़ों को 14 प्रतिशत आरक्षण देना अन्यायपूर्ण है. प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबू लाल मरांडी और मोदी ने पिछड़ों को प्रताड़ित करने का काम किया है. हम तमाम पिछड़ों से आह्वान करते हैं कि झारखंड विधानसभा चुनाव में इस मुद्दे को तब तक उठाते रहे जब तक मुख्यमंत्री अपनी भूल का सुधार न करें. विधानसभा चुनाव में सभी इंडिया गठबंधन के लोग इस मुद्दे को जोर-जोर से उठाएं और अपने हक की मांग करें. झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर द्वारा प्रबुद्ध ओबीसी व्यक्तियों की एक बैठक ओबीसी प्रदेश अध्यक्ष अभिलाष साहू की अध्यक्षता में प्रेस क्लब रांची में की थी. सभा में झारखंड कांग्रेस प्रभारी प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कार्यकारी अध्यक्ष जलेश्वर महतो, शहजाद अनवर, केसव महतो कमलेश एवं हजारों वरिष्ठ ओबीसी कांग्रेसी उपस्थित थे.

जांच के बाद 41 दिव्यांग बच्चों को मिला उपकरण

चक्रधरपुर । विद्यालयों में अध्यनरत दिव्यांग बच्चों की जांच व उपकरण वितरण को लेकर गुरुवार को चक्रधरपुर के प्रखंड कार्यालय के समीप स्थित प्रखंड संसाधन केंद्र परिसर में शिविर लगाया गया. शिविर का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी गिरिजानंद किस्कू ने किया. शिविर में विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राएं अपने अभिभावकों व शिक्षकों के साथ जांच कराने व उपकरण लेने पहुंचे थे. चिकित्सकों ने दिव्यांग बच्चों की जांच की. इस दौरान कुल 41 बच्चों को विभिन्न प्रकार की जरूरत के आधार पर उपकरण भी बांटे गए. मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी गिरिजानंद किस्कू ने कहा कि कभी भी खुद को कमजोर नहीं समझना चाहिए. दिव्यांगता को कमजोरी ना समझ कर ताकत के रुप में समाज में स्थान बनाना है और एक प्रेरणास्रोत बनना है. शिविर में चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल के डॉक्टरों के अलावे एलएमको से पहुंचे कई डॉक्टर, बीपीओ बलराज कपूर, रिसोर्स शिक्षक अनिल प्रजापति, बीआरपी प्रियंका कुमारी, फिजियोथैरेपिस्ट सुशीला बारला के अलावे विभिन्न स्कूलों के दिव्यांग बच्चे, शिक्षक, शिक्षिकाएं व अभिभावक मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

यशोदा टॉकीज के पास नाली निर्माण से हो रही परेशानी

चाईबासा । चाईबासा घंटा घर के पास कांग्रेस के पूर्व थाना अध्यक्ष अशरफ उर्फ विक्की की अध्यक्षता में बैठक हुई. बैठक में कांग्रेसी नेता अशरफ ने कहा कि नगर क्षेत्र खासकर यशोदा टॉकीज के आस-पास आरकेएस द्वारा की जा रही नाली निर्माण के कारण आवाजाही में बहुत दिक्कत हो रही है. साथ ही नगर क्षेत्र होने के कारण नाली निर्माण कार्य में तत्परता नहीं दिखाई जा रही है. इस ओर राष्ट्रीय राजमार्ग के असिस्टेंट और जूनियर इंजीनियर से मिलकर ध्यान आकृष्ट किया गया था. बैठक में कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष सन्नी सिंकु, बंदगांव प्रखंड के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष नारायण सिंह पुरती, शैली शैलेंद्र सिंकू, विशाल उपस्थित थे.

डुम्बरु को राजस्व ग्राम घोषित करने की मांग

चक्रधरपुर । पश्चिमी सिंहभूम प्रखंड की बंदगांव प्रखंड की सुदूरवर्ती क्षेत्र डुम्बरु वनग्राम को राजस्व ग्राम का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने पीपुल्स वेल्फेयर एसोसिएशन के सचिव डॉ. विजय सिंह गागराई से मुलाकात की. वनग्राम डुम्बरु के ग्रामीणों ने बताया कि गांव को राजस्व गांव का दर्जा नहीं दिये जाने के कारण कई प्रकार की सुविधाओं से वंचित होना पड़ रहा है. मौके पर समाजसेवी डॉ. विजय सिंह गागराई ने कहा कि वनग्रामों को राजस्व गांव का दर्जा दिलाने के लिए वे हरसंभव प्रयासरत हैं. मौके पर डुम्बरु वनग्राम के अध्यक्ष गोपाल मुंडा, सचिव विजय दिग्गी उपस्थित थे.

कराईकेला में एसडीओ ने किया बूथ का निरीक्षण

चक्रधरपुर । बंदगांव प्रखंड के कराईकेला पंचायत के विभिन्न बूथों का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान 2024 के तहत निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी पोड़ाहाट चक्रधरपुर रीना हांसदा ने गुरुवार को निरीक्षण किया. इस दौरान एसडीओ ने बूथ संख्या 46 ,47 एवं 48 पर समेकित मतदाता सूची का प्रकाशन एवं सोशल मीडिया पर जारी नाम जोड़ो अभियान का औचक निरीक्षण किया. मौके पर बीएलओ पर्यवेक्षक लालबाबू दास, सूरज आदि मौजूद थे.

आजसू ने चूल्हा प्रमुखों के गठन पर की चर्चा

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर शहर के वन विश्रामागार प्रांगण में गुरुवार को वन आजसू पार्टी की विधानसभा स्तरीय बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रामलाल मुंडा ने की. इस दौरान जिलाध्यक्ष राम लाल मुंडा ने कहा कि जल्द ही चूल्हा प्रमुखों का गठन किया जाएगा. उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी के कार्यकर्ता तैयारी में जुट जाएं. साथ ही संगठन को मजबूत करने के लिए सदस्यता अभियान तेज करते हुए अधिक से अधिक युवाओं को संगठन में जोड़ने का काम किया जाए. बैठक में केंद्रीय सदस्य अजय महतो, प्रवक्ता मनोज सिंह, शुभम महतो, चंद्रदीप प्रधान उपस्थित थे.

नीमडीह प्रखंड के कल्याणपुर और धातकीडीह में रात में जंगली हाथी ने किया तांडव, दहशत में हैं ग्रामीण

दंतैल हाथी ने पांच घर तोड़े, दीवार गिरने से मलबे में दबकर महिला हुई घायल

- झुंड से बिछड़े हाथी पहुंचा गांव में, धान खाया

संवाददाता । चांडिल

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में जंगली हाथी की समस्या अब नासूर बनता जा रहा है. आए दिन जंगली हाथी किसी ना किसी गांव में तोड़फोड़ करते हैं और वन विभाग लोगों को सतर्क रहने की सलाह देने के साथ हाथियों को वापस भगाने का आश्वासन देता है.

वन विभाग द्वारा जंगली हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ने के बाद वे फिर से आबादी वाले क्षेत्र में आ जाते हैं. जंगल में हाथियों का झुंड रहना क्यों नहीं पसंद कर रहे हैं, यह विभाग के लिए जांच का विषय है. बुधवार की रात भी झुंड से अलग अकेले घूम रहे दंतैल हाथी ने दो गांवों में अपनी उपस्थिति दर्ज करायी. बुधवार की रात हाथी ने नीमडीह प्रखंड के कल्याणपुर और धातकीडीह में पांच मकानों को क्षतिग्रस्त कर मकान के अंदर रखे धान को अपना भोजन बनाया. इस दौरान मकान ध्वस्त करने के क्रम में दीवार के मलबे से दबकर एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई. जंगली हाथी के उत्पात की चपेट में आकर घायल महिला का इलाज रघुनाथपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है. जानकारी के अनुसार बुधवार की रात दंतैल हाथी धातकीडीह के दुलाल महतो के मकान को ध्वस्त कर अंदर रखे धान को अपना निवाला बनाया. मकान को नुकसान पहुंचाने के बाद हाथी कल्याणपुर पहुंचा. ग्राम प्रधान पंचानन महतो ने बताया कि कल्याणपुर के रहने वाले निपेन पोद्दार, झंगाल पोद्दार, केदार पोद्दार और दिवंगत जुरू पोद्दार के मकान को निशाना बनाया. इस दौरान मकान के अंदर सो रही जुरू पोद्दार की विधवा चायना पोद्दारीन मकान की दीवार के मलबे से दबकर घायल हो गई. 50 वर्षीय चायना पोद्दारीन घर में अकेली रहती है. यह घटना रात करीब डेढ़ बजे की बताई जा रही है. घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग कर्मी राणा प्रताप महतो, रामचरण महतो और जिहूड़ गोप ने घायल महिला को इलाज के लिए रघुनाथपुर स्थित सीएचसी नीमडीह पहुंचाया.

नीमडीह प्रखंड के गांव में अपने क्षतिग्रस्त घर को दिखाता ग्रामीण.

दंतैल हाथी द्वारा घर की दीवार तोड़ने से मलबे में दबकर घायल महिला.

24 घंटे की बंदी में नहीं खुलीं दुकानें, गाड़ियों के थमे रहे पहिये, पेट्रोल पंप भी नहीं खुले

चक्रधरपुर छोड़ सभी प्रखंड में रहा नक्सली बंद

- शहर से बाहर जाने वाले यात्रियों को हुई परेशानी

संवाददाता । चक्रधरपुर

भाकपा माओवादी नक्सली संगठन की नेता जया हेम्ब्रम समेत अन्य तीन नक्सलियों की गिरफ्तारी के विरोध में नक्सलियों द्वारा गुरुवार को बुलाई गई बंद का चक्रधरपुर शहर छोड़कर पोड़ाहाट अनुमंडल के सभी प्रखंडों में व्यापक असर देखा गया. चक्रधरपुर शहर में रोज की तरह दुकानें व अन्य प्रतिष्ठान व कार्यालय खुले रहे. पोड़ाहाट अनुमंडल के बंदगांव घाटी, नीचे कराईकेला, नकटी छोड़कर बंदगांव के बंदगांव बाजार, चाकी, टेबो, मनोहरपुर, सोनुवा, गोईलकेरा, आनंदपुर में बाजार व दुकानें पूरी तरह बंद रहीं. बंद के कारण सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा. नक्सली बंद के आह्वान को लेकर लोगों ने स्वतः सुबह से ही दुकानें बंद रखीं. वहीं इन क्षेत्रों में बैंक, डाकघर, पेट्रोल पम्प भी बंद रहे. इससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ. मनोहरपुर, सोनुवा, गोईलकेरा, आनंदपुर क्षेत्रों से रांची, टाटा, जामदा व अन्य क्षेत्रों के लिए चलने वाली वाहनों के चक्के थमे रहे. वहीं चक्रधरपुर से रांची के लिए बसों का परिचालन नहीं हुआ. रांची से भी चक्रधरपुर कोई बस नहीं पहुंची. हालांकि चक्रधरपुर से चाईबासा व आसपास के गांवों के लिए गाड़ियों का परिचालन हुआ.

नक्सलियों की बंदी को लेकर मनोहरपुर में बंद पड़ा पेट्रोल पम्प.

नक्सलियों द्वारा बुलाई गई बंद को लेकर सोनुवा में बंद पड़ी दुकानें.

गोइलकेरा बाजार में दुकानें के बंद पड़े शटर.

सारंडा व कोल्हान में नक्सलियों का बंद बेअसर

मीना बाजार में खुली दुकानें.

किरीबुरु । प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी द्वारा जया की गिरफ्तारी के विरोध में 25 जुलाई को बुलाया गया 24 घंटे का झारखंड-बिहार बंद का किरीबुरु-मेघाहातुबुरु एवं सारंडा क्षेत्र में कोई असर नहीं पड़ा है. नक्सली बंद के बावजूद क्षेत्र की तमाम दुकानें, स्कूल, बैंक, व्यावसायिक प्रतिष्ठान आदि खुले हुये हैं. लंबी दूरी की कुछ यात्री बसों को छोड़ अन्य यात्री बसें तथा छोटे वाहनों का परिचालन सामान्य रूप से जारी है. नक्सलियों के बंद को देखते हुए पुलिस व प्रशासन अलर्ट है. सीआरपीएफ और पुलिस सभी संवेदनशील क्षेत्रों में गश्त कर रही है. उल्लेखनीय है कि धनबाद के एक निजी क्लिनिक से कैंसर का इलाज कराने के दौरान एक करोड़ रुपये का इनामी नक्सली विवेक की पत्नी सह बिहार-झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी की सदस्य जया हेम्ब्रम ऊर्फ जया दीदी सहित शांति कुमारी, डॉक्टर पांडेय और उनके सहयोगी की गिरफ्तारी के विरोध में भाकपा (माओवादी) बिहार-झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी के प्रवक्ता आजाद ने 17 जुलाई को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर 25 जुलाई को झारखंड-बिहार बंद कि घोषणा की थी. इस बंद के बाद 28 जुलाई से 3 अगस्त तक नक्सलियों ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शहीदी सप्ताह मनाने का ऐलान किया है.

न्यूज अपडेट

राजबाड़ी रोड निर्माण का विधायक ने किया शिलान्यास

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर शहर की पुरानी बस्ती को जोड़ने वाली राजबाड़ी रोड पर पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का गुरुवार को शिलान्यास किया गया. विधायक निधि से 600 फीट बनने वाली इस सड़क का चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव ने नारियल फोड़ व पूजा अर्चना कर शिलान्यास किया. शिलान्यास के बाद विधायक सुखराम उरांव ने कहा कि स्थानीय लोगों की मांग पर विधायक निधि से सड़क का निर्माण कराया जा रहा है. मौके पर झामुमो नेता दिनेश जेना, सरवर निहाल नज्जू, राजेश गुप्ता, शेष नारायण लाल आदि मौजूद थे.

रैली निकाल नशा से दूर रहने का दिया गया संदेश

चक्रधरपुर । नशामुक्त भारत अभियान के तहत गुरुवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, माउंट आबू के तत्वावधान में जागरूकता रैली निकाली गई. ब्रह्माकुमारिज पाठशाला, चक्रधरपुर की संचालिका बीके (डॉ) मानिनि बहन के नेतृत्व में निकाली गई रैली में लोगों को नशा से दूर रहने का संदेश दिया गया. साथ ही सशक्त राष्ट्र के निर्माण में अपनी अहम भागीदारी निभाने का संकल्प दिलाया गया. उन्होंने कहा कि मजबूत राष्ट्र निर्माण के लिए हमें नशे को खत्म करना होगा.

राज्य सरकार बाहरी लोगों को दे रही है नौकरियां : रामहरि

चाईबासा । झारखंड में हेमंत सोरेन स्थानीयता व नियोजन नीति के नाम पर वोट लेकर तीन बार मुख्यमंत्री बने. लेकिन सरकार झारखंडियों को धोखा दे रही है. उक्त बातें आंबेडकराईट पार्टी ऑफ इंडिया के रांची लोकसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी रामहरि गोप ने दी. उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ महागठबंधन ने विश्वास दिलाया कि खतियान आधारित स्थानीय एवं नियोजन नीति बनाकर झारखंड के युवाओं को नौकरी दी जाएगी, लेकिन आज हालात यह है कि सरकार नियोजन नीति नहीं बना पाई.बाहरियों को नौकरी देकर सरकार अपनी पीठ थपथपा रही है.

महिला समिति के सदस्यों के बीच सुखराम ने बांटे रजिस्टर

चांडिल । ईचागढ़ प्रखंड के लेपाटांड़, बनडीह में सुख, शांति, समृद्धि, स्वच्छ, शिक्षा, स्वस्थ अभियान के बैनर तले ग्रामीणों की बैठक हुई. इस अवसर पर ग्रामीणों की समस्या और उसके निदान को लेकर चर्चा की गई. मौके पर मुख्य अतिथि झारखंड आंदोलनकारी सह स्वच्छ चांडिल स्वस्थ चांडिल के संस्थापक सुखराम हेम्ब्रम उपस्थित थे. बैठक के बाद महिला समिति के सदस्यों के बीच 100 रजिस्टर और कलम का वितरण किया गया. लोगों ने कहा कि बीते 35 सालों से ईचागढ़वासियों को बाहरियों ने लूटा है. और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. कार्यक्रम की अध्यक्षता बुधराम उरांव ने की.

विस चुनाव को लेकर बीडीओ ने मतदान केन्द्रों का लिया जायजा

गोईलकेरा । आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं. इसे लेकर गुरुवार को गोईलकेरा के प्रखंड विकास पदाधिकारी सह सहायक निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार ने विभिन्न मतदान केन्द्रों का जायजा लिया. उन्होंने बूथों की स्थिति की जानकारी ली. साथ ही झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देशानुसार प्रखंड के सभी 72 बूथों पर किये गये मतदाता सूची का प्रारुप प्रकाशन का भी निरीक्षण किया. उनके नेतृत्व में नाम जांचो अभियान के तहत 18 वर्ष पूरा करने वाले युवाओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने, मतदान का महत्व बताया.

19 कराटेकार जमशेदपुर और कोलकाता रवाना

प्रतियोगिता में भाग लेने जाते कराटे के खिलाड़ी.

संवाददाता । किरीबुरु

डीएवी, गुवा के 13 बच्चे 25 जुलाई को डीएवी स्पोर्ट्स, कलस्टर स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए गुवा से जमशेदपुर के लिए ट्रेनर लक्ष्मी कुमारी के साथ रवाना हुए.

यह प्रतियोगिता 26 जुलाई को जमशेदपुर स्थित एनआईटी कॉलेज में होगी. दूसरी तरफ महिला समिति गुवा द्वारा संचालित लक्ष्मी मार्शल आर्ट्स अकादमी की कराटे ट्रेनर लक्ष्मी कुमारी से कराटे प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छह बच्चे कोलकता के नेताजी सुभाष चन्द्र बोस इंडोर स्टेडियम में 26 जुलाई से आयोजित तीन दिवसीय 8वें अंतरराष्ट्रीय कराटे चैम्पियनशिप में भाग लेने हेतु रवाना हुए. इस प्रतियोगिता में भारत समेत श्रीलंका, मलेशिया, भूटान, बांगलादेश, नेपाल, इंडोनेशिया एवं ओमान के कराटे प्रतिभागी भी हिस्सा लेंगे.

दोनों टीम के कराटेकार एक साथ रवाना हुये जिनका हौसला बढ़ाने हेतु काफी संख्या में महिलायें व अन्य लोग भी मौजूद थे. प्रशिक्षक लक्ष्मी कुमारी ने बताया की पहले जमशेदपुर में बच्चों की प्रतियोगिता कराकर फिर अन्य बच्चों को लेकर मैं कोलकाता रवाना होंगी.

समाहरणालय के कर्मचारियों की हड़ताल चौथे दिन भी जारी

- सरकारी कार्य ठप रहने से जनता मायूस रही
- सरकार के पहल नहीं करने से कर्मियों में है काफी रोष

संवाददाता । चाईबासा

अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे चाईबासा समाहणालय के कर्मचारी.

झारखंड राज्य अनुसचिवीय कर्मचारी संघ (समाहरणालय संवर्ग) की अनिश्चितकालीन हड़ताल चौथे दिन भी जारी रही. राज्य नेतृत्व के निर्देशानुसार पूरे राज्य सहित पश्चिमी सिंहभूम जिले के प्रखंड, अंचल, अनुमंडल सहित जिला मुख्यालय के कर्मचारी हड़ताल को सफल बनाने में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं. इससे जिले में सरकारी कार्य पूरी तरह ठप हैं. कई लोगों को प्रमाण पत्र तो, कई को पेंशन तथा जमीन से जुड़े दाखिल खारिज, कोर्ट केस, विधि व्यवस्था जैसे सरकारी कार्य नहीं हो रहा है. जानकारी हो कि 22 जुलाई से ही समाहरणालय संवर्ग के कर्मियों ने हड़ताल का बिगुल फूंका है, लेकिन अब तक सरकार अपने स्तर से हड़ताल समाप्त कराने के लिए कोई पहल करती नहीं दिख रही है. संघ के जिला अध्यक्ष ललितेश्वर महतो ने कहा कि सरकार जब तक मांगों के प्रति पहल नहीं करती है, हम चट्टानी एकता के साथ हड़ताल पर डटे रहेंगे. वहीं जिला सचिव मनोज कुंटिया ने कहा कि हम सरकार से अपनी मांगों के प्रति दो वर्षों से अवगत करा रहे हैं, लेकिन कोई पहल नहीं की गई. ऐसे में हड़ताल नहीं करें तो क्या करें. जिला कोषाध्यक्ष सुनील बड़ाईक ने कहा कि सरकार से हमें काफी आस है. हड़ताल में कार्यालय अधीक्षक रूप सिंह बानरा, नाथूलाल नाग, श्याम प्रसाद, छवि कर, हरि कृष्णा सिंह लागुरी, प्रधान लिपिक विल्सन डांहगा, ऋषि बोईपाई, दिलीप बिरुआ, कृष्णा चंद्र गागराई, माधव चंद्र हेम्ब्रोम, सुनील बड़ाइक, निरल केरकेट्टा, मनीष विश्वकर्मा, सदानंद रजक, अतुल कुमार, सुशील कुमार खलखो, अजय सामंता, मोहन सिंह बानरा, सुशील प्रधान, कुंती पात्रो बेंजामिन बोईपाई, लिपिकों मे देवाशीष डे, मयंक कुमार, रोब्बट वादुला, अरुण महाराणा, मनीषा कुमारी, ओम प्रकाश महतो, कुणाल कुंडू, रमेश गोप, मनीषा गोप, सुनीता सुंडी, स्मृति एक्का, तपन कुमार साहू, सबीना जोजो, आयशा रेयाज, शुभम कुमार, तरुण कुमार, वसीमउद्दीन सुनीता सुंडी, जूही सरकार, मनीषा कुमारी, सबीना जोजो, लक्ष्मी सोरेन, सुकर्मनी सैवेईया, सावित्री मुंडइया, सहित प्रखंड, अंचल, अनुमंडल सहित जिला मुख्यालय के सभी शाखा के कर्मी उपस्थित शामिल थे.

समाधान कुकड़ू प्रखंड बनने के बाद से ही प्रभार पर चल रहा था अंचलाधिकारी का पद

कुकड़ू प्रखंड को पहली बार मिला सीओ, अब विकास की उम्मीद

- रामगढ़ सदर के सीओ सत्येंद्र नारायण भेजे गये कुकड़ू

संवाददाता । चांडिल

सरायकेला खरसावां जिले के कुकड़ू प्रखंड को निर्माण के बाद पहली बार अंचलाधिकारी (सीओ) मिला है. सरकार ने रामगढ़ सदर के अंचल अधिकारी सत्येंद्र नारायण पासवान का तबादला कर उन्हें कुकड़ू का अंचलाधिकारी बनाया है.

इसके साथ ही सरकार की ओर से जारी वादी सूचना में विवेक किशोर को कुकड़ू का प्रखंड विकास पदाधिकारी के रूप में स्थापित किया गया है. पिछले 8 महीना से कुकड़ू में प्रखंड विकास पदाधिकारी और स्थापना काल से अंचल अधिकारी का पद रिक्त था. बीडीओ ही यहां के सीओ के प्रभार में रहते थे.

वर्ष 2009 में कुकड़ू को अलग प्रखंड बनाने के बाद सरकार की ओर से कभी अंचलाधिकारी की पदस्थापना नहीं की गई थी. अंचलाधिकारी का कार्यभार प्रखंड विकास पदाधिकारी ही संभालते थे. प्रभार पर प्रखंड अंचल आपूर्ति बाल विकास परियोजना आदि कार्यालय के चलने के कारण सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में परेशानी होती थी. समय पर लोगों का काम नहीं हो पता था, जिससे लोग परेशान थे. लंबे अर्से के बाद सत्येंद्र नारायण पासवान के रूप में अंचल अधिकारी मिलने के बाद कुकड़ू प्रखंड क्षेत्र के लोगों में खुशी व्याप्त है.

लोगों का कहना है कि अंचल से संबंधित सारे काम अब आसानी से सुलझाए जा सकेंगे. वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी की भी पदस्थापन होने से लोगों के सारे काम सुलभ रूप से होंगे. विदित हो कि कुकड़ू प्रखंड आकांक्षी प्रखंड के रूप में चिन्हित है. बीते दिनों केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने यहां संपूर्णता अभियान का शुभारंभ किया था. कुकड़ू में प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचल अधिकारी का पद प्रभार पर रहने के कारण संपूर्णता अभियान के तहत होने वाले कार्यों की निगरानी सही रूप से नहीं हो पा रही थी. कुकड़ू में प्रखंड विकास पदाधिकारी और पहली बार अंचलाधिकारी की पदस्थापन होने के बाद अब यह कयास लगाया जा रहा है कि क्षेत्र में भी राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को अमलीजामा पहनाने में तीव्रता आएगी. सभी लंबित कार्य पूरे होंगे.

सत्येंद्र नारायण पासवान.

कुकड़ू प्रखंड कार्यालय भवन.

18 जून को छपी थी खबर

झारखंड बनने के बाद घोटाला और भ्रष्टाचार चरम पर : जॉन

संवाददाता । चाईबासा

सदर प्रखंड के गुईरा गांव में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर गुरुवार को बैठक हुई. बैठक में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव में पेयजल, रोजगार और सड़क की समस्या है, लेकिन कोई भी नेता काम नहीं कर रहा है. आदिवासी किसान मजदूर पार्टी सह जिला परिषद सदस्य जॉन मिरन मुंडा ने कहा कि झारखंड बनने के बाद राज्य में घोटाला व भ्रष्टाचार चरम पर है. राज्य के मुख्यमंत्री भी घोटाला में जेल जा रहे हैं और जनता रोजगार के लिए पलायन कर रही है. लोगों को पीने का पानी नसीब नहीं हो रहा है. झामुमो की सरकार आदिवासियों को सिर्फ झूठ बोल कर उससे वोट ली है. आज झामुमो की सरकार में ही आदिवासियों की जमीन सुरक्षित नहीं है. जब हम मजदूरों का हक टाटा-रूंगटा से मांगते हैं तो जेल भेजा जाता है और चुनाव लड़ने नहीं दिया जाता है. झामुमो की सरकार लोगों को पीने का पानी नहीं दे सकती तो नोकरी कैसे देगी. शिक्षक बहाली में पूरे भारत के लोगों को बहाल किया, जो काफी दुर्भाग्यपूर्ण है.

उपेक्षित राज्यों में विक्षोभ

बजट भाषण में इंडिया गठबंधन दलों के नेताओं के तल्ख तेवर से क्षुब्ध केंद्र सरकार ने आरोप लगाया है कि विपक्ष सार्थक चर्चा नहीं कर रहा है. दस सालों के बाद लोकसभा का समीकरण बदला हुआ है, जिसमें एक ओर वास्तविक अर्थों वाली गठबंधन सरकार को मजबूत विपक्ष का सामना करना पड़ रहा है. इसका असर सदन के बाहर भी दिख रहा है. बजट प्रावधानों में गैर-भाजपा शासित राज्यों की उपेक्षा का असर नीति आयोग की बैठक पर भी पड़ने जा रहा है. झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी बजट में झारखंड की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा है कि विशेष पैकेज केंद्र सरकार वैशाखियों को दे, लेकिन वह झारखंड को उसका बकाया चुका दे. झारखंड के मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का केंद्र पर 1.36 लाख करोड़ का बकाया है. गैर भाजपा शासित पांच राज्यों ने एलान किया है कि वे बजटीय उपेक्षा के प्रति अपना विरोध जताते हुए नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करेंगे. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को संसद में केंद्रीय बजट पेश किया था. इसके बाद विपक्षी गठबंधन इंडिया के कुछ नेताओं ने इसे 'सरकार बचाओ बजट' तो किसी ने 'भेदभावपूर्ण' बजट करार दिया. इसके बाद कांग्रेस ने 27 जुलाई को होने वाली नीति आयोग की बैठक के बहिष्कार का एलान किया था. नीति आयोग की बैठक में कर्नाटक,

> झारखंड के मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का केंद्र पर 1.36 लाख करोड़ का बकाया है. गैर भाजपा शासित पांच राज्यों ने एलान किया है कि वे बजटीय उपेक्षा के प्रति अपना विरोध जताते हुए नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करेंगे.

हिमाचल प्रदेश और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री भाग नहीं लेंगे. पंजाब सरकार ने भी नीति आयोग की बैठक के बहिष्कार का निर्णय किया है. पंजाब के मुख्यमंत्री अब नीति आयोग की बैठक में भाग नहीं लेंगे. तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार ने 27 जुलाई को होने वाली नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करने का फैसला किया है. तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा बजट के दौरान तेलंगाना के अधिकारों को नुकसान पहुंचाया गया है. इसके अलावा राज्य की बकाया धनराशि भी जारी नहीं की गई. इसके विरोध में नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करने का फैसला लिया गया है. तेलंगाना विधानसभा में दिन भर चली बहस के बाद केंद्रीय बजट में तेलंगाना के प्रति केंद्र के कथित भेदभाव के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया गया. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी बजट में बंगाल की उपेक्षा का आरोप लगाया है, लेकिन वे नीति आयोग की बैठक में भाग लेंगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले दस सालों में अनेक अवसरों पर कोऑपरेटिव फैडरलिज्म यानी सहयोगात्मक संघवाद की वकालत करते रहे हैं. लेकिन व्यवहार में देखा गया है कि संघात्मकता की मूल भावना केवल कागजी बन कर रह जाती है. इस तथ्य को गंभीरता से समझने और अमल में लाने की जरूरत है कि देश के सभी राज्यों के लिए समान अवसर का माहौल बनाना चाहिए. देश के ज्यादातर राज्यों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है. केंद्र की मदद की जरूरत सभी राज्यों को है. इसलिए बजट आबंटन में इस तथ्य का ध्यान रखा जाना जरूरी है.

सुभाषित

परोऽपि हितवान् बन्धुः बन्धुरप्यहितः परः।
अहितो देहजो व्याधिः हितमारण्यमौषधम्॥

बीमारियां हमारे शरीर के भीतर रहते हुए भी हमारा बुरा करती हैं और औषधियां (जड़ी-बूटियां) हमसे दूर पेड़-पौधों में रहकर भी हमारा भला करती हैं. इसी प्रकार, जिनसे हमारा रक्त का सम्बन्ध न हो, किन्तु वे हमारा हित करें तो वे अपने होते हैं और यदि रिश्तेदार होकर भी कोई हमारा अहित करे तो वह पराया होता है.

आम बजट 2024 की आर्थिक दिशा

जब हर व्यक्ति के पास सम्मानजनक रोजगार होगा, तो उसका जीवन स्तर क्रमिक रूप से उठेगा और समाज समृद्ध एवं खुशहाल बनेगा. ऐसे समाज में आमदनी बढ़ने के कारण कर उगाही भी स्वाभाविक रूप से बढ़ेगी, जिससे सरकारें जन-कल्याण एवं पुख्ता सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था कर सकेंगी. यानी कुल सोच यह थी कि पूंजीवाद धन पैदा करेगा, जो धीरे-धीरे रिस कर निचले तबकों तक पहुंचेगा. इस तरह सभी खुशहाल होंगे.

• देश-काल

सत्येंद्र रंजन

लोकसभा चुनाव के दौरान ही ये बात जाहिर हो गई कि 'विकसित भारत' का नारा लोगों को उत्साहित या आकर्षित नहीं कर रहा है. इसके प्रति लोगों की उदासीनता का आलम यह था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के अन्य नेताओं ने पहले चरण के मतदान के बाद अपने प्रचार अभियान में इस थीम को हाशिये पर डाल दिया. इसके विपरीत हिंदुत्व का डोज (खुराक) बढ़ाने का दांव उन्होंने चला. वह भी कितना कारगर रहा, यह चार जून को आए चुनाव नतीजों से जाहिर हो चुका है. यह निर्विवाद है कि लोकसभा के चुनाव का प्रमुख कथानक महंगाई, बेरोजगारी, अवसरहीनता आदि जैसे ठोस और रोजमर्रा की जिंदगी की जुड़े मुद्दों से तय हुआ. इसके बावजूद अपने तीसरे कार्यकाल में नरेंद्र मोदी सरकार ने 'विकसित भारत' अपना थीम बनाए रखा है तो यही कहा जाएगा कि हकीकत से आंख मिलाने का साहस या क्षमता उसमें नहीं है. पिछले महीने संसद के साझा सत्र में दिए अपने अभिभाषण में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एलान किया था कि 2024-25 के बजट में सरकार 'विकसित भारत'की कार्यसूची पेश करेगी. 23 जुलाई को पेश बजट को मोदी सरकार ने 'विकसित भारत की तरफ यात्रा का रोडमैप'कहा है. इसमें पेज-दर-पेज 'विकसित भारत की प्राथमिकताएं' बताई गई हैं. यानी जो जुमला चुनाव अभियान में लोगों को लुभा नहीं सका, जिस पर लोगों ने यकीन नहीं किया, उसे ही इस बजट का मुख्य विषयवस्तु बनाया गया है. इसलिए यह सवाल विचारणीय हो जाता है कि आखिर किसी अर्थनीति और विकास नीति का मकसद क्या होना चाहिए? उनकी सफलता का पैमाना क्या होना चाहिए? बीसवीं सदी के आरंभ में जब सोवियत क्रांति के साथ समाजवाद सपनों की रूमानी दुनिया से उतर कर जमीनी हकीकत का रूप लेना लगा तो पहली बार तत्कालीन पूंजीवादी और अन्य व्यवस्थाओं के सामने भी अपना लक्ष्य तय करने और कुछ सपने जगाने की चुनौती पेश आई थी. क्या पूंजीवाद आधारित 'लोकतंत्र'खुद में सामाजिक एजेंडा जोड़ कर समाजवादी क्रांति का विकल्प पेश सकता है, यह बहस खड़ी हुई थी. उसी दौर में जॉन मेनार्ड कीन्स ने अर्थनीति संबंधी अपनी समझ दुनिया के सामने रखी, जो धीरे-धीरे पूरे पूंजीवादी विश्व का स्वीकृत आर्थिक एजेंडा बन गई. कीन्स की आर्थिकी ने "क्रांतिकारी समाजवाद"के विकल्प के रूप में "शांतिमय प्रगति आधारित लोकतांत्रिक पूंजीवाद"के लक्ष्यों और उन्हें हासिल करने के मार्ग की व्याख्या की थी.

बताया गया कि इस अर्थनीति का पालन करते हुए संपूर्ण रोजगार हासिल किया जा सकता है. जब हर व्यक्ति के पास सम्मानजनक रोजगार होगा, तो उसका जीवन स्तर क्रमिक रूप से उठेगा और समाज समृद्ध एवं खुशहाल बनेगा. ऐसे समाज में आमदनी बढ़ने के कारण कर उगाही भी स्वाभाविक रूप से बढ़ेगी, जिससे सरकारें जन-कल्याण एवं पुख्ता सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था कर सकेंगी. यानी कुल सोच यह थी कि पूंजीवाद धन पैदा करेगा, जो धीरे-धीरे रिस कर निचले तबकों तक पहुंचेगा. इस तरह सभी खुशहाल होंगे. इस आर्थिकी को कार्यरूप देने के लिए कीन्स ने अर्थव्यवस्था में सरकारों की सक्रिय भूमिका की वकालत की थी. सामाजिक लक्ष्य तय करना और उन्हें हासिल करने की तरफ समाज को ले जाना सरकारों की लोकतांत्रिक जिम्मेदारी मानी गई. फुल इंप्लायमेंअ इन लक्ष्यों में सर्व-प्रमुख था.

पूंजीपति और धनिक तबकों ने अपनी नव-उदारवादी मुहिम के तहत इसी सोच पर हमला बोला. 1980 का दशक आते-आते उनकी यह मुहिम कामयाबी की राह पर चल निकली. 1990 के दशक में इस सोच और इस पर आधारित आर्थिकी का लगभग सारी दुनिया में प्रसार हो गया. 1991 में यह आर्थिकी भारत पहुंची और आज उसका सबसे विद्रूप चेहरा हमारे सामने है. ताजा बजट ने यही दिखाया है कि नरेंद्र मोदी सरकार में इस विद्रूपता से भारत की इच्छाशक्ति और समझ का सिरे से अभाव है. बेरोजगारी और महंगाई जैसे प्रश्नों पर वह नव-उदारवादी फॉर्मूलों पर पुनर्विचार करने तक को तैयार नहीं है. चूंकि हाल के आम चुनाव में इन दोनों समस्याओं के कारण उसे गंभीर झटके लगे, इसलिए वह इस दिशा में कुछ करते तो दिखना चाहती है, लेकिन सचमुच कुछ करना नहीं चाहती! महंगाई के सवाल पर तो उसने आत्म-समर्पण कर दिया है. इस बात का प्रमाण 22 जुलाई को संसद में पेश 2023-24 की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में मिला. इसमें खाद्य पदार्थों की ऊंची महंगाई दर का जिक्र किया गया और इसका कारण आपूर्ति संबंधी दिक्कतों को बताया गया. रिपोर्ट में कहा गया हैः 'अक्सर खाद्य पदार्थों की महंगाई का कारण मांग से संबंधित नहीं, बल्कि आपूर्ति से संबंधित है.' तो इस रिपोर्ट के जरिए सरकार ने दलील दी है कि ब्याज दरें बढ़ा कर महंगाई पर काबू पाने का तरीका मौजूदा खाद्य महंगाई के संदर्भ में कारगर नहीं होगा. इसलिए भारतीय रिजर्व बैंक से सिफारिश की गई है कि वह खाद्य पदार्थों के अलावा बाकी मुद्रास्फीति दर पर गौर करे, जो अब नियंत्रण में है. यानी वह ब्याज दरों में कटौती शुरू कर दे. मतलब, सरकार मानती है कि खाद्य पदार्थों की महंगाई इसलिए है कि किसान पर्याप्त मात्रा में अनाज, सब्जियों और अन्य खाद्य पदार्थों का उत्पादन नहीं कर पा रहे हैं. क्या यह सच है? क्या इस बात को स्वीकार किया जा सकता है?

दरअसल, आज की मोनोपॉली नियंत्रित अर्थव्यवस्था के दौर में महंगाई सिर्फ मांग और आपूर्ति के आपसी संबंध से तय नहीं हो रही है. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसाबेला बेवर जैसी अर्थशास्त्री और भारत के संदर्भ में रिजर्व बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर विरल आचार्य ने अपने अनुसंधानों से यह साबित किया है कि महंगाई का एक बड़ा कारण मोनोपॉली घरानों की मुनाफाखोरी है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

लक्ष्य और साधना

संसार में हर व्यक्ति अकिंचन है. चाहे उसके पास जितना कुछ क्यों न हो, उसकी और अधिक, और अधिक पाने की लालसा अपनी बुलंद रहती है. उसकी तृष्णा और वासना उसे उकसाती हैं, लक्ष्य से भटकाने की कोशिश करती हैं. जिनकी साधना मजबूत होती है, वे तो बच निकलते हैं, लेकिन जो साधक हैं ही नहीं या फिर जिनकी साधना कमजोर होती है, सांसारिक माया के जाल में फंसने से स्वयं को बचा नहीं पाते. क्या पाना है, यदि लक्ष्य निर्धारित है, अन्तः सुख प्राप्त करना ही ध्येय है, तो भ्रमित करने वाले छोटे छोटे सुख साधन मृगतृष्णा है. वे साधन मार्गभ्रष्ट कर अनावश्यक लक्ष्य को दूर करने वाले और मार्ग की दूरी बढाने वाले होते है. यदि सुख सहज मार्ग से उपलब्ध हो तो सुविधाभोग, भटकन के अतिरिक्त कुछ नहीं. सड़क के किनारे, मिट्टी के बर्तन व कलाकृतियां सजा कर, कुम्हार खाट पर पसरा हुआ था. एक विदेशी उन कलाकृतियों का तन्मयता से अवलोकन कर रहा था. उसने मोल पूछा और कुम्हार ने लेटे लेटे ही मूल्य बता दिया. विदेशी उसकी लापरवाही से बड़ा क्षुब्ध हुआ. उसे आश्चर्य हो रहा था. उसने कुम्हार को टोकते हुए कहा, "तुम काम में तत्परता दर्शाने के बजाय आराम फरमा रहे हो?" कुम्हार ने कहा, ₹जिसको लेना होगा वह तो खरीद ही लेगा, आतुरता से आखिर क्या होगा?₹ "इस तरह आराम से पडे रहने से बेहतर है तुम ग्राहकों को पटाओ, उन्हें अपनी यह सुन्दर वस्तुएं बेचो. तुम्हें शायद मालूम ही नहीं, तुम्हारी ये कलाकृतियां विशेष और अभिन्न हैं. अधिक बेचोगे तो अधिक धन कमाओगे.", विदेशी ने कहा. कुम्हार ने पूछा, ₹और अधिक धन कमाने से क्या होगा?₹ विदेशी ने समझाते हुए कहा, "तुम अधिक धन कमाकर, इन वस्तुओं का उत्पादन बढा सकते हो, बडा सा शोरूम खोल सकते हो, अपने अधीन कर्मचारी, कारीगर रख कर और धन कमा सकते हो." कुम्हार ने पूछा, "फिर क्या होगा?" ₹तुम अपने व्यवसाय को ओर बढा सकते हो, देश विदेश में फैला सकते हो, एक बड़ा बिजनेस एम्पायर खड़ा कर सकते हो₹, विदेशी ने कहा. "उससे क्या होगा", कुम्हार ने फिर पूछा. विदेशी ने जवाब दिया, "तुम्हारी बहुत बडी आय होगी, तुम्हारे पास आलिशान सा घर, आरामदायक गाडियां और बहुत सारी सम्पत्ति होगी." कुम्हार ने फिर पूछा, "उसके बाद?" ₹उसके बाद क्या, उसके बाद तुम आराम से जीवनयापन करोगे, आराम ही आराम, और क्या?₹ कुम्हार ने छूटते ही पूछा, ₹तो अभी क्या कर रहा हूं? जब इतना उहापोह, सब आराम के लिए ही करना है तब तो मैं पहले से ही आराम कर रहा हूं.₹

सामाजिक सुरक्षा का विस्तार जरूरी

• समाज

अरविंद जयतिलक

भारत एक लोकतांत्रिक व कल्याणकारी राज्य है. ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी है कि वह अपने नागरिकों को बेहतर सामाजिक सुरक्षा मुहैया कराए. निःसंदेह सरकार द्वारा अपने नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की ढेरों योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं, लेकिन बढ़ती जनसंख्या के कारण इसे विस्तार देने की जरूरत है. सामाजिक सुरक्षा का अभिप्राय ऐसी सभी सेवाओं, साधनों और सुविधाओं से है, जो नागरिकों को दी जाती है, जिससे उनका जीवन स्तर बेहतर होता है. सामाजिक सुरक्षा श्रम कल्याण का एक मुख्य संघटक है और उसे निरंतर विकास प्रक्रिया के एक अंग के रूप में देखा जाता है. सामाजिक सुरक्षा वैश्वीकरण और उसके कारण होने वाले संरचनात्मक और तकनीकी परिवर्तनों से उपजी चुनौतियों से निपटने में अधिक सकारात्मक रवैए के निर्माण में सहायता प्रदान करती है. सामाजिक सुरक्षा में यह परिकल्पना की जाती है कि नागरिकों को सभी प्रकार के सामाजिक जोखिमों से रक्षा की जाएगी जो उनकी बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति में अनावश्यक मुश्किलें उत्पन करती हैं. यह सच्चाई है कि कर्मगारों के पास बीमारी, दुर्घटना, वृद्धावस्था, रोग और बेरोजगार आदि के कारण उत्पन जोखिमों का सामना करने के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधन नहीं होता है और संकट के समय में उनकी सहायता करने के लिए जीविका का वैकल्पिक साधन का अभाव होता है. इसलिए कर्मगारों को सामाजिक सुरक्षा देना राज्य का दायित्व है. 19 वीं शताब्दी के अंत तक अधिकांश राज्य अपने को पुलिस राज्य रखकर ही संतुष्ट थे. उनका मुख्य काम शांति व व्यवस्था कायम रखना था. उन्होंने सामाजिक सुरक्षा के कार्य व्यक्तियों और व्यक्तियों के समूहों के जिम्मे छोड़ रखे थे. लेकिन धीरे-धीरे राज्य के स्वभाव में बुनियादी बदलाव आया और उसकी प्राथमिकता में सामाजिक सुरक्षा की औपचारिक व्यवस्था शीर्ष पर हो गयी. लॉयड जार्ज के प्रथम मंत्रित्व काल में इंग्लैंड की सरकार ने सामाजिक सुरक्षा के तहत सामाजिक बीमा चालू किया, जिसके तहत बूढे, अवकाश प्राप्त व्यक्ति, विधवाएं और बेरोजगार लाभ उठाते हैं. इस योजना के अंतर्गत स्कूल में बच्चों को दूध देने, गर्भवती और दूध पिलाने वाली महिलाओं को दूध और विशेष भोजन देने, निःशुल्क डॉक्टरी सहायता और निःशुल्क माध्यमिक शिक्षा और उच्चतर शिक्षा के लिए अच्छी छात्रवृत्तियों की व्यवस्थाएं की गयी हैं. गौर करें तो संपूर्ण यूरोपीय देशों में विस्तृत सामाजिक सुरक्षा लागू है. संयुक्त राज्य अमेरिका में भी जनता को लाभ पहुंचाने संबंधी विस्तृत सामाजिक सुरक्षा योजनाएं चालू हैं. भारतीय संदर्भ में

> 19 वीं शताब्दी के अंत तक अधिकांश राज्य अपने को पुलिस राज्य रखकर ही संतुष्ट थे. उनका मुख्य काम शांति व व्यवस्था कायम रखना था. उन्होंने सामाजिक सुरक्षा के कार्य व्यक्तियों और व्यक्तियों के समूहों के जिम्मे छोड़ रखे थे. लेकिन धीरे-धीरे राज्य के स्वभाव में बुनियादी बदलाव आया और उसकी प्राथमिकता में सामाजिक सुरक्षा की औपचारिक व्यवस्था शीर्ष पर हो गयी.

सामाजिक सुरक्षा एक समग्र अधिगम है जिसका निर्माण व्यक्ति को आर्थिक अभाव से बचाने और व्यक्ति के खुद के लिए तथा उसके आश्रितों के लिए, उन्हें आर्थिक अनिश्चितता की स्थिति से बचाने हेतु एक न्यूनतम आय की सुनिश्चितता के लिए किया गया है. यह तथ्य भारत के नीति-नियंताओं द्वारा पहचाना गया और तद्नुसार सामाजिक सुरक्षा से संबंद्ध विषयों को राज्य के नीति-निर्देशक तत्व और समवर्ती सूची में संबंद्ध किया गया. राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के तहत अनुच्छेद 41 में कार्य के अधिकार शिक्षा और कुछ मामलों में सार्वजनिक सहायता की व्यवस्था की गयी है. अनुच्छेद 42 में कार्य की उचित और मानवीय परिस्थिति और मातृत्व राहत की व्यवस्था की गयी है. भारतीय संविधान की समवर्ती सूची में भी सामाजिक सुरक्षा और बीमा, रोजगार और बेरोजगार, कार्य परिस्थिति, भविष्यनिधियां, नियोक्ताओं का दायित्व, कर्मगारों की क्षतिपूर्ति अवैधता, श्रम कल्याण, वृद्धावस्था पेंशन और मातृत्व लाभ का उल्लेख है. भारत में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने एक सामाजिक सुरक्षा प्रभाग की स्थापना की है जो कर्मगार सामाजिक सुरक्षा से संबंधित सभी कानूनों के प्रशासन के लिए सामाजिक सुरक्षा नीति एवं योजनाएं बनाने और क्रियान्वित करने का कार्य करता है. भारत में ढेरों सामाजिक सुरक्षा कानून लागू हैं, मसलन कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (ईएसआई एक्ट), कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम 1923 (डब्लयूसी एक्ट), कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम 1952 (ईपीडीएंडएमपी एक्ट), प्रसूति प्रसुविधा अधिनियम 1961 (एमबी एक्ट), ग्रैच्युटी भुगतान अधिनियम 1972 (पीजी एक्ट), वैयक्ति क्षति (आपात उपलब्ध) अधिनियम 1962, वैयक्तिक क्षति (प्रतिकर बीमा) अधिनियम 1963 और नियोजक दायित्व अधिनियम 1938 इत्यादि.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

कृषि में सुधार की संभावना

• कृषि

डॉ. ज्ञान पाठक

आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 भारत की विकास कहानी की एक सुखद तस्वीर पेश करता है और अल्पकालिक संभावनाओं को अच्छा मानता है, लेकिन चिंता के कई क्षेत्रों को चिह्नित करने में विफल नहीं होता है. बेहतर दीर्घकालिक संभावनाओं के लिए यह स्पष्ट दूरदर्शी दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल देता है. इसने कृषि में व्यापक सुधार की तत्काल जरूरतों को रेखांकित किया-'भारत के विकास पथ में अपनी केंद्रीयता के बावजूद, कृषि क्षेत्र को संरचनात्मक मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है, जिसका भारत के आर्थिक विकास पर प्रभाव पड़ता है,' इसने क्षेत्र के सामने कई प्रमुख चुनौतियों की पहचान करते हुए कहा, जिसमें खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति का प्रबंधन करते हुए विकास को बनाये रखने की आवश्यकता, फसलों के मूल्य निर्धारण तंत्र में सुधार और भूमि विखंडन को संबोधित करना शामिल है. इसमें कहा गया है कि नीति निर्माताओं को किसानों को उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने और खाद्य कीमतों को स्वीकार्य सीमा के भीतर रखने के बीच एक नाजुक संतुलन बनाना चाहिए. इस दोहरे उद्देश्य के लिए सावधानीपूर्वक नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता है. हालांकि आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि भारत के श्रम बाजार संकेतकों में सुधार हुआ है, लेकिन यह चेतावनी देता है कि आर्थिक गतिविधि के कई क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की जड़ें जम रही हैं और इसलिए सामूहिक कल्याण की दिशा में तकनीकी विकल्पों को आगे बढ़ाना महत्वपूर्ण होगा. हालांकि, यह सरकार पर नहीं, बल्कि नियोक्ताओं पर जिम्मेदारी डालता है कि वे प्रौद्योगिकी और श्रम के बीच संतुलन बनाने के लिए जिम्मेदार हैं. इसमें कहा गया है कि कई विनियामक नियंत्रण, जैसे कि भूमि उपयोग, भवन संहिता, महिलाओं के रोजगार के लिए खुले क्षेत्रों और घंटों को प्रतिबंधित करना, रोजगार सृजन को रोकते हैं. सर्वेक्षण ने रुपये की अस्थिरता को नोट किया, लेकिन कहा कि यह सबसे कम अस्थिर मुद्राओं में से एक है, जो सांत्वना के अलावा और कुछ नहीं है. वित्त वर्ष 24 में, अमेरिकी डॉलर ने लगभग हर प्रमुख समकक्ष के मुकाबले बढ़त हासिल की. रुपया भी मूल्यह्रास के दबाव में आया. इसके अलावा, दस्तावेज़ में जोर दिया गया है कि वित्त वर्ष 24 में इसने पिछले वर्षों की तुलना में सबसे कम अस्थिरता प्रदर्शित की. यह विश्व अर्थव्यवस्था पर चीन के वैश्विक प्रभाव का भी उल्लेख करता है और कहता है कि दुनिया चीन को पूरी तरह से अनदेखा नहीं कर सकती, भले ही वह चीन के साथ-साथ एक और देश की ओर क्यों न बढ़ रही हो. अपने निष्कर्ष के समर्थन में सर्वेक्षण कहता है कि मेक्सिको, वियतनाम, ताइवान और कोरिया जैसे देश, जो चीन से अमेरिका के व्यापार मोड़ के प्रत्यक्ष लाभार्थी थे. जबकि इन देशों ने अमेरिका को निर्यात में अपना हिस्सा बढ़ाया, उन्होंने चीनी एफडीआई में भी वृद्धि दिखाई. दिए गए उदाहरण में भारत के 'विकसित भारत' की ओर बढ़ने के संबंध में कई छिपे हुए अर्थ हैं. सर्वेक्षण कहता है कि यह 1980 और 2015 के बीच चीन के आर्थिक उछाल से अलग होगा और यह एक आसान रास्ता नहीं होगा. यह कारण गिनाता है कि क्यों? यह कहता है कि शीत युद्ध के अंत में भू-राजनीति काफी हद तक शांत थी और पश्चिमी शक्तियों ने चीन का स्वागत किया और यहां तक कि इसके उदय और विश्व अर्थव्यवस्था में इसके एकीकरण को प्रोत्साहित किया. वैश्वीकरण अपने लंबे विस्तार के शिखर पर था और जलवायु परिवर्तन और वैश्विक चेतावनी पर चिंताएं तब इतनी व्यापक या गंभीर नहीं थीं, जितनी कि वे अब हैं. यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आगमन की ओर इशारा करता है, जो सभी कौशल स्तरों-निम्न, अर्ध और उच्च-के श्रमिकों पर इसके प्रभाव के बारे में अनिश्चितता की एक बड़ी परत डालता है. ये आने वाले वर्षों और दशकों में भारत के लिए निरंतर उच्च विकास दर के लिए अवरोध और बाधाएं पैदा करेंगे. इन पर काबू पाने के लिए संघ और राज्य सरकारों और निजी क्षेत्र के बीच एक शानदार गठबंधन की आवश्यकता है. देश के कल्याणकारी अर्थशास्त्र के लिए, यह कहता है कि हम कल्याण के लिए एक सुधारित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहे हैं, जो सशक्तीकरण, संतृप्ति दृष्टिकोण, आवश्यकताओं तक सार्वभौमिक पहुंच, दक्षता, लागत-प्रभावशीलता और निजीक्षेत्र और नागरिक समाज की भागीदारी बढ़ाने पर केंद्रित है.

> सर्वेक्षण कहता है कि यह 1980 और 2015 के बीच चीन के आर्थिक उछाल से अलग होगा और यह एक आसान रास्ता नहीं होगा. यह कारण गिनाता है कि क्यों? यह कहता है कि शीत युद्ध के अंत में भू-राजनीति काफी हद तक शांत थी और पश्चिमी शक्तियों ने चीन का स्वागत किया और यहां तक कि इसके उदय और विश्व अर्थव्यवस्था में इसके एकीकरण को प्रोत्साहित किया.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मीडिया में अन्यत्र

पूंजीगत लाभ ढांचे को सहज बनाने वाला बजट

केंद्रीय बजट में एक अच्छी बात रही पूंजीगत लाभ ढांचे को सहज बनाना. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि चुनिंदा वित्तीय परिसंपत्तियों पर अल्पावधि का पूंजीगत लाभ कर 20 फीसदी की दर से लगाया जाएगा जबकि पहले यह 15 फीसदी की दर से लगाया जाता था. अन्य सभी वित्तीय एवं गैर वित्तीय परिसंपत्तियों पर उसी दर से कर लगेगा. इसका अर्थ यह हुआ कि शेयर बाजार में अल्पावधि में होने वाले लाभ पर 20 फीसदी की दर से कर चुकता करना होगा. इसके अलावा सभी वित्तीय और गैर वित्तीय परिसंपत्तियों पर होने वाले दीर्घकालिक लाभ पर 12.5 फीसदी की दर से कर लगेगा. सूचीबद्ध शेयरों पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर की दर 10 फीसदी थी. लंबी अवधि के कर और अल्पावधि के कर के बीच के अंतर को बढ़ाने वाले कारणों में से एक पूंजी बाजार में दीर्घकालिक निवेश को बढ़ावा देना भी हो सकता है. खासतौर पर परिवारों द्वारा किए जाने वाले निवेश के मामले में.निवेशकों की कम आय वाली श्रेणी की बात करें तो वित्त मंत्री ने पूंजीगत लाभ के मामले में रियायत की सीमा को एक लाख से बढ़ाकर 1.25 लाख रुपये कर दिया है. सूचीबद्ध वित्तीय परिसंपत्तियों को अगर एक वर्ष से अधिक अवधि तक रखा गया तो उन्हें दीर्घकालिक माना जाएगा.गैर सूचीबद्ध वित्तीय और गैर वित्तीय परिसंपत्तियों के मामले में उन्हें दो वर्ष तक धारण करने पर ही उन्हें दीर्घकालिक माना जाएगा. गैर सूचीबद्ध बॉन्ड और डिबेंचर और डेट म्युचुअल फंड पर लागू दर से ही पूंजीगत लाभ कर लगेगा. बजट के दिन सूचीबद्ध शेयरों पर पूंजीगत लाभ कर बढ़ाने की घोषणा ने शेयर बाजारों को प्रभावित किया. इसके चलते कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला. हालांकि मानक सूचकांकों ने कारोबार समाप्त होते-होते काफी हद तक नुकसान की भरपाई कर ली. अचल संपत्ति के क्षेत्र में भी चिंता थी, क्योंकि पूंजीगत लाभ पर अब 12.5 फीसदी की दर से कर लगेगा और वह भी बिना इंडेक्सेशन लाभ के. पहले इंडेक्सेशन के साथ इस पर 20 फीसदी की दर से कर लगता था. बहरहाल, जैसा कि सरकार ने स्पष्ट किया है, इससे अचल संपत्ति के अधिकांश निवेशकों को लाभ होगा. अगर लाभ का इस्तेमाल 10 करोड़ रुपये तक की कीमत का घर खरीदने या बनाने में किया जाएगा तो कर छूट मिलेगी. अगर चुनिंदा बॉन्ड में 50 लाख रुपये तक का निवेश किया जाए तो भी छूट मिलेगी. प्रस्तावित बदलाव के दो परस्पर निर्भर लक्ष्य हैं. वित्त मंत्री ने कहा कि मूल विचार है कर ढांचे को सरल बनाना. यह भी उम्मीद है कि सरल कर ढांचा कर संग्रह में सुधार में मददगार साबित होगा. बाजार को बिना कठिनाई के उच्च कर दर से समायोजित हो जाना चाहिए.

(बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

ओर/ और

जरा उस मैदान की ओर देखिए, जहां गधे और घोड़े एक साथ घास चर रहे हैं. उस सरिता की ओर देखिए, जहां बाघ और बकरी एक साथ पानी पीते हैं. इन वाक्यों में कुछ अंतरों के बावजूद एक जैसे लगनेवाले दो शब्द सामने हैं- ओर तथा और. दोनों शब्दों की प्रकृति से पूरी तरह परिचित नहीं होने के कारण कुछ लोग और की जगह ओर शब्द का प्रयोग करते हैं, लेकिन यह जानना आवश्यक है कि दोनों शब्दों के बीच काफी अंतर है. ओर संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है, जिसका मतलब है किनारा, किसी नियत स्थान के अतिरिक्त विस्तार जिसे दाहिना बांयां, ऊपर, नीचे, पूर्व, पश्चिम आदि शब्दों से निचिश्चत करते हैं. तरफ, दिशा. पक्ष. जैसे यह उनकी ओर का आदमी है. हम आपकी ओर से बहुत कुछ कहेंगे. मजेदार बात यह है कि ओर संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है, लेकिन अगर ओर कपहले कोई संख्यावाचक शब्द आता है, तब इसका व्यवहार पुल्लिंग की तरह होता है. जैसे घर के चारों ओर, उसके दोनों ओर. वैसे ओर संज्ञा पुल्लिंग रूप में भी व्यवहार में आता है, जिसका मतलब है अंत, सिरा, छोर, किनारा, आदि, आरंभ. कहते हैं न कि उसकी बातों का न कोई ओर है न छोर. ओर आना एक मुहावरा है, जिसका अर्थ है नाश का समय आना. उदाहरण के लिए हंसता ठाकुर, खांसता चोर, इन दोनों का आया ओर. ओर निभाना यानी अंत तक अपना कर्तव्य पूरा करना. और शब्द हिंदी का अवयय शब्द है, जो मुख्यतः संयोजक है. यानी और शब्द दो शब्दों या वाक्यों को जोड़नेवाला शब्द है. जैसे घोड़े और गदहे चर रहे हैं. हमने उनको पुस्तक दे दी और घर का रास्ता दिखला दिया. विशेषण के रूप में और का मतलब है दूसरा, अन्य, भिन्न. यह पुस्तक किसी और को न देना. और से बने मुहावरों का प्रयोग बहुत ही रोचक होता है. जैसे और और यानी अन्यान्य, विभिन्न प्रकार के. और क्या? सवाल है तुम वहां जाओगे? जवाब है-और क्या?

आइए, करके देखते हैं सेल्फी सियासत

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

सेल्फी की सियासत हर जगह अपनी धाक जमाए है. मनुष्य एक आत्म केन्द्रित प्राणी है. उसके कान को सबसे ज्यादह प्यारा उसका अपना नाम है, उसके हाथ को सबसे ज्यादह प्यारा उसका काम है, इसी तरह उसकी आँख को सबसे ज्यादह प्यारा उसका अपना चित्र है. यह मैं नहीं बड़े-बड़े मनोवैज्ञानिक और दार्शनिक कहते हैं. भारतीय दर्शन तो आत्मानुभूति को ही सर्वाधिक मूल्यवान उपलब्धि मानता है. मनोवैज्ञानिकों का भी स्पष्ट मत है कि मनुष्य अपने में ही रमा रहता है. 'मैं' और 'मेरा' उसे सर्वाधिक आकर्षित करते हैं. 'सेल्फी', भले ही एक नया शब्द हो लेकिन इसका व्यापार सनातन है. युगों-युगों से फैला हुआ है. इतिहास में कोई ऐसा काल नहीं है जब सेल्फी ने अपना जलवा न दिखाया हो. वस्तुतः सेल्फी आपका अपना एक चित्र मात्र है जिसे आप अपने मोबाइल में लगे उन्नत कमरे की तकनीक से खुद ही खींच सकते हैं. जिस तरह प्रजातंत्र लोगों का, लोगों के लिए, लोगों द्वारा स्थापित तंत्र है. ठीक इसी प्रकार 'सेल्फी' की परिभाषा भी हो सकती है. सेल्फी के सम्बन्ध में भी कहा जा सकता है कि यह 'मेरा, मेरे द्वारा, मेरे लिए खींचा गया चित्र है'। पहले शायद यह संभव नहीं था. धूम मचा दी है सेल्फी ने इन दिनों. जिसे देखो सेल्फी के लिए उतावला है. हाथ में मोबाइल लिए घूम रहा है. जगह की तलाश है. कहाँ से सेल्फी लेना ठीक रहेगा ? कोई बिलकुल अलग सी जगह होना चाहिए. पेड़ की ऊंची से ऊंची शाख पर से, नदी की तेज़ धार में खड़े होकर, रेल के पहियों के साथ दौड़ते हुए... ऐसी ही कोई खतरनाक जगह हो जहां हिम्मत की दाद मिल सके. लोग हश-हश कर सकें कि वाह ! देखो तो कहाँ से सेल्फी खींच ली है ! अपनी इस कारगुजारी में जान भी चली जाए तो क्या फर्क पड़ता है. सेल्फी को देखकर लोग याद तो करेंगे. लोगों को अपना मित्र या मित्र-वत बताने के लिए राजनीति भला क्या-क्या हथकंडे नहीं अपनाती ! अभी ईद-मिलन और होली-मिलन जैसे 'मिलन' होते हैं तो कभी भोज (राजाभोज नहीं) की राजनीति अपनाई जाती है. कभी कैदियों का आदान-प्रदान होता है, तो कभी 'गोल-मेज़' पर वार्ता का चक्राकार दौर चलता है. बहरहाल, अब राजनीतिज्ञों को राजनीति करने का एक औ साधन मिल गया है – सेल्फी. सेल्फी का राजनीति में उपयोग सबसे पहले हमारे मोबाइल-सेवी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया जो सारे भारत समेत सारे विश्व को डिजिटल बनाने का सपना अपने दिल में संजोए हैं. उन्होंने राजनीति की खातिर सेल्फी का प्रयोग, वे जिन जिन देशों में गए, वहां किया. अबू धाबी में मोदी ने मस्जिद दौरे के दौरान अरब के मंत्री के साथ सेल्फी ली. चीन यात्रा के दौरान हमारे प्रधान-मंत्री ने चीन के प्रधान-मंत्री, ली के कियांग, के साथ सेल्फी ली; आस्ट्रेलिया यात्रा के दौरान पीएम टोनी एबट के साथ भी उन्होंने सेल्फी पोस्ट की थी. आजकल प्रधान मंत्री जी ईरान में हैं. वहां के प्रेसिडेंट आस लगाए बैदे हैं की कब मोदी जी उनके साथ सेल्फी लें और उन्हें धन्य कर दें. सेल्फी सियासत को सलाम!

रमता जोगी : इंग्लैंड

ये महल सुनाते दास्तां क्वीन विक्टोरिया की

इंग्लैंड दुनिया के उन कुछ देशों में से है जहां आज भी राजा-रानी का राज है. उनके कई राजमहल पर्यटकों के लिए पूरे या आंशिक रूप से उपलब्ध हैं. इन सब के लिए प्रवेश शुल्क है जिसे पहले से ही लेना होता है. बकिंघम पैलेस इनमें से सबसे प्रसिद्ध है. इसमें रहने वाली प्रथम राजसी व्यक्ति क्वीन विक्टोरिया थीं जो 1837 में अपने राज्याभिषेक के उपरांत यहां रहने लगीं. 1861 में अपने वैधव्य के बाद वे इसे छोड़ कर विंडसर पैलेस में चली गईं जो लंदन के मुख्य शहर से थोड़ी दूरी पर है. 1901 में नए राजा एडवर्ड सप्तम ने फिर इसे अपना निवास बनाया. आज भी राजपरिवार यहां रहता है.

नूपुर अशोक

▪ प्रिंसेस डायना का यह निवास स्थल

इसके सामने होने वाले चेंज़ ऑफ गार्ड्स को देखने हर दिन भारी भीड़ जमा होती है. केंसिंग्टन पैलेस शहर के बीचोबीच है. अब यहां कोई नहीं रहता लेकिन कुछ समय पहले तक यह प्रिंसेस डायना का निवास स्थल था. क्वीन विक्टोरिया का जन्म भी इसी महल में हुआ था. उनके बचपन के खिलौने, उनकी गुड़ियों का कमरा, पढ़ाई-लिखाई का कमरा यहां देखे जा सकते हैं. इसके अलावा उनके पहले और बाद के राज परिवार के कपड़े, उनके चित्र इत्यादि भी यहां प्रदर्शित हैं. महल के प्रवेश द्वार पर उपलब्ध ऑडियो गाइड हर कमरे की कहानी और उससे संबन्धित बातें बताता चलता है.

▪ स्मृति को समर्पित

महल के बाहर के उद्यान भी देखने योग्य हैं. इनमें से एक डायना की स्मृति को समर्पित है. विंडसर कासल आज के राजा चार्ल्स तृतीय का निवास स्थान है. उनका राज्याभिषेक इसी महल के प्रांगण में हुआ था. इस महल का एक हिस्सा पर्यटकों के लिए खुला हुआ है जहां राजपरिवार द्वारा एकत्रित कलाकृतियां और अस्त्र-शस्त्र प्रदर्शित हैं.

यहां हमारा कोहिनूर

टावर ऑफ लंदन टेम्स नदी के उत्तरी किनारे पर स्थित एक बहुत पुराना किला है. इसकी नींव 1066 में रखी गई थी. प्रारम्भ में यह एक राजमहल था लेकिन सन 1100 से 1952 तक इसे कारागार के रूप में व्यवहार किया गया. यहां का मुख्य आकर्षण राजसी जवाहरात हैं जिन्हें देखने पर्यटकों की लंबी कतार लगी रहती है. अंदर फोटो लेना मना है. हमारी उत्सुकता अन्य जवाहरातों से अधिक कोहिनूर को देखने की थी. जिस कक्ष में इसे रखा गया है उसकी दीवारों पर इससे संबन्धित जानकारी भी प्रदर्शित थी. उस जानकारी के अनुसार यह एक ऐसा नगीना है जो हमेशा हस्तांतरित होता रहा. कभी यह मुगलों के पास था, कभी नादिर शाह के पास, कभी पंजाब के महाराजा के पास. ग्यारह वर्षीय महाराजा दलीप सिंह ने इसे महारानी विक्टोरिया को भेंट कर दिया था. अब यह वर्तमान राजा चार्ल्स की संपत्ति है. इस पर भारत अपना दावा तो करता ही रहा है, समय-समय पर पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान भी अपना दावा करते रहे हैं. लेकिन ब्रिटेन का कहना है कि यह स्वेच्छा से दी गई भेंट है इस कारण इसे लौटाने का कोई प्रश्न नहीं उठता.

▪ ब्लेंहैम पैलेस और हैंपटन कोर्ट

इन सबके अलावा ब्लेंहैम पैलेस और हैंपटन कोर्ट भी दो दर्शनीय महल हैं. ब्लेंहैम पैलेस विंस्टन चर्चिल के परिवार को 18वीं सदी के प्रारम्भ में भेंटस्वरूप दिया गया था. सैकड़ों एकड़ की जागीर के बीच स्थित इस शानदार महल में उस पूरे खानदान के चित्र और उनसे संबन्धित वस्तुएं प्रदर्शित हैं. सोलहवीं सदी में बने हैंपटन कोर्ट में रहने वाले अंतिम राजा जॉर्ज द्वितीय थे. उनके बाद कोई राजा यहां नहीं रहा लेकिन कई फिल्मों की शूटिंग यहां हो चुकी है. आज भी हर दिन सैकड़ों लोग इसे देखने आते हैं और यहां उपलब्ध ऑडियो गाइड पर इसकी कहानी सुनते हुए पूरे किले और इसके उद्यानों का भ्रमण करते हैं. इतिहास की ये कहानियां हमें बताती हैं कि हमारे वर्तमान की जड़ें कहां से कहां तक पसरी हुई हैं.

मोटिवेशन

संबंधों का यह जोड़-घटाव

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

कभी-कभी अपनों से हमारी दूरी बढ़ जाती है. हम मन ही मन उस व्यक्ति को कोसते हैं, अंदर की भड़ास निकालने के लिए फेसबुक-व्हाट्सएप का सहारा लेते हैं, दो-चार लोगों से अपना दर्द शेयर भी करते हैं. लेकिन इससे दूरियां कम नहीं होतीं. क्या हर बार सामने वाले की गलती होती है? इस बारे में सोचने की जरूरत है, आत्म विश्लेषण करने की जरूरत है. दूरी बढ़ने के पीछे किसी ने किसी पक्ष की गलती तो होती है. कहीं ये गलतियां हम तो नहीं कर रहे, आइए इस पर गौर करें -

1. नेटवर्क मार्केटिंग : कुछ लोग नेटवर्क बिजनेस ज्वाइन करते हैं. फिर वे सभी जान-पहचान वालों के पीछे पड़ जाते हैं. वे अपने करीबी लोगों को अपने नेटवर्किंग बिजनेस का हिस्सा बनाने के लिए दिन-रात फोन घुमाते हैं और अनावश्यक दवाब डालते हैं. स्वाभाविक है, लोग उनको अवॉइड करने लगते हैं. कहीं हम तो ऐसा नहीं कर रहे?

2. इंश्योरेंस तथा फिनांशियल इन्वेस्टमेंट : जो लोग इंश्योरेंस सेक्टर में होते हैं, वे भी अपनी सीमा क्रॉस करने लगते हैं, खासकर जब उन्हें टारगेट पूरा करना रहता है. हर किसी को पॉलिसी समझाने लगते हैं, और उन्हें पॉलिसी पकड़ाने पर तुल जाते हैं. कुछ ऐसा ही फिनांशियल इन्वेस्टर करते हैं. वे जबरदस्ती सलाह देने पर उतर आते हैं कि सामने वाले को पैसा कहां-कैसे इन्वेस्ट करना चाहिए, जबकि सामने वाला उसमें बिल्कुल इंटरेस्टेड नहीं होता. उनका यह अप्रोच संबंधों में खटास ले आता है.

3. प्रोडक्ट बेचना : कई लोग डायरेक्ट मार्केटिंग को ज्वाइन करते हैं जहां प्रोडक्ट बेचने पर कमीशन मिलता है. ये हर जगह कंपनी का विज्ञापन करते नजर आते हैं. दोस्त, यार, रिश्तेदार को कंपनी का प्रोडक्ट्स खरीदने के लिए फोर्स करते हैं. जब मार्केट में इतने ऑप्शन हैं, तो लोग इनसे प्रोडक्ट क्यों लें ? एक बार आप अपने प्रोडक्ट की जानकारी दे दीजिए और फिर भूल जाइए. जिसको लेना होगा, वह लेगा. अनावश्यक दबाव मत डालिए.

4. प्रोफेशनल सलाह : मान लीजिए हमारा कोई करीबी डॉक्टर है. पार्टी, प्रोग्राम, गेट टूगेदर में उससे मिलने पर हम उसे अपनी समस्या बताने लगते हैं और उम्मीद करते हैं कि वह हमें सलाह दे, दवाइयां बताए. हम यह भूल जाते हैं कि वह भी पार्टी में गेस्ट बन कर आया है, इंजॉय करने आया है. पार्टी, पिकनिक सोशल गैदरिंग में प्रोफेशनल हेल्प न लें. यह शिष्टाचार के खिलाफ है और यह दूरी बढ़ाता है.

5. कड़वी जुबान : कुछ लोग दिल के बुरे नहीं होते लेकिन जुबान कड़वी रखते हैं. बहुत बार दिल को चुभने वाली बात कह डालते हैं. ऐसे लोगों से हर कोई एक दूरी बनाकर रखता है. फैमिली या ऑफिस गेट टूगेदर में एक दो नमूने ऐसे होते हैं जो जुबान से मीठे लेकिन अंदर से जहरीले होते हैं. वे वातावरण में जहर घोलने का काम करते हैं. जब इनकी पोल खुलती हैं तो कोई इन्हें अपने से सटने नहीं देता.

6. कुछ तुम कहो, कुछ हम कहें : कोई भी संबंध 'गिव एंड टेक' पर टिका होता है. कुछ लोग एक्सेस बोलते हैं, बोलते ही जाते हैं, किसी की कुछ सुनते ही नहीं. ऐसे लोग 'चाट' या 'पकाउ' की श्रेणी में आते हैं. लोग उन्हें देखकर छुपने लगते हैं. प्लीज, दूसरों को भी बोलने का मौका दें, उन्हें सुनें.

7. उधार : अगर संबंध बनाए रखना है तो न किसी को उधार दें, न किसी से उधार लें. उधार अच्छे से अच्छे संबंध में दरार ले आता है. भले बुरा लगे लेकिन विनम्रता से उधार मांगने वाले को मना कर दें. और खुद गांठ बांध लें कि आप किसी से किसी हाल में उधार नहीं मांगेंगे.

8. अनावश्यक सलाह : खुद हर्बल टी पीते हैं, तो पूरी दुनिया को हर्बल टी पिलाने पर उतारू हो जाते हैं. खुद कुछ टॉनिक लेते हैं, तो हर शख्स को टॉनिक खिलाने लगते हैं. कुछ बड़े हर बच्चे को पढ़ाई, करियर की अनावश्यक खुराक पिलाने पर आमादा हो जाते हैं. अब ऐसे लोगों से कौन सटना चाहेगा भला !

9. शो ऑफ : शो ऑफ की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है खासकर मिडिल क्लास में. मिडिल क्लास के लिए आईफोन, लग्जरी गाड़ी, स्पोर्ट्स बाइक, फ्लैट बड़ी उपलब्धियां हैं. वे हर किसी को पकड़ कर अपनी 'लेटेस्ट बाई' दिखाने लगते हैं, उसका मूल्य बताते हैं, और अपनी सक्सेस स्टोरी सुनाने लगते हैं तो लोग भागने का रास्ता ढूढ़ने लगते हैं. भाई मेरे, आप प्रोडक्ट खरीदें, शानदार जिंदगी जिएं लेकिन दिखावे से बचें.

10. बेचारगी : कुछ लोग हर किसी को पकड़ कर अपनी समस्या बताने लगते हैं, अपनी बेचारी प्रदर्शित करते हैं. हर व्यक्ति अपनी समस्या से जूझ रहा है. उसपर अपनी समस्या का बोझ क्यों थोपना. बेहतर होगा, हम अपनी समस्या अपने तक रखें.

मूल मंत्र

फ्रेड एलेन ने एक मजेदार बात कही है - मुझे लांग वाक पसंद है, खासकर जब उबाऊ लोग लंबे वाक पर जाते हैं. हमें किसी हाल में उबाऊ लोगों की श्रेणी में नहीं आना चाहिए, वरना लोगों से हमारी दूरी बढ़ती जाएगी और जिंदगी के वाक में हम अकेले पड़ जाएंगे.

उफ! कपड़ों की ये स्मेल

बारिश के मौसम में कपड़ों से आने वाली गुमसाइन सी गंध कई बार परेशान कर देती है. ऐसा धूप की किल्लत और हवा में नमी के कारण होता है. इससे बचने के लिए कुछ टिप्स...

- कपड़े धोने की टोकरी या वॉशिंग मशीन में ढेर लगाकर नहीं रखें. तभी वाशिंग मशीन में रखें जब धोना हो.
- कपड़े धोने के बाद नींबू का रस मिले पानी में कपड़े डालें और फिर सादे पानी से धो लें. इसके लिए नींबू की जगह सिरका का उपयोग भी कर सकते हैं.
- एक बाल्टी पानी में 1 चम्मच मीठा सोडा डालें और कपड़ों को थोड़ी देर के लिए उसमें भिगो दें. इसके बाद उन्हें सादा पानी से धो लें.
- अपने वार्डरोब में चॉक या सिलिकॉन पाउच रखें. तेजपत्ता, दालचीनी, लौंग आदि को सूती कपड़े की पोटली बना कर रखना भी लाभप्रद होगा.
- बाहर धूप न हो तो कपड़े मशीन में सुखाने की अपेक्षा अच्छी वेंटिलेशन वाली जगह पर सुखाएं. कमरे में पंखा चला कर सूखाना भी बेहतर विकल्प है.
- कपड़ों को सूखी जगह पर रखें.

पुरुषों के ग्रूमिंग टिप्स

हैंडसम, प्रजेंटेबल लुक

आज प्रजेंटेबल रहना प्रोफेशनल, सोशल और पर्सनलहर जगह की जरुरत है. खास बात यह कि प्रजेंटेबल या ग्रूमिंग टिप्स अब केवल महिलाओं की बात नहीं, बल्कि पुरुषों के लिए भी उतनी ही अहमियत रखती है. आइए, आज जानें पुरुषों के कुछ ग्रूमिंग और स्किन केयर टिप्स के बारे में.

▪ पहले शेविंग करें फिर नहाएं

ज्यादातर पुरुष प्रतिदिन शेविंग करते हैं. लेकिन इनमें प्रायः सभी पहले शेविंग करते हैं और फिर नहाते हैं. यह सही नहीं है. इससे स्किन कटने, रैशेस होने और एक्ने होने के चांसेस होते हैं. शेविंग नहाने के बाद करें. इससे बाल सॉफ्ट हो जाते हैं और गीली त्वचा पर शेविंग अच्छे से होती है क्योंकि हेयर फॉलिकल्स सॉफ्ट हो जाते हैं.

▪ कंडीशनर का इस्तेमाल यहां

अंडर आर्म्स और प्राइवेट पार्ट की शेविंग के लिए अच्छे कंडीशनर का इस्तेमाल शेविंग क्रीम की तरह किया जा सकते है. ये बेहतर परिणाम देते हैं.

▪ स्क्रब है जरूरी

पुरुषों को भी अपने किट में एक अच्छा स्क्रबर जरूर रखना चाहिए. उनकी रफ टफ स्कीन के लिए स्पेशल स्क्रबर मार्केट में उपलब्ध हैं. इनका हफ्ते में एक या दो बार इस्तेमाल जरूर करें. इससे न केवल एक्सफोलिएशन होगा, बल्कि ब्लैकहेड्स रिमूव होंगे, मृत त्वचा हटेगी. स्क्रबिंग के लिए रात का समय ठीक रहेगा.

▪ पफी फेस करें नॉर्मल

मेकअप से पहले स्किन पर आइस लगाना या फिर आइस वॉटर में मुंह डाल कर थोड़ी देर रखना...ये टिप्स आपने भी महिलाओं को आजमाते देखा होगा. हैंगओवर, पफी फेस के लिए यह टिप्स आप भी आजमाएं. इसके लिए एक बाउल में आइस और उसमें थोड़ा पानी डालकर फेस डिप करें. लुक का फ्रेसनेश साफ नजर आएगा.

▪ कॉफी फिल्टर्स काम के

स्किन ऑयली वालों के लिए यह टिप्स बेहद कारगर है. इसके लिए कॉफी फिल्टर शीट्स को कॉफी में डिप करें ऑयली स्किन एरिया पर अप्लाई करें. इससे आपकी स्किन का एक्स्ट्रा ऑयल एब्जॉर्ब हो जाएगा और आपकी त्वचा साफ और मैट दिखने लगेगी.

होम डेकोर

बोनचाइना प्लेट या वाल आर्ट

पुरानी क्रॉकरी जैसे बोन चाइना प्लेट्स उपयोग के बाद गर ऊब पैदा कर रही हो या फिर टूटन-फूटने के बाद अब बची कुछ प्लेट्स मिस मैच हो रही हों तो उस पर अपनी रचनात्मकता का रंग चढ़ाएं. अपनी पुरानी प्लेटों को अलग-अलग कैंडी रंगों में पेंट करें और अपनी दीवारों का साज सज्जा का एक ऐसा अंदाज दें जिसे कोई किसी दुकान से ला कर नहीं मुकाबला कर सके.

पैचवर्क ब्लैंकेट

दादी-नानी के जमाने की सुजनी-लेदरा कला एक बार फिर पैचवर्क के नाम से चलन में है और इस बार पर्यावरण हित का झंडा उठाए है. पुराने कपड़ों जैसे बच्चों की स्कूल यूनिफॉर्म, फ्रॉक, आपके खुद के कपड़े आदि के छोटे-छोटे टुकड़ों को इच्छानुसार आकार में काट कर कियी पुरानी बेडशीट पर पैच करके पैचवर्क ब्लैंककेट तैयार किया जा सकता है जो रंग-बिरंगा तो होगा ही, कई स्मृतियों को सजोने वाला भी.

मानसून पेट केअर गाइड

बारिश में हो सकता है शेरू को फंगल इंफेक्शन

बरसात का मौसम आपके दुलारे डॉगी के लिए थोड़ा संवेदनशील है. इस मौसम में उनके शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र की किसी एलर्जन के प्रति हाइपरसेंसिटीविटी या ओवर रिएक्टिविटी की स्थिति रहती है. खासकर डॉग्स की कुछ नस्लों में एलर्जी की आशंका अधिक होती है. आइए जाने कि बरसात के मौसम में अपने पालतू डॉग्स की कैसे करें देखभाल-

▪ एलर्जी से बचाएं

इस मौसम में डॉग्स के कुछ नस्ल में एलर्जी की आशंका होती है. डॉग्स में एलर्जी के मुय लक्षण नाक बहना, सांस फूलना, गले में घरघराहट, आंखें लाल होना, खुजली होना और बाल झड़ना इत्यादि हो सकते हैं. एलर्जी के लक्षण दिखाई देते ही सबसे पहले वेटरनरी डॉक्टर से मिलें. डॉग के लक्षण और जांच के आधार पर यह पता चलता है कि किस प्रकार की एलर्जी है और क्यों हुई है. उपचार के लिए डॉग को जरूरत के अनुसार एंटी एलर्जी दवाइयां और स्टेरॉइड्स दी जाती हैं.

▪ प्रतिदिन नहलाएं

इस मौसम में अपने डॉगी को नियम से नहलाएं ताकि उनके शरीर की गंदगी साफ हो जाए. नियमित रूप से उनके पंजों की साफ करें. फंगल इन्फेक्शन को रोकने और ठंड से बचाने के लिए नहाने के बाद उन्हें शरीर के हर एक हिस्से को अच्छी तरह सुखाएं. फर पर नियमित रूप से ब्रश करें.

▪ भींगने से बचाएं

बरसात में अव्वल तो अपने डॉगी को भीगने से बचाएं, गर भीग गया है तो उसे तुरंत सुखाएं. आप उसे तौलिए से अच्छे से पोछकर सुखा सखते हैं.

▪ घर में ही रखें

बरसात के मौसम में अपने जानवरों को अपने घर में ही साफ-सूखी जगह पर रखें. घर के अंदर गर्माहट बनी रहती है. बाहर ठंड से बीमार पड़ सकता है. कीड़े-कीट काटने की आशंका भी रहती है.

▪ पैरासाइट प्रोटेक्शन

मानसून का सीजन पिस्सू, कीटों और मच्छरों के लिए प्रजनन का मौसम भी है, जो आपके डॉग के लिए परेशानी भरा हो सकता है. इन परजीवियों से बचाव के लिए अपने पशु चिकित्सक से परामर्श लें. संक्रमण को कम करने के लिए नियमित रूप से बिस्तर, इनडोर जगहों की साफ-सफाई करें.

▪ डाइट और लिक्विड्स

मानसून के दौरान, पालतू जानवर ज्यादा एक्टिव नहीं रहते, जिससे उनका वजन बढ़ सकता है, तो मोटापे से बचाने के लिए उनकी डाइट में भी मौसम के अनुसार बदलाव करें. साथ ही वो कितना पानी पी रहे हैं, इस पर भी नजर रखें. क्योंकि कई बार प्यास लगने पर वो जगह-जगह भरा हुआ पानी पी लेते हैं, जिससे बैक्टीरिया के शरीर में प्रवेश करने की बहुत ज्यादा आशंका रहती है. इससे बचाव के लिए उन्हें हमेशा ताज़ा, फिल्टर किया हुआ पानी पीने के लिए दें.

▪ फिजिकल एक्सरसाइज

चूंकि इस मौसम में डॉग की आउटडोर एक्टिविटीज कम हो जाती हैं, इसलिए अपने पालतू को फिट रखने के लिए घर में ही उन्हें खेलने का मौका दे. इंटरेक्टिव टॉयज और पजल गेम से वो एक्टिव और हेल्दी रहते हैं.

▪ नमी से दूर रखें

डॉगी में इंफेक्शन होने का खतरा भी रहता है. इसीलिए उन्हें नमी वाली जगहों से दूर रखें.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

पेरिस ओलंपिक : फुटबॉल के ग्रुप मैच के साथ 2024 के 'खेलों का महाकुंभ' शुरू, स्पेन ने उज्बेकिस्तान को 2-1 से हराया, इजराइल व माली का मैच ड्रॉ रहा

स्पेन की जीत से शुरुआत, अर्जेंटीना पहला मैच हारा, फ्रांस ने अमेरिका को हराया

- मोरक्को से 2-1 से हार गयी अर्जेंटीना की टीम
- फ्रांस ने अमेरिका को 3-1 के अंतर से पराजित किया

एजेंसी। पेरिस

यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने उज्बेकिस्तान को 2-1 से हराकर ओलंपिक खेलों की फुटबॉल प्रतियोगिता में अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत की, लेकिन लियोनेल मेस्सी के बिना खेल रहे विश्व चैंपियन अर्जेंटीना को पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा. उज्बेकिस्तान ने स्पेन को कड़ी चुनौती दी और इसलिए दर्शकों का उन्हें भरपूर समर्थन भी मिला. पेरिस ओलंपिक खेलों का पहला गोल स्पेन के राइट बैक मार्क पबिल ने 29वें मिनट में किया. एल्डोर शोमुरोदोव ने पहले हाफ के आखिर में पेनल्टी के जरिये अपना 41वां अंतरराष्ट्रीय गोल करके बराबरी की, जिसका उज्बेकिस्तान के प्रशंसकों ने जमकर जश्न मनाया. स्पेन की तरफ से सर्जियो गोमेज ने 62वें मिनट में निर्णायक गोल किया. इन खेलों में मेस्सी के बिना खेल रहे कोपा अमेरिका चैंपियन अर्जेंटीना को अपने पहले मैच में मोरक्को से 2-1 से हार झेलनी पड़ी. मोरक्को की तरफ से दोनों गोल स्ट्राइकर सौफियाने रहीमी ने किए.

स्पेन और उज्बेकिस्तान के मैच के दौरान खिलाड़ी.

अर्जेंटीना-मोरक्को के मैच में दर्शकों ने डाली खलल.

मोरक्को के प्रशंसक मैदान पर उतर आए खेल दो घंटे रुका रहा

मोरक्को की जीत जब सुनिश्चित लग रही थी, तब अर्जेंटीना की तरफ से दूसरे हाथ के इंजरी टाइम मे क्रिस्टियन मदीना ने बराबरी का गोल कर दिया. मोरक्को के प्रशंसक मैदान पर उतर आए, जिससे खेल खत्म होने से कुछ समय पहले मैच स्थगित कर दिया गया. इसके बाद 2 घंटे तक खेल रुका रहा और जब खेल शुरू हुआ तो उससे कुछ देर पहले वीडियो प्रणाली से अर्जेंटीना का गोल ऑफ साइड होने के कारण अमान्य करार दे दिया गया. अन्य मैचों में इजरायल ने कड़ी सुरक्षा के बीच खेले गए मैच में माली को 1-1 से बराबरी पर रोका जबकि मेजबान फ्रांस ने अमेरिका को 3-1 से हराया.

ब्रीफ खबरें

एंडी मरे ओलंपिक टेनिस एकल से हटे

पेरिस। दो बार के ओलंपिक टेनिस स्वर्ण पदक विजेता एंडी मरे ने गुरुवार को पेरिस खेलों की एकल स्पर्धा से हटने का फैसला किया और वह डैन इवांस के साथ केवल युगल स्पर्धा में हिस्सा लेंगे. ब्रिटेन के 37 साल के मरे ने कहा कि ये ओलंपिक उनके करियर का अंतिम टूर्नामेंट होंगे. उन्होंने इस महीने विंबलडन की एकल स्पर्धा से भी हटने का फैसला किया था.

तुषारा चोट के कारण टी20 शृंखला से बाहर

पालेकल। श्रीलंका के तेज गेंदबाज नुवान तुषारा अभ्यास के दौरान हाथ में चोट लगने के कारण भारत के खिलाफ तीन मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय शृंखला से बाहर हो गए हैं. इस 29 वर्षीय खिलाड़ी के बुधवार को अभ्यास सत्र के दौरान बाएं हाथ के अंगूठे में चोट लग गई थी. श्रीलंका ने तुषारा की जगह एक अन्य तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका को टीम में शामिल किया है. तुषारा की चोट श्रीलंका के लिए बड़ा झटका है.

पंत और सैमसन में से एक का चयन है चुनौती

कोलंबो। भारतीय क्रिकेट टीम के नवनियुक्त मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए श्रीलंका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू होने वाले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए ऋषभ पंत और संजू सैमसन में से किसी एक का चयन करना चुनौतीपूर्ण होगा. छोटे प्रारूप से संन्यास लेने वाले रोहित शर्मा और विराट कोहली को छोड़कर टी20 विश्व कप विजेता टीम के अधिकतर खिलाड़ी श्रीलंका दौरे पर आए हैं और ऐसे में पंत व सैमसन में से एक का चयन करना आसान नहीं होगा.

अपने गोलों की क्लिप देखता हूं : सुखजीत

नयी दिल्ली। दो साल पहले भारतीय हॉकी टीम में पदार्पण करने वाले फॉरवर्ड सुखजीत सिंह पेरिस में ओलंपिक में पदार्पण को लेकर कतई नर्वस नहीं हैं और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय गोलों की क्लिप देखते रहते हैं. सुखजीत भारतीय टीम में शामिल उन पांच खिलाड़ियों (अभिषेक, राजकुमार पाल, जरमनप्रीत सिंह, संजय) में से हैं, जिनके लिये पेरिस उनका पहला ओलंपिक होगा.

पेरिस ओलंपिक में भारत का लक्ष्य : टोक्यो ओलंपिक में इंडिया ने सात पदक जीते थे

पदकों की संख्या दो अंकों में करनी है

भाषा। पेरिस

मंच सज चुका है और दुनिया भर के खिलाड़ियों की तरह भारत के 117 खिलाड़ी भी शुक्रवार से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं, जहां उनका लक्ष्य पदकों की संख्या को दोहरे अंक में पहुंचाना होगा. भारत ने टोक्यो ओलंपिक में सात पदक जीते थे, जो उसका ओलंपिक खेलों में अभी तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है और भारतीय खिलाड़ी इसमें सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. भले ही उन पर इसके लिए अपेक्षाओं का बोझ भी है लेकिन कुश्ती को छोड़कर किसी भी अन्य खेल के खिलाड़ी अपनी तैयारी को लेकर किसी तरह की शिकायत नहीं कर सकते हैं. खिलाड़ियों को चाहे विदेश में अभ्यास करवाना हो या उन्हें सर्वश्रेष्ठ सुविधा उपलब्ध करानी हो, किसी भी तरह से कोई कसर नहीं छोड़ी गई है और अब परिणाम देना खिलाड़ियों का काम है. लेकिन इस हकीकत से भी मुंह नहीं मोड़ा जा सकता है कि टोक्यो ओलंपिक के सात पदकों की संख्या की बराबरी करना भी आसान नहीं होगा, क्योंकि भाला फेंक में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा को छोड़कर कोई भी अन्य खिलाड़ी पदक का प्रबल दावेदार नहीं है. भारत के 117 सदस्यों के दल में तीन खेलों एथलेटिक्स (29), निशानेबाजी (21) और हॉकी (19) के आधे खिलाड़ी शामिल हैं. इन 69 खिलाड़ियों में से 40 खिलाड़ी पहली बार ओलंपिक में भाग ले रहे हैं. अन्य खेलों में भी कमोबेश यही स्थिति है और इस तरह से देखा जाए तो भारत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी पदार्पण करने वाले खिलाड़ियों पर होगी. भारतीय दल में हालांकि कुछ अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं जिन्हें अपना खेल का स्तर बढ़ाना होगा. इन खिलाड़ियों में बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु, टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना, टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल और हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश भी शामिल हैं जो निश्चित तौर पर अपना अंतिम ओलंपिक खेल रहे हैं. हॉकी टीम की ओलंपिक खेलों से पहले फॉर्म बहुत अच्छी नहीं रही जबकि मुक्केबाजों और पहलवानों को प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धा करने का कम मौका मिला. निशानेबाजों ने भी ओलंपिक से पहले मिश्रित परिणाम हासिल किये.

इससे पहले पहलवान सुशील कुमार (2008 और 2012) और सिंधु (2016 और 2021) ही यह उपलब्धि हासिल कर पाए हैं.

सात्विक और चिराग की जोड़ी जिस तरह से अच्छा प्रदर्शन कर रही है उसे देखते हुए वह निश्चित तौर पर पदक की प्रबल दावेदार है. सिंधु भी लगातार तीसरा पदक जीतने के लिए प्रतिबद्ध है. उनकी हाल की फॉर्म अच्छी नहीं रही और उन्हें मुश्किल ड्रॉ भी मिला है.

हॉकी में भारत में पिछले ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीत कर 41 वर्ष के लंबे इंतजार को खत्म किया था लेकिन हाल में टीम के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा है. पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलना और लय बनाए रखना टीम की सबसे बड़ी चिंता है. यही नहीं भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड के साथ मुश्किल ग्रुप में रखा गया है. ऐसे में टीम को छोटी गलती भी भारी पड़ सकती है.

117 सदस्यीय भारतीय दल में 40 खिलाड़ी पहली बार ओलंपिक में भाग ले रहे हैं

टोक्यो ओलंपिक 2020 में पदक जीतने वाले भारतीय सितारे

निशानेबाजी में 21 खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे

निशानेबाजी में भारत के 21 खिलाड़ी अपनी चुनौती पेश करेंगे जिनमें मनु भाकर और सौरभ चौधरी भी शामिल हैं, जिन्हें पदक का दावेदार माना जा रहा है. इनके अलावा सिफत कौर समारा (50 मीटर थ्री पोजिशन), संदीप सिंह (10 मीटर एयर राइफल) और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर (पुरुषों की 50 मीटर राइफल) ने भी निशानेबाजी में पदक का 12 साल का इंतजार खत्म करने का माद्दा दिखाया है. वर्तमान में भारतीय दल के प्रमुख गगन नारंग 2012 लंदन खेलों में 10 मीटर एयर राइफल कांस्य पदक जीतकर पोडियम पर पहुंचने वाले आखिरी भारतीय निशानेबाज थे.

अविनाश साबले से भी है पदक की आस

ट्रैक और फील्ड एथलीटों, विशेषकर अविनाश साबले ने हाल में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन अपने वैश्विक प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में उनका प्रदर्शन उन्हें पदक के दावेदारों में शामिल करने के लिए पर्याप्त नहीं लगता है. स्टीपलचेजर साबले लगातार अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड को बेहतर कर रहे हैं. उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8:09.94 है, लेकिन सात अंतरराष्ट्रीय धावक हैं जिन्होंने उनसे बेहतर समय निकाला है. ऐसे में उनका फाइनल में पहुंचना भी बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी. भारत की पदक की उम्मीदें नीरज तथा चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की फॉर्म में चल रही बैडमिंटन जोड़ी पर टिकी हैं. नीरज भले ही अभी तक 90 मीटर की दूरी तक भाला नहीं फेंक पाए हैं, लेकिन उन्होंने निरंतर अच्छा प्रदर्शन किया है. बड़ी प्रतियोगिताओं में वह अपने प्रतिद्वंद्वियों से बेहतर प्रदर्शन करते रहे हैं और उनके पास लगातार दो ओलंपिक खेलों में पदक जीतने वाला तीसरा भारतीय खिलाड़ी बनने का शानदार मौका है.

कुश्ती से लगातार पदक मिल रहे हैं

कुश्ती में भारत ने पिछले चार ओलंपिक खेलों में पदक जीता है लेकिन इस बार भारतीय कुश्ती महासंघ के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के कारण खिलाड़ियों की तैयारी अनुकूल नहीं रही है. इसके बावजूद अंशु मलिक, अंतिम पंघाल और अमन सहरावत को भारत का सबसे अच्छा दावेदार माना जा रहा है. अंडर-23 विश्व चैंपियन रीतिका हुड्डा भी छुपी रुस्तम साबित हो सकती है. अन्य खेलों में तीरंदाजी और टेबल टेनिस के खिलाड़ियों ने अपनी रैंकिंग के आधार पर खेलों में जगह बनाई है. तीरंदाजी में भारत लगातार ओलंपिक खेलों में भाग ले रहा है लेकिन उसे अभी अपने पहले पदक का इंतजार है. पिछले ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारोत्तोलक मीराबाई चानू पिछले कुछ समय से चोट और खराब फॉर्म से जूझ रही हैं.

तीरंदाजी टीम : टीम स्पर्धा में सीधे क्वार्टरफाइनल में मिलेगी एंट्री

एजेंसी। पेरिस

भारत की महिला तीरंदाजी टीम ने पेरिस ओलंपिक के रैंकिंग राउंड में बढ़िया प्रदर्शन किया है. दीपिका कुमारी, अंकिता भगत और भजन कौर ने कुल मिलाकर भारत को 1,983 अंक दिलाए हैं. इसी के साथ भारतीय टीम चौथे स्थान पर रही और उसने क्वार्टरफाइनल में जगह पक्की कर ली है. व्यक्तिगत स्कोर की बात करें तो भारत के लिए सबसे बेहतर प्रदर्शन अंकिता भगत ने किया, जिन्होंने 72 शॉट लगाते हुए कुल 666 पॉइंट हासिल किए हैं और वे 11वें स्थान पर रहीं. दूसरी ओर दीपिका कुमारी और भजन कौर टॉप-20 से भी बाहर रहीं. भारतीय एथलीटों के व्यक्तिगत प्रदर्शन पर नजर डालें तो अंकिता 11वें, भजन कौर 22वें और दीपिका कुमारी 23वें स्थान पर रहीं. अंकिता ने दूसरे हाफ के आखिरी 2 सेट में शानदार वापसी की, जिनमें उन्होंने 120 में से 112 अंक हासिल किए. वहीं आखिरी क्षणों में विशेष रूप से 18 वर्षीय भजन कौर की ओर से काफी लचर प्रदर्शन देखने को मिला, जिन्होंने कुल 659 पॉइंट बटोरे. दीपिका उनसे एक अंक पीछे रहीं और उन्होंने रैंकिंग राउंड को 658 पॉइंट के साथ फिनिश किया. भारत 1983 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहा

नियमों की बात करें तो टीम लिस्ट में टॉप-4 में रहने वाली टीमों को टीम स्पर्धा में सीधे क्वार्टरफाइनल में एंट्री मिलेगी. चूंकि भारत 1983 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहा, इसलिए उसने डायरेक्ट क्वार्टरफाइनल में एंट्री ले ली है. भारत का सामना अब क्वार्टरफाइनल में फ्रांस बनाम नीदरलैंड्स मैच के विजेता से होगा. वहीं टीम रैंकिंग में 5वें से 12वें स्थान पर रहने वाली टीमों को पहले राउंड ऑफ 16 से गुजरना होगा.

ओलंपिक टेटे : ड्रॉ की घोषणा मनिका का पहला मैच हर्से से

- शरत कमल स्लोवेनिया के कोजुल से भिड़ेंगे

भाषा। पेरिस

भारत की शीर्ष टेबल टेनिस खिलाड़ी और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता मनिका बत्रा महिला एकल के शुरुआती दौर में ब्रिटेन की अन्ना हर्से से भिड़ेंगी, जबकि अनुभवी पुरुष खिलाड़ी अचंता शरत कमल स्लोवेनिया के डेनी कोजुल के सामने होंगे. धवार को ड्रॉ की घोषणा हुई. मनिका को 18वीं वरीयता मिली है और यह उनका लगातार तीसरा ओलंपिक है. वह 2021 टोक्यो ओलंपिक में एकल में राउंड 32 में पहुंचने वाली भारत की पहली महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बनी थीं.

पुरुष एकल में हरमीत देसाई का सामना पहले दौर में जोर्डन के अबो यमन से होगा जबकि 25 साल की श्रीजा अकुला (16वीं वरीय) महिला वर्ग में स्वीडन की खिलाड़ी क्रिस्टिना कालबर्ग के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी. राष्ट्रमंडल खेलों के चैम्पियन शरत कमल भारत के टेबल टेनिस दल की अगुआई कर रहे हैं जिसमें 41 साल का यह खिलाड़ी ओलंपिक में पांचवीं दफा खेलने उतरेगा. जी साथियान मुख्य टीम में जगह नहीं बना सके जिससे उन्हें 'रिजर्व' खिलाड़ी के तौर पर चुना गया है. वह 2018 और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत की स्वर्ण पदक विजेता पुरुष टीम के सदस्य रह चुके हैं.

महिलाओं की टीम स्पर्धा के शुरूआती मुकाबले में 11वीं वरीयता प्राप्त भारत का सामना चौथी वरीय रोमानिया से होगा. जीतने वाली टीम सीधे क्वार्टरफाइनल में पहुंचेगी. हाल में मनिका अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 24वीं रैंकिंग पर पहुंची थीं. मनिका और श्रीजा के अलावा महिला टीम की तीसरी सदस्य अर्चना कामत हैं. अयहिका मुखर्जी रिजर्व खिलाड़ी हैं. भारतीय पुरुष टीम में शरत कमल, मानव ठक्कर और राष्ट्रीय चैम्पियन हरमीत शामिल है.

हिजाब पहनने पर महिला एथलीट को दी गयी सजा

- फ्रांस की धाविका सूनकाम्बा सिला को हिजाब के कारण उद्घाटन समारोह में एंट्री नहीं मिलेगी

एजेंसी। पेरिस

पेरिस ओलंपिक का औपचारिक उदघाटन शुक्रवार को होना है. उससे पहले ही इसमें विवाद खड़े होने लगे हैं. पहले अर्जेंटीना बनाम मोरक्को फुटबॉल मैच चर्चा का केंद्र बना और अब फ्रांस की एक महिला एथलीट को हिजाब पहनने के कारण भेदभाव का शिकार बनना पड़ा है. फ्रांस की धाविका सूनकाम्बा सिला ने बताया है कि उन्हें शुक्रवार को होने वाले उदघाटन समारोह में भाग लेने से रोका जा रहा है. वहीं फ्रेंच ओलंपिक समिति का कहना है कि वह इस मामले की जांच कर रही है. 26 वर्षीय सूनकाम्बा सिला 400 मीटर दौड़ में भाग लेने वाली फ्रांस की महिला और मिक्स्ड टीम की सदस्य हैं. उन्होंने उदघाटन समारोह में एंट्री ना मिलने के प्रति आपत्ति जतायी.

समाधान के लिए बातचीत जारी है

डेविड लैपार्टिएंट ने कहा कि सिला के साथ इस मामले का समाधान निकालने के लिए बातचीत जारी है. समाधान ऐसा निकाला जाएगा, जिससे फ्रांस के एथलीटों की धर्मनिरपेक्षता को कोई ठेस ना पहुंचे और सिला के व्यक्तिगत विचारों का भी सम्मान किया जा सके.

पेरिस ओलंपिक रियो ओलंपिक में रजत और टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीत चुकी हैं सिंधु

पदकों की हैट्रिक बनाने के लिए पूरी तरह से तैयार पीवी सिंधु

भाषा। पेरिस

भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु लगातार तीसरे ओलंपिक खेलों में पदक जीतकर इतिहास रचने के लिए किसी भी तरह की कसर नहीं छोड़ रही हैं और उन्होंने अपना यह लक्ष्य हासिल करने के लिए पिछले कुछ महीनो में अलग-अलग तरीकों से कड़ा अभ्यास किया है.

सिंधु ने रियो ओलंपिक में रजत और टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था. अगर वह पेरिस ओलंपिक में पोडियम पर पहुंचने में सफल रहती है तो फिर वह पदकों की हैट्रिक पूरी करने वाली भारत की पहली खिलाड़ी बन जाएंगी. सिंधु पिछले कुछ समय से अच्छी फॉर्म में नहीं चल रही है लेकिन उन्होंने कहा कि पिछले आठ महीने प्रकाश पादुकोण के साथ बिताने से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और वह लगातार तीसरा पदक जीतने के लिए तैयार है.

सिंधु ने पोर्टे डे ला चैपल एरिना में अभ्यास सत्र के बाद कहा, निश्चित रूप से पदक जीतना मेरा लक्ष्य है. यह पहला हो या दूसरा या फिर तीसरा यह मायने नहीं रखता. मैंने दो पदक जीते हैं और मैं तीसरे पदक के बारे में सोच कर खुद पर दबाव नहीं बनना चाहती हूं.

'उम्मीद है कि मैं जल्द ही हैट्रिक पूरी करूंगी'

उन्होंने कहा, जब भी मैं ओलंपिक में भाग लेती हूं तो वह मेरे लिए नया ओलंपिक होता है. इसलिए मैं जब भी ओलंपिक में खेलने के लिए उतरती हूं तो मेरा लक्ष्य पदक जीतना होता है. उम्मीद है कि मैं जल्द ही हैट्रिक पूरी करूंगी. पेरिस आने से पहले सिंधु ने जर्मनी के सारब्रुकेन में स्पोर्टकैंपस सार में अभ्यास किया जहां की समुद्र तल से ऊंचाई, मौसम और परिस्थितियां फ्रांस की राजधानी के समान हैं. परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने के लिए वहां उन्होंने अपने कमरे में एक हाइपोक्सिक चैंबर (कम ऑक्सीजन) बनाया और कुछ दिनों तक वहीं सोईं. हाइपोक्सिक चैंबर खिलाड़ी के शरीर को अधिक ऊंचाई वाले स्थानों पर खेलने के लिए तैयार करने में मदद करते हैं. सिंधु ने कहा, मैं अभ्यास के लिए अधिक ऊंचाई वाले स्थान पर नहीं जा सकती थी. मेरे पास बहुत अधिक समय नहीं था और इसलिए मैंने सोचा कि कहीं और जाने से बेहतर होगा कि यहीं उस तरह की परिस्थितियां तैयार की जाएं. इस स्टार भारतीय खिलाड़ी ने कहा कि उन्होंने अपने स्ट्रोक्स में सुधार किया है और लंबी रैलियों में वह पहले से बेहतर प्रदर्शन कर रही है. सिंधु से पूछा गया कि पादुकोण के साथ अभ्यास करने से उन्हें क्या अंतर महसूस हुआ, उन्होंने कहा, स्ट्रोक में बहुत अधिक आत्मविश्वास होना. महिला एकल में अब बहुत लंबी रैलियां और लंबी अवधि के मैच होते हैं और मैंने खुद को उनके लिए तैयार किया है. उन्होंने कहा,प्रत्येक प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ आपको अलग शैली अपनानी पड़ती है और सही समय पर सही स्ट्रोक लगाना आवश्यक होता है. प्रकाश सर ने इस बात पर जोर दिया और हमने इस पर काम किया. बहुत सुधार हुआ है. यह आपको कोर्ट पर नजर आएगा.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष अनिद्रा की समस्या हो सकती है. अपनों पर खर्च अधिक होगा, पर रोजगार की समस्या का समाधान भी संभव है. व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा. कश्मकश दूर होगी. स्वजनों से भेंट होगी. नवार्ण मंत्र का जाप करें.

वृषभ किसी नए कार्य से आय होगी. साथ ही व्यवसाय ठीक चलेगा. शत्रुभय रहेगा. लाभ होगा. पिछले कार्यों को टालना चाहिए, क्योंकि उसमें असफलता का योग है. अनावश्यक विवाद होगा. व्यावसायिक योजनाएं क्रियान्वित नहीं हो पाएंगी.

मिथुन पिता का पुराना रोग उभर सकता है. वाणी पर नियंत्रण रखें. व्यापार के विस्तार हेतु किए गए प्रयास सफल होंगे. संतान की ओर से अच्छे समाचार मिलेंगे. दूसरों के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करें. परिवार की चिंता रहेगी.

कर्क भाग्य का साथ मिलेगा. सरकार या कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे. कार्यसिद्धि होगी. आय-व्यय में संतुलन रहेगा. क्रोध पर संयम आवश्यक है. व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे. धर्म में रुचि बढ़ेगी. नई योजना से लाभ होगा.

सिंह पूर्व किये कार्य का लाभ मिलेगा. निवेश शुभ रहेगा. जल्दबाजी व भागदौड़ से काम करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएं. अच्छे मित्र से भेंट होगी. पराक्रम की वृद्धि होगी. समाज-परिवार में आदर मिलेगा. गुड़ और जल का दान करें.

कन्या पार्टनर से विवाद न करें. व्यवसाय ठीक चलेगा. दांपत्य जीवन सुखद रहेगा. पूंजी निवेश बढ़ेगा. साहित्यिक रुचि बढ़ेगी. आर्थिक योग शुभ हैं. यात्रा से व्यापारिक लाभ हो सकता है. सुसंगति से लाभ होगा. माता दुर्गा की सेवा करें.

तुला कुसंगति से बचें. दूसरों पर भरोसा न करें. धैर्य रखें. पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा. रुका पैसा मिलेगा. शत्रु आपकी छवि को धूमिल करने का प्रयास करेंगे. अतः सावधान रहें. व्यापार में सफलता मिलेगी. जल और फल का दान करें.

वृश्चिक किसी से विवाद हो सकता है. किसी नया कार्य से अप्रत्याशित लाभ होगा पर जोखिम बिलकुल न लें. धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी. व्यापार व नौकरी में हितकारकों की पूर्ण कृपा रहेगी. गृह उपयोगी वस्तुएं क्रय करेंगे.

धनु व्यवसाय ठीक चलेगा. कार्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा. विवादों से दूर रहना चाहिए. आर्थिक तंगी रहेगी. पिछले कार्यों को टालें. पारिवारिक तनाव से मन परेशान रहेगा. व्यापार में हानि हो सकती है.

मकर दिन खुशनुमा होगा. छोटी यात्रा सफल रहेगी. धनलाभ होगा. प्रसन्नता बनी रहेगी. वाहन सुख मिलेगा. संपत्ति के लेन-देन में सावधानी बरतें. परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. अन्न दान करें.

कुंभ क्रोध में बृद्धि होगा इसलिए वाणी पर नियंत्रण रखें. स्वास्थ्य कमजोर रहेगा. लेन-देन में सावधानी रखें. आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी. आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से लाभ होगा. शिव मंदिर में खीर का दान करें.

मीन सूझ बूझ कर किया गया कार्य लाभ देगा. स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा. थकान रहेगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. पराक्रम बढ़ेगा. जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं. कामकाज में आशानुरूप स्थिति बनेगी. शिव मंदिर में झाड़ू का दान करें.

33 पंचायत सचिवों का वेतन रोका

मेदिनीनगर। पलामू जिले के उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद ने गुरुवार को अबुआ आवास योजना की प्रगति की समीक्षा की. इस दौरान उन्होंने विश्रामपुर, चैनपुर, हुसैनाबाद, नवाबाजार, लेस्लीगंज, पांडु, पड़वा, पांकी, पाटन व सतबरवा की विभिन्न पंचायत सचिवों संग बैठक कर उनके क्षेत्र अंतर्गत न्यूनतम प्रगति वाली पंचायतों में अबुआ आवास योजना की समीक्षा की. इस दौरान डीडीसी श्री अहमद सभी पंचायत सचिवों से अपेक्षित प्रगति नहीं होने के कारणों से अवगत हुए. बताया गया कि कई लाभुक प्रथम किस्त लेने के बाद कार्य प्रारंभ नहीं किये हैं. इस पर डीडीसी ने ऐसे सभी लाभुकों को नोटिस करने की बात कही. वहीं कुछ पंचायत सचिव द्वारा जियो टैग नहीं किया गया है, जिस कारण दूसरी किस्त का भुगतान की कार्रवाई नहीं की जा सकी है. इसके अलावे प्रगति नहीं होने से संबंधित कई अन्य बिंदुओं पर उप विकास आयुक्त द्वारा गहनता से समीक्षा किया गया. इस दौरान उन्होंने सभी 33 पंचायत सचिवों का वेतन अगले आदेश तक स्थगित रखने के निर्देश दिये. कहा कि अगले एक सप्ताह में प्रगति नहीं होती है तो संबंधित पंचायत सचिवों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

153 युवक-युवतियों को मिला रोजगार

लोहरदगा। सदर प्रखंड पर स्थित नगर भवन परिसर में लोहरदगा जिला के बेरोजगार युवक-युवतियों को सुगमता से रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, सरकार के तत्वावधान में जिला नियोजनालय, द्वारा एक दिवसीय दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का आयोजन किया गया. इधर, मेला का उद्घाटन उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया. इस रोजगार मेला के लिए विभिन्न निजी क्षेत्र के नियोजकों के रिक्तियों के लिए कुल 362 युवक-युवतियां शामिल हुए जिनमें से 153 युवक-युवतियों का चयन विभिन्न पदों के लिए किया गया. मेला के लिए 42 सौ 60 रिक्तियां नियोजकों की ओर से प्रस्तावित थी. मौके पर उप विकास आयुक्त ने मेला में आये नियोजक कंपनियों को यहां के युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया.

सियासी पिच पर उतर सकते हैं सौरभ तिवारी

गृह मंत्री से मिले, भाजपा में शामिल होने के कयास

प्रमुख संवाददाता। रांची

क्रिकेटर सौरभ तिवारी सियासी पिच पर चौका-छक्का मारने को बेताब हैं. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सौरभ तिवारी की मुलाकात के बाद कयासों का बाजार गर्म हो गया है. गुरुवार को क्रिकेटर सौरभ तिवारी ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने गृह मंत्री को पुस्तक भी भेंट की. कयास इसलिए भी लगाया जा रहा है कि झारखंड में कुछ महीने के बाद विधानसभा चुनाव होने हैं. इससे ठीक पहले भाजपा के टॉप लीडर से मुलाकात के कई मायने भी निकाले जा रहे हैं. राजनीति के गलियारों में चर्चा हो रही है कि सौरभ तिवारी जल्द ही भाजपा का दामन थाम सकते हैं. सौरभ तिवारी कई अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं. आईपीएल में वे मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू का भी हिस्सा रह चुके हैं. झारखंड में सौरभ तिवारी का संबंध जमशेदपुर से है.

झारखंड विस का मॉनसून सत्र आज से, सुरक्षा चाक-चौबंद

छह डीएसपी, 15 इंस्पेक्टर व 1000 जवान रहेंगे तैनात

संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा का मॉनसून सत्र शुक्रवार से शुरू हो रहा है. इसको लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं. सुरक्षा में किसी प्रकार की चूक ना हो, इसको लेकर छह डीएसपी, 15 इंस्पेक्टर और 1000 जवानों की तैनाती की गयी है. एसएसपी ने सत्र को लेकर सुरक्षाकर्मियों को ब्रीफिंग भी की है. सत्र के दौरान किसी भी तरह की चूक न हो, सभी कर्मियों को इस पर विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया गया है. वहीं पुलिस अधिकारियों को भी विधानसभा और उसके आसपास के इलाकों में गश्त करने का निर्देश है.

दो दर्जन से अधिक जगहों पर की गयी है बैरिकेडिंग : मॉनसून सत्र के दौरान कई तरह के आंदोलन अचानक शुरू हो जाते हैं, इसको ध्यान में रखते हुए पुलिस ने अपनी विशेष रणनीति बनायी है. आंदोलनकारियों को विस के पास स्थित विस्थापित भवन के पास वाले मैदान तक ही सीमित रहने का निर्देश दिया गया है. धुर्वा, नगड़ी,डोरंडा, जगन्नाथपुर और अरगोड़ा थाना को विशेष रूप से सतर्क रहने को कहा गया है. सभी थानों को सड़कों पर नियमित गश्ती करने का भी निर्देश है. विस सत्र को लेकर मेकॉन चौक, सेटेलाइट चौक से विस तक दो दर्जन से अधिक जगहों पर बैरिकेडिंग की गयी है.

तीन लेयर की होगी सुरक्षा : झारखंड विस के सत्र को लेकर सुरक्षा पुख्ता इंतजाम किये गये हैं. विस के चारों ओर रांची पुलिस के अधिकारी और जवान तैनात रहेंगे. सत्र के दौरान तीन लेयर की सुरक्षा का घेरा बनाया गया है. विधानसभा की ओर आने वाली सड़कों पर बैरिकेडिंग भी की गयी है. बिना अधिकृत पास के कोई भी विधानसभा परिसर के अंदर नहीं जा सकता है.

आजसू ने पलायन रोकने पर विशेष चर्चा की मांग रखी

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह गोमिया विधायक लंबोदर महतो ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर 17वें मानसून सत्र में युवाओं के विकास कल्याण व रोजगार एवं पलायन रोकने पर विशेष चर्चा की मांग की है. उन्होंने मानसून सत्र में इस अतिमहत्वपूर्ण विषय पर चर्चा के लिए विधानसभा अध्यक्ष से समय निर्धारित करने की भी मांग की है. विधानसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में रोजगार के अभाव में युवाओं के बीच निराशाजनक स्थिति है. राज्य में रोजगार न मिलने की वजह से राज्य के बाहर देश के अन्य राज्यों एवं विदेश में युवाओं एवं श्रमिकों का पलायन लगातार जारी है, जिस पर राज्यहित में रोजगार उपलब्ध कराकर रोक लगाना आवश्यक है. विधानसभा के आगामी प्रस्तावित मानसून सत्र में परिचर्चा करना राज्यहित में श्रेयस्कर होगा. महतो ने कहा कि राज्य में जीविकोपार्जन के साधन में निरंतर गिरावट के कारण पलायन और बेरोजगारी में बढ़ोतरी हुई है.

विधायक मिले मुख्यमंत्री से बेरमो को जिला बनाने की मांग

रांची। गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिले. उन्होंने बेरमो (मुख्यालय तेनुघाट) अनुमंडल को जिला बनाने की मांग की. उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि बेरमो झारखंड राज्य का सबसे समृद्ध खनिज संपदाओं से परिपूर्ण व अविभाजित बिहार में 1972 में बनने वाला सबसे पुराना अनुमंडल है. बेरमो (मुख्यालय तेनुघाट) को जिला बनाने की मांग लंबे समय से की जा रही है मगर कतिपय कारणों से अब तक इसे जिला का दर्जा नहीं मिल पाया है.इसकी आबादी 2011 की जनगणना के अनुसार 11,07,672 है, जो मौजूदा समय में करीब 15 लाख है. बेरमो अनुमंडल में 14 थाने, चार ओपी व सात प्रखंड क्रमशः पेटरवार, कसमार, जरीडीह, बेरमो, गोमिया, नावाडीह व चंद्रपुरा है. यह अनुमंडल सबसे समृद्ध व खनिज संपदाओं से भरा पड़ा है. यहां चार विद्युत उत्पादन उत्पादक केंद्र (थर्मल पावर स्टेशन) क्रमशः टीपीपीएस, सीटीपीएस, बीटीपीएस व कैप्टिव पावर प्लांट है. सीसीएल के तीन क्षेत्र क्रमशः कथारा, करगली व ढोरी है, जहां दर्जनों परियोजनाएं विद्यमान है. सीसीएल के दर्जनों कोलियारियों से प्रतिवर्ष करोड़ों टन कोयला का उत्पादन होता है. जिसका लाभ सीधा राज्य सरकार व केंद्र सरकार को मिलता है. इसके अतिरिक्त सीसीएल व बीसीसीएल की चार कोल वाशरी क्रमशः स्वांग, कथारा ,करगली व दुग्दा कार्यरत है. अभी एक और कॉल वाशरी निर्माणाधीन है. एशिया महादेश का सबसे पहला बारूद का कारखाना गोमिया में अवस्थित है.

विद्यार्थियों के हित में हमेशा खड़ा हैं : आलम

लोहरदगा। एनएसयूआई के बैनर तले जिला महासचिव मनौवर आलम के नेतृत्व में बलदेव साहू महाविद्यालय में नए विद्यार्थियों की सहायता हेतु हेल्प डेस्क एवं सहायता और पूछताछ केंद्र खोला गया. अभियान में लगभग 100 नए लोग सदस्य बनाए गए. इस बीच अभियान के क्रम में छात्र-छात्राओं को एनएसयूआई के बारे में बताया गया कि एनएसयूआई विद्यार्थियों के हित में हमेशा काम करती है, कभी भी विद्यार्थी को किसी प्रकार की दिक्कत या परेशानी होती है तो एनएसयूआई के सदस्य या पदाधिकारी उनकी समस्याओं को समाधान के लिए तत्पर रहते हैं. महासचिव मनौवर आलम विद्यार्थियों से आग्रह करते हुए कहा कि महाविद्यालय में विद्यार्थी बहुत ही सुदूरवर्ती एवं दूर-दराज से नामांकन लेते हैं.

टेबल टेनिस प्रतियोगिता के लिए टीम रांची रवाना

गढ़वा। रांची में शुक्रवार से आयोजित सेकेंड झारखंड स्टेट रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए गढ़वा जिला की 24 सदस्यीय टीम को संघ के अध्यक्ष मदन प्रसाद केशरी, सचिव आनंद सिन्हा और संघ के पदाधिकारियों ने जीत की शुभकामना देते हुए खिलाड़ियों को रवाना किया. मौके पर अध्यक्ष केशरी ने कहा कि आप अपने लक्ष्य को पाने के लिए जो मेहनत कर रहे है, उस लक्ष्य को हासिल करने के लिए आप जा रहे है. प्रतियोगिता में जिला को चैम्पियन बनाने के साथ साथ चैम्पियन बनकर आए. अगर आप अपने खेल का शत प्रतिशत लगा दे तो आपको जीत से कोई रोक नहीं सकता है. सचिव आनंद सिन्हा ने कहा कि टीम के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता को लेकर बेहतर तैयारी की है. पहले की अपेक्षा टीम इस बार बेहतर करेगी.

पेज एक का शेष

खनिजों पर राज्यों को रॉयल्टी...

चीफ जस्टिस ने कहा कि पीठ ने दो अलग-अलग फैसले दिये हैं और न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने असहमतिपूर्ण फैसला दिया है. सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दो अहम सवाल थे. क्या ''रॉयल्टी'' को टैक्स के समान माना जा सकता है? क्या राज्य विधानमंडल जमीन पर टैक्स लगाते समय जमीन की उपज के मूल्य के आधार पर टैक्स का उपाय अपना सकता है?

हाई बोल्ट का नंगा तार...

इसका मतलब यह कतई नहीं है कि वह पार्टी से बड़े हो गये हैं या अपरिहार्य हैं. उन्हें जिन लोगों ने मुख्यमंत्री बनाया था, वे केवल इशारा कर दें तो वह अपने मठ में लौट जायेंगे. उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में इतना गरल पीया है कि वह नीलकंठ बन गये हैं. उनसे पूछे बगैर मुख्य सचिव बनाये, हटाये गये. केंद्र की इच्छा पर ऐसे अधिकारी को मंत्री बनाया गया जो चार वोट भी नहीं जुगाड़ सकता. ऐसे मुंहफट, बदमिजाज नेताओं को मंत्री बनाना पड़ा जो योगी जी को गालियां देते रहे हैं. इस बार टिकट बंटवारे में भी उनकी राय नहीं सुनी गयी. एक संगठन मंत्री तो छाया मुख्यमंत्री बने बैठे थे. योगी के भृकुटि तानने पर वे हटे तो बाद में भेजे गये संगठन मंत्री पैंतरेबाजी में मशगूल हो गये. प्रदेश अध्यक्ष ऐसे महानुभाव को बनाया गया जो न कोई चुनाव जीत सकते हैं, न किसी को जिता सकते हैं. जो उप मुख्यमंत्री कथित रूप से बगावत का झंडा उठाये हुए हैं और जिनके बयानों को आधार बनाकर योगी विरोधी माहौल बनाया जा रहा है, वे अपनी विधानसभा सीट तक हार चुके हैं. एक उप मुख्यमंत्री बसपा से आये हैं और सिर्फ बोलकड़ हैं. यानी यदि योगी को बलि का बकरा बनाया गया और उन्होंने मुंह खोल दिया तो नीचे से ऊपर तक समूची भाजपा हिल जायेगी. वह एक हाई बोल्ट का नंगा तार हैं. यदि ग्रिड से बिना लाइन काटे किसी ने छू लिया तो वह खाक हो जायेगा. वह कल्याण सिंह वाली गलती भी नहीं कर रहे हैं. उन्होंने शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ कुछ नहीं बोला है. वह मोदी जी से तादात्म्य बैठाये हुए हैं. वह भाजपा के स्टार प्रचारक हैं और मोदी के बाद सबसे ज्यादा डिमांड उन्हीं की है. वह वसुंधरा राजे सिंधिया नहीं हैं. वह शिवराज सिंह चौहान सरीखे हैं, जिन्हें मध्य प्रदेश से हटाने के बाद केंद्र में समायोजित करना पड़ा है.

2017 में केशव प्रसाद मौर्य मुख्यमंत्री पद के स्वाभाविक दावेदार थे. तब वह प्रदेश अध्यक्ष थे और पार्टी ने आशातीत सफलता प्राप्त की थी. तब योगी जी मुख्यमंत्री पद की रेस में भी नहीं थे. वह तो गोरखपुर में अपनी दिनचर्या में मस्त, व्यस्त थे. रेस में थे मनोज सिन्हा, वह भी केंद्र की कृपा से. लेकिन योगी जी को लाया गया तो कोई बड़ा कारण तो रहा ही होगा. वैसे केशव प्रसाद मौर्य ने कोई नयी बात तो कही नहीं थी कि संगठन सरकार से बड़ा होता है. यह तो जनसंघ के जमाने से भाजपा का ध्येय वाक्य है. इसे योगी के विरुद्ध क्यों देखना चाहिए ? उसी बैठक में योगी ने कहा था कि हमें अति आत्मविश्वास ले डूबा. इसका क्या अर्थ लगाया जाये ? यह किसके विरुद्ध है ? इसी बीच अखिलेश यादव ने मौर्य साहब को मानसून ऑफर दे दिया- 100 विधायक लाओ, मुख्यमंत्री बनो, सरकार चलाओ. लेकिन उन्होंने डिस्काउंट की घोषणा नहीं की. यानी उन्होंने यह नहीं बताया कि उनकी पार्टी सरकार में शामिल होगी या मौर्य की सरकार को बाहर से समर्थन देगी.

दरअसल सभी विपक्षी पार्टियां चाहती हैं कि योगी जायें तो उनकी राजनीति फले-फूले, क्योंकि योगी ने जो लकीर खींची है उससे बड़ी लकीर खींचने की कुव्वत उन नेताओं में नहीं है. इसका मतलब यह कतई नहीं है कि योगी राज में सब कुछ ठीक है. कार्यकर्ता मायूस हैं, अफसर उनकी नहीं सुनते हैं. लेकिन संगठन मंत्री और प्रदेश अध्यक्ष कर क्या रहे हैं ? क्या उन्होंने सरकार से इस बाबत कभी बात की ? समन्वय का काम देख रहे सहकार्यवाह क्या कर रहे हैं ? पेपर लीक एक बड़ी समस्या है. यह योगी पर एक धब्बा है. इसका इलाज उन्हें करना ही होगा. लेकिन यदि पार्टी के कुछ नेता और सहयोगी दलों के महारथी योगी पर प्रत्यक्ष-परोक्ष आरोप लगाते रहे, तंज कसते रहे तो हालात और बिगड़ेंगे. वह भी हाड़-मांस, शिराओं-धमनियों से बने व्यक्ति हैं. कितना सहेंगे, कब तक सहेंगे. तुलसी ने लिखा ही है-अतिशय रगड़ करे जो कोई, अनल प्रकट चंदन ते होई. यह अनल प्रकट न हो, पार्टी धधकने-जलने से बच जाये, इस बाबत तुरंत उपाय जरूरी है. योगी को हटाने से बात बनती है तो उन्हें कहीं सम्मान सहित शिफ्ट किया जा सकता है. लेकिन बिना सावधानी, सतर्कता के कोई उन्हें छुएगा तो जल जायेगा.

कारगिल विजय दिवस की शुभकामनाएं

जितेंद्र कुमार सिंह
थाना प्रभारी
बेंगाबाद, जिला-गिरिडीह

कारगिल विजय दिवस की शुभकामनाएं

सद्दीक अंसारी
मुखिया
पंचायत-मधवाडीह, प्रखंड-बेंगाबाद, जिला-गिरिडीह

कारगिल विजय दिवस की शुभकामनाएं

इंकज कुमार
बाल अधिकार कार्यकर्ता, प्रखंड-तिसरी, जिला-गिरिडीह

कारगिल विजय दिवस की शुभकामनाएं

KARGIL VIJAY DIWAS
राजू कुमार मंडल
उर्फ राजू भारती
मंडल अध्यक्ष
युवा मोर्चा, भाजपा,अहिल्यापुर मंडल,प्रखंड-गांडेय,जिला-गिरिडीह

कारगिल विजय दिवस की शुभकामनाएं

वी आदर्श, चंदवा

न्यायालय की अवमानना कर रहे हैं स्पीकर : प्रतुल शाहदेव

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा ने स्पीकर रविंद्र नाथ महतो को उनके डेमोग्राफी में बदलाव से इनकार करने वाले बयान पर घेरा. प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने कहा कि डेमोग्राफी बदलाव का मामला

फिलहाल उच्च न्यायालय में विचाराधीन है. उच्च न्यायालय ने सीमावर्ती 6 जिलों के उपायुक्तो को इस मुद्दे पर शपथ पत्र दाखिल कर यह बताने को कहा है कि उनके जिलों में कितने घुसपैठिए रह रहे हैं और उनको कैसे निकाला जाए. उच्च न्यायालय द्वारा कोई निर्णय सुनाने के पहले ही स्पीकर का इस मामले में हस्तक्षेप करना सीधे तौर पर उच्च न्यायालय की अवमानना है.

घुसपैठियों को संताल के मदरसों में ठहराया जाता है : प्रतुल ने कहा एक तरफ स्पीकर डेमोग्राफी में बदलाव से इनकार कर रहे हैं जबकि देश की जनगणना के आधिकारिक आंकड़ों में 1951 से 2011 के बीच संताल के इलाके में आदिवासियों की आबादी 16% घटी है और मुसलमान की आबादी 13% बढ़ी है. यह सीधे तौर पर घुसपैठ का मामला है. 1951 से 2011 के 60 वर्षों के कार्यकाल में 85% समय केंद्र में कांग्रेस की सरकार सत्ता में थी, तो इस घुसपैठ के लिए सीधे तौर पर कांग्रेस की तत्कालीन सरकारें जिम्मेदार है. प्रतुल ने कहा 2 जून, 2023 को सभी जिला के उपायुक्त को पत्र लिखकर स्पेशल ब्रांच ने स्पष्ट रूप से कहा था कि घुसपैठियों को संताल के मदरसों में ठहराया जाता है और उनके सरकारी दस्तावेज तैयार किए जाते हैं. प्रतुल ने जानना चाहा कि क्या स्पीकर राज्य सरकार के स्पेशल ब्रांच से भी सहमत नहीं है?

स्पीकर एक राजनीतिक दल के प्रवक्ता की तरह बयान दे रहे : प्रतुल ने कहा कि स्पीकर का पद एक संवैधानिक पद होता है और राजनीति से ऊपर का माना जाता है, लेकिन यहां स्पीकर एक राजनीतिक दल के प्रवक्ता की तरह बयान दे रहे हैं और विचाराधीन मामलों पर भी टिप्पणी कर रहे हैं, जो कि सर्वथा अनुचित है. स्पीकर को अपने संवैधानिक कुर्सी की मर्यादा का ख्याल रखना चाहिए.

बासी रोटी को नए फ्लेवर में परोसने की कोशिश : कांग्रेस

- झारखंड से क्या कमाया और क्या दिया, यब सब जनता देख रही है

विशेष संवाददाता । रांची

आनेवाला विधानसभा चुनाव लड़ने से पहले ही भाजपा ने हथियार डाल दिए हैं. यही कारण है कि भाजपा नेता अपनी शुभचिंतक केंद्रीय एजेंसियों के पास लगातार दौड़ लगा रही है. भाजपा ने एक झूठ का पिटारा अपने पास रखा है और हताश निराश भाजपा नेता चुनावी धारा को मोड़ने के लिए रोज एक नया झूठ अपने पिटारे से निकाल रहे हैं.

ये बातें प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनल शांति ने कही. उन्होंने कहा कि झारखंडी जनता भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी से हिसाब लेने को तैयार बैठी है. उन्होंने झारखंड से क्या कमाया और झारखंडी जनता को क्या दिया. केंद्र को सबसे ज्यादा राजस्व देनेवाला झारखंड केंद्र से मिलने वाली सुविधाओं के मामले में निचले पायदान पर है. वर्तमान केंद्रीय बजट में भी झारखंड को उपेक्षित किया जाना झारखंड वासियों के साथ लगातार हो रहे अन्याय की पराकाष्ठा को दर्शाता है.

शांति ने कहा कि नेतृत्व विहीन झारखंड भाजपा बासी रोटी राज्यवासियों को खिलाना चाहती है, क्योंकि वह जानती है कि उनके पास महागठबंधन सरकार के खिलाफ न नेता हैं और न ही कोई मुद्दा. झारखंडी जनता ने बासी रोटी खाने से इनकार कर दिया है.

भाजपा बॉरो प्लेयर के सहारे मैदान में उतरने की तैयारी में : लोकसभा चुनाव बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में लड़ने वाली भाजपा बॉरो खिलाड़ियों के सहारे झारखंड में चुनाव लड़ना चाहती है. लेकिन जब दो बॉरो खिलाड़ियों से झारखंड में मुद्दे नहीं बन पाये, तो टीम मैनेजर को समय पूर्व उतार कर सामूहिक नेतृत्व के साथ मैच जीतने की बात की जा रही है. इससे भाजपा के वर्तमान कप्तान बाबूलाल मरांडी की छटपटाहट बढ़ गई है.

महोत्सव

विधायक ने किया उदघाटन, कहा- हमें अपनी विरासत को संजोकर रखना है

दो दिवसीय जनजातीय लोक नृत्य महोत्सव का शुभारंभ

संवाददाता। बरवाडीह (लातेहार)

गुरुवार को पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (कोलकाता), संस्कृति मंत्रालय (भारत सरकार) व रंगयात्रा लातेहार, झारखंड के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय पलामू जनजातीय लोकनृत्य महोत्सव की शुभारंभ रेलवे स्पोर्ट्स क्लब में किया गया. बतौर मुख्य अतिथि मनिका विधायक रामचंद्र सिंह व विशिष्ट अतिथि बरवाडीह पश्चिमी जिला परिषद सदस्य संतोषी शेखर, बीस सूत्री अध्यक्ष नसीम अंसारी एवं विधायक प्रतिनिधि प्रेम कुमार सिंह (पिंटू) द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ

किया.आयोजन कमेटी द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया. मंच का संचालन चंद्रदेव सिंह (सचिव) भारतीय लोक कल्याण संस्थान (रांची) झारखंड जलछाजन योजना, बरवाडीह द्वारा किया गया.कार्यक्रम में स्थानीय एवं बाहर से आए कलाकारों ने एक से बढ़कर एक लोकगीत एवं लोकनृत्य प्रस्तुत किया. इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोक संस्कृति एवं परंपरा को संरक्षण एवं विकास करते हुए आगे की पीढ़ी को जागृत करना है.विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा सभ्यता, संस्कृति एवं परंपरा जनजातीय समुदाय के लिए मौलिक आधार है. हमें इसे संजो कर रखना है. लोक नृत्य एवं लोकगीत सभ्यता, संस्कृति परंपरा को पारंपरिक रूप से आगे बढ़ाने के महत्वपूर्ण आधार हैं। संतोषी शेखर ने कहा जनजातीय सभ्यता, संस्कृति हमारे जीवन का मूल आधार स्तंभ है. यह हमें जमीन से जुड़ा रहना सिखाती है. इस दौरान राजद महामंत्री अजय प्रसाद, कांग्रेस प्रदेश सदस्य रविन्द्र राम, यूथ कांग्रेस प्रदेश समन्वयक विजय बहादुर सिंह, गौतम पटेल एवं आयोजन कमेटी के सदस्य मौजूद थे.

प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गुणानंद ने दिया इस्तीफा

रांची। भाजपा के प्रदेश कार्य समिति सदस्य गुणानंद महतो ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है. प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को सौंपे इस्तीफे में कहा है कि झारखंड के आंदोलनकारियों और शहीदों ने जो सपना देखा था, उस सपने का पूरा न होना और स्थानीय नीति, नियोजन नीति, पलायन, बेरोजगारी एवं विस्थापन जैसी ज्वलत मुद्दों पर विपक्ष का मुखर ना होना और झारखंड में युवाओं की जनभावनाओं का सम्मान नहीं मिलने से मैं दुखी हूं, गहरी चिंतन और मंथन करने के पश्चात में भाजपा के प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं. महतो के इस्तीफे के बाद यह कयास लगाये जा रहे हैं कि वे जयराम महतो की पार्टी में शामिल होंगे.

भारी बारिश के बीच कई राज्यों में बने बाढ़ के हालात

मॉनसून की बारिश के बीच देश देश के कई राज्यों में बाढ़ के हालात बने हुए हैं. बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा, ओडिशा, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में भारी बारिश हुई. इसके कारण कई नदियों के उफान पर आने के साथ ही कई इलाके बाढ़ की चपेट में आ गए हैं. पुणे में बारिश के बीच करीब 400 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, जबकि ठेला हटाने की कोशिश कर रहे तीन लोगों की करंट लगने से मौत हो गई. वहीं मुंबई में सड़कों पर जलभराव होने से यातायात प्रभावित हुआ. साथ ही ट्रेन सेवा भी प्रभावित हुई. 'रेड अलर्ट' को देखते हुए मुंबई सहित महाराष्ट्र के कई जिलों में स्कूलों और कॉलेजों में अवकाश घोषित कर दिया गया. इस बीच, महाराष्ट्र के पश्चिमी क्षेत्र के कुछ इलाकों में भारी वर्षा के चलते सांगली और कोल्हापुर जिलों में बाढ़ का खतरा टालने के लिए राज्य सरकार ने कर्नाटक से अलमाटी बांध से अधिक पानी छोड़ने का आग्रह किया है. मंगलुरु में घर की दीवार गिरने से उसके नीचे दबकर एकिशोर की मौत हो गई.

पुणे

सूरत

पुणे में 400 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया

एजेंसी। पुणे/मुंबई

मॉनसून की बरसात के कारण महाराष्ट्र के कई इलाके बाढ़ की चपेट में आ गए हैं. पुणे शहर में मूसलाधार बारिश के बाद सिंहगड रोड और नदी तट से सटे अन्य इलाकों में बाढ़ आने के बाद बृहस्पतिवार को सेना की दो टुकड़ियों को बाढ़ से बुरी तरह से प्रभावित सिंहगड रोड पर तैनात किया गया है. राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और दमकल के दलों के साथ-साथ जिला और नगर आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के कर्मियों को भी राहत अभियान में लगाया गया है. सिंहगड रोड के निचले इलाकों में स्थित कई हाउसिंग सोसाइटी और घरों में पानी घुस गया. जिला कलेक्टर सुहास दिवसे ने कहा, "सिंहगड रोड से अबतक 400 लोगों को निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है." पुणे महानगरपालिका (पीएमसी) के अधिकारियों ने बताया कि सेना के कर्मी सिंहगड रोड में एकता नगर में राहत अभियान में मदद कर रहे हैं. कलेक्टर ने बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पुणे जिले के वास्ते अगले 48 घंटे के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है और खडकवासला और अन्य बांधों के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश होने का अंदेशा है तथा खडकवासला जलाशय से अधिक पानी छोड़े जाने के आसार हैं. पुणे जिले में झरने और झील जैसे पर्यटन स्थल सैलानियों के लिए बंद कर दिए गए हैं. स्कूल के अलावा निजी प्रतिष्ठानों और कार्यालयों से कहा गया है कि वे कर्मियों को एक दिन की छुट्टी दें. महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्रियों अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई, ठाणे और पुणे शहरों में बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो पुणे में बारिश से प्रभावित लोगों को हवाई मार्ग से निकाला जाएगा. उन्होंने पुणे के जिलाधिकारी और शहर तथा पड़ोसी औद्योगिक नगर पिंपरी चिंचवड़ के नगर निकाय प्रमुखों से बात की है.

भारी बारिश के बीच तीन की करंट लगने से मौत

पुणे में बृहस्पतिवार तड़के भारी बारिश के कारण पानी में डूबे ठेले को बाहर निकालने की कोशिश करते समय करंट लगने से तीन लोगों की मौत हो गई. पुलिस ने बताया कि यह घटना डेक्कन जिमखाना इलाके में हुई. डेक्कन जिमखाना पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि तीनों बाबा भिड़े पुल के पास सड़क किनारे ठेले पर अंडे से बने खाद्य पदार्थ बेचते थे. भारी बारिश के कारण जब उनका ठेला पानी में डूब गया, तो वे मौके पर उसे सुरक्षित स्थान पर ले जाने की कोशिश करने लगे, इस दौरान तीनों को करंट लग गया.

मुंबई में भारी बारिश के कारण सड़कों पर जलभराव, ट्रेन सेवा हुई प्रभावित

मुंबई। मुंबई और उसके उपनगरों में बृहस्पतिवार को भारी बारिश हुई जिससे कुछ इलाकों में सड़कों पर जलभराव हो गया. इसके चलते यातायात बाधित हुआ और लोकल ट्रेन सेवा प्रभावित हुई. अधिकारियों ने बताया कि जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार बारिश के कारण विहार और मोदक सागर झीलें उफान पर हैं. अधिकारियों ने कहा कि इसके साथ ही महानगर को पीने योग्य पानी उपलब्ध कराने वाले सात जलाशयों में से चार अब उफान पर हैं, जिससे कुल जल भंडार में सुधार हुआ है. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले 24 घंटों में सुबह आठ बजे से शहर और उपनगरों में मध्यम से भारी वर्षा व कुछ स्थानों पर अत्याधिक बारिश होने की संभावना जताई है. नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई और इसके पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों में सुबह से ही भारी बारिश होने के कारण कुछ निचले इलाकों में जलभराव हो गया. वहीं पश्चिमी रेलवे और मध्य रेलवे द्वारा संचालित उपनगरीय सेवाएं 10-15 मिनट देरी से चल रही हैं. वहीं भारी बारिश के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा मुंबई के लिए रेड अलर्ट जारी करने के बाद, बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) ने बृहस्पतिवार को शहर के सभी स्कूलों और कॉलेजों में अवकाश घोषित कर दिया.

देश के मौसम का हाल

मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट के मुताबिक, अगले 24 घंटों के दौरान, गुजरात, कोंकण और गोवा और पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश संभव है. वहीं मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, विदर्भ, मध्य महाराष्ट्र, तेलंगाना के कुछ हिस्सों, तटीय कर्नाटक और ओडिशा के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ भारी बारिश हो सकती है. सिक्किम, पूर्वोत्तर भारत, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और बिहार में हल्की से मध्यम बारिश के साथ एक या दो बार भारी बारिश हो सकती है. हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, मराठवाड़ा, तेलंगाना, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और ओडिशा के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है.

गुजरात में उफान पर नदियां, सूरत व भरूच में आई बाढ़

सूरत। गुजरात में इन दिनों भारी बारिश ने हालात बिगाड़ दिए हैं. नदियां उफान पर हैं. पूर्णा नदी, अंबिका नदी और कावेरी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं. दक्षिण और मध्य गुजरात के सूरत और भरूच समेत कई इलाकों में बाढ़ आ गई है. हर तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा है. सड़क मार्ग कट जाने से कई गांवों का शहरों से संपर्क टूट गया है. इसके अलावा कई सड़कों को एहतियाती तौर पर बंद कर दिया गया है. इसके अलावा ट्रैक पर पानी भर जाने से कई ट्रेनों को रद्द कर दिया गया. जबकि कुछ ट्रेनों को रेगुलेट किया गया. वहीं प्रशासन और एनडीआरएफ की टीमों ने बाढ़ में फंसे सैकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया. वहीं स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई.

मंगलुरु में भारी वर्षा से दीवार गिरी, युवक की मौत

मंगलुरु (कर्नाटक)। मंगलुरु में बुधवार रात भारी वर्षा के बीच कोलनाड गांव के लिंगप्पय्या कडु में एक घर की दीवार गिरने से उसके नीचे दबकर एक किशोर की मौत हो गई. पुलिस ने यह जानकारी दी. उसने बताया कि मृतक की पहचान मुल्की के कोलनाड गांव के लिंगप्पय्या कडु निवासी शैलेश (17) के रूप में हुई है. पुलिस के अनुसार भारी बारिश के कारण देर रात्रि मकान की दीवार ढह गई जिसके नीचे दबने से शैलेश गंभीर रूप से घायल हो गया. उसे अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस मामले की जांच कर रही है और गांव में राहत एवं बचाव कार्य जारी है.

हिप्र में बादल फटने से आई बाढ़ के बाद एनएच-3 का एक हिस्सा किया गया बंद

शिमला/मनाली। हिमाचल के कुल्लू जिले में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग-तीन के एक हिस्से को वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दिया गया. पुलिस ने बृहस्पतिवार को बताया कि बुधवार देर रात हुई इस घटना में अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. अधिकारियों के अनुसार मनाली क्षेत्र में अंजनी महादेव नाले में बादल फटने के कारण एनएच-3 पर धुंडी और पलचान पुल के बीच का हिस्सा प्रभावित हुआ है. लाहौल और स्पीति पुलिस ने बृहस्पतिवार को एक परामर्श जारी कर कहा कि अटल टनल के उत्तरी द्वार से लाहौल और स्पीति से मनाली जाने वाले वाहनों को रोहतांग की ओर मोड़ दिया गया है. यात्रियों से यह भी कहा कि वे केवल आवश्यक होने पर ही यात्रा करें, सावधानी से वाहन चलाएं तथा मार्ग में संभावित खतरे के प्रति सचेत रहें. राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने बताया कि बुधवार रात में राज्य में कुल 15 सड़कें यातायात के लिए बंद कर दी गईं.

ब्रीफ खबरें

'चीन हिंद महासागर में कर रहा है घुसपैठ'

वाशिंगटन। अमेरिका की एक प्रभावशाली सांसद ने दावा किया है कि चीन हिंद महासागर के प्रमुख क्षेत्रों में अपनी पैठ बना रहा है और इस जल क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से आवागमन के अधिकार में बाधा डाल रहा है, जिससे अमेरिका और दक्षिण एशिया में उसके मित्र देशों और सहयोगियों की राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक हितों पर खतरा मंडरा रहा है. अमेरिकी संसद में यंग किम ने कहा कि वैश्विक व्यापार के लिए हिंद महासागर एक महत्वपूर्ण मार्ग है.

छग में पांच नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में पांच नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया. पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि नक्सलियों पर कुल 19 लाख रुपये का इनाम घोषित है. एसपी ने बताया कि नक्सलियों ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया है. वे अपने वरिष्ठ माओवादियों द्वारा किए गए अत्याचारों और 'अमानवीय' और 'खोखली' विचारधारा से निराश हैं.

श्रीलंका के पूर्व सेना प्रमुख लड़ेंगे चुनाव

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व सेना प्रमुख और लिट्टे के सफाए के लिए सैन्य अभियान के सूत्रधार फील्ड मार्शल सरथ फोंसेका ने आगामी राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी की बृहस्पतिवार घोषणा की और भ्रष्टाचार को खत्म करने तथा अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने का संकल्प जताया. देश में राष्ट्रपति चुनाव 17 सितंबर से 16 अक्टूबर के बीच होगा. चुनाव की तारीख की घोषणा शुक्रवार को की जाएगी. वह वर्ष 2010 के राष्ट्रपति चुनाव में महिंदा राजपक्षे के खिलाफ विपक्ष के मुख्य प्रतिद्वंद्वी थे.

मॉरिटेनिया में जहाज दुर्घटना में 25 प्रवासियों की मौत, 190 लापता

शुभम संदेश न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

मॉरिटेनिया की समाचार एजेंसी के अनुसार, देश के समुद्र तट पर एक जहाज दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें अभी तक 25 प्रवासियों के मौत की ख़बर है और कई लापता भी हैं. यह घटना राजधानी नौआकचॉट के पास हुई है, अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने कहा कि 190 से ज़्यादा लोग अभी भी लापता हैं और लोगों को निकालने के लिए बचाव अभियान चलाया जा रहा है.

मॉरिटेनियाई तटरक्षक ने 103 प्रवासियों को बचाया है और 25 शव बरामद किए हैं. आईओएम ने कहा कि गाम्बिया से लगभग 300 लोग एक लकड़ी की नाव पर सवार होकर निकले थे और 22 जुलाई को नाव के पलटने से पहले वे समुद्र में सात दिन का सफ़र कर चुके थे. कोस्टगार्ड के पहुंचने से पहले 15 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 10 लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था. ऐसी ही एक घटना 5 जुलाई को हुई थी जिसमें मॉरिटानियाई तट रक्षकों ने 89 प्रवासियों के शव बरामद किये थे.

डूबा जहाज़, नौ लोग थे सवार

ताइवान के दक्षिणी तट पर मालवाहक जहाज़ के डूबने के बाद राहतकर्मियों ने तलाशी अभियान तेज़ कर दिया है. जहाज़ में चालक दल के नौ सदस्य सवार थे. ताइवान के तटों से गेमी तूफ़ान के टकराने के वक्त यह जहाज़ दक्षिणी शहर काऊशुंग के बंदरगाह के पास था. तूफ़ान के कारण फ़िलीपींस में लगातार बारिश हो रही है, जहां ईंधन ले जा रहा एक टैंकर डूब गया था.

मानहानि मामले में कल सुलतानपुर की अदालत में पेश होंगे राहुल गांधी

सुलतानपुर (उप्र)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मानहानि के एक मामले में 26 जुलाई को सुलतानपुर की सांसद-विधायक (एमपी/ एमएलए) अदालत में हाजिर होंगे. कांग्रेस की जिला इकाई के अध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने बृहस्पतिवार को बताया कि राहुल गांधी 26 जुलाई को पूर्वाह्न नौ बजे लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरेंगे. वहां से वह कार से सुलतानपुर के लिये रवाना होंगे और अदालत में पेश होंगे. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय नेता विजय मिश्र ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर बेंगलुरु में 2018 में भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष और वर्तमान गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए चार अगस्त 2018 को मानहानि का मामला दर्ज कराया था. अदालत ने इस मामले में राहुल गांधी को 20 फरवरी को जमानत दी थी.

कर्नाटक: भाजपा विधायक व एमएलसी ने विस के अंदर रातभर अनोखे तरीके से दिया धरना

एजेंसी। बेंगलुरु

कर्नाटक में मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण घोटाले को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच जंग तेज हो गई है. विपक्षी विधायकों, एमएलसी ने विधानसभा में अनूठे अंदाज में रात बिताई. सोशल मीडिया पर विपक्षी विधायकों और एमएलसी के वहीं कुछ विधायक विधानसभा के अंदर तकिए और कंबल लेकर पहुंचे और पूरी रात धरना दिया.

भाजपा की कर्नाटक इकाई ने बुधवार को मुडा घोटाले के विरोध में सदन के अंदर दिन-रात धरना देने का ऐलान किया था. भाजपा विधायक और एमलसी पूरी रात विधानसभा में जमीन पर चादर बिछाकर सोए. सुबह उठे तो चाय की चुस्कियां लेते और इस अहम मुद्दे पर बातचीत करते दिखे. बता दें कि विपक्ष को बुधवार को दोनों सदनों में इस मुद्दे पर चर्चा करने की इजाजत नहीं दी गई थी.

खास बातें

- कुछ विधायक घर से कंबल और बिस्तर लेकर पहुंचे थे
- मुडा घोटाले के विरोध में किया था धरना देने का ऐलान

विधानमंडल का सत्र शुक्रवार को समाप्त हो जाएगा। ऐसे में आज (गुरुवार) भी पूरे दिन विधानसभा में भारी हंगामे के आसार हैं. रिपोर्ट के अनुसार, भूखंड हासिल करने वालों में कर्नाटक के सीएम सिद्दारमैया की पत्नी पार्वती भी शामिल हैं. विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा था कि कांग्रेस के पास 136 विधायक हैं. हम जब मुडा घोटाले में चार हजार करोड़ रुपए की लूट के बारे में स्थगन प्रस्ताव लाए, तो कर्नाटक की सिद्दारमैया सरकार डर गई. वह चर्चा से भाग रहे हैं. उन्होंने वित्त विधेयक समेत कई महत्वपूर्ण विधेयकों को बिना चर्चा के ही पारित कर दिया. यह डरपोक सरकार है. उनके पास सदन में मुडा के आरोपों का जवाब देने की हिम्मत नहीं है.

राजस्थान में गोवंश के लिए अब 'आवारा' शब्द का इस्तेमाल नहीं होगा

जयपुर। राजस्थान में गौवंश के लिए अब 'आवारा' शब्द का इस्तेमाल नहीं होगा. पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने विधानसभा में यह घोषणा की. कुमावत बुधवार रात विधानसभा में पशुपालन एवं मत्स्य विभाग (मांग संख्या-47) की अनुदान मांग पर हुई बहस का जवाब दे रहे थे. चर्चा के बाद सदन ने पशुपालन एवं मत्स्य विभाग की 15.58 अरब रुपए से अधिक की अनुदान मांगें ध्वनिमत से पारित कर दी. मंत्री ने कहा, 'राज्य सरकार प्रदेश की बहुमूल्य पशु सम्पदा के विकास एवं पशुधन उत्पादन को बढ़ाकर पशुपालकों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है. साथ ही, गायों और बैलों के संरक्षण-संवर्धन के लिए संवेदनशील होकर कार्य कर रही है. उन्होंने कहा कि आवारा गौवंश के लिए अब से 'निराश्रित' शब्द का प्रयोग किया जाएगा.'

सुरक्षा स्थिति की समीक्षा

सीओएएस ने कमांडरों और जवानों के साथ बातचीत भी की

सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने अग्रिम इलाकों का किया दौरा

एजेंसी। श्रीनगर

सेना प्रमुख (सीओएएस) जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने घुसपैठ रोधी और आतंकवाद रोधी अभियानों में शामिल बलों की तैयारियों की समीक्षा के लिए बहस्पतिवार को कश्मीर घाटी में नियंत्रण रेखा के पास अग्रिम इलाकों का दौरा किया. सैन्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी. सेना के अतिरिक्त लोक सूचना महानिदेशालय (एडीजीपीआई) ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'सीओएएस जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने चिनार कोर के अग्रिम स्थलों का दौरा किया और नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की.' सेना ने कहा कि सीओएएस ने कमांडरों और जवानों के साथ बातचीत भी की. एडीजीपीआई ने कहा, 'सीओएएस ने अपने पेशे के उच्च मानक बनाए रखने के लिए सभी रैंक की सराहना की और उन्हें उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में दृढ़ रहने को लेकर प्रेरित किया.' बाद में सेना प्रमुख कारगिल विजय दिवस की रजत जयंती समारोह में भाग लेने के लिए कारगिल के लिए रवाना हुए. बुधवार को यहां पहुंचने के बाद जनरल द्विवेदी ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, उत्तरी कमान के प्रमुख, चिनार कोर के कमांडर, चिनार कोर के अन्य अफसरों व जवानों के अलावा गणमान्य लोगों के साथ कुपवाड़ा में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान शहीद हुए नायक दिलावर खान को श्रद्धांजलि दी.

कठुआ हमला : आतंकियों के दो मददगार गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में सेना के गश्ती दल पर हुए आतंकी हमले में संलिप्तता के लिए आतंकवादियों के दो कथित मददगारों को गिरफ्तार किया गया. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि आतंकी गतिविधियों से निपटने को लेकर जारी प्रयासों के तहत आतंकियों के दो मददगारों को गिरफ्तार किया है. जिले के दूरस्थ मछेड़ी इलाके में हथियार बंद आतंकवादियों द्वारा आठ जुलाई को घात लगाकर किये गये हमले में एक जूनियर कमीशन अधिकारी सहित सेना के पांच जवान शहीद हुए थे और पांच अन्य लोग घायल हुए थे. प्रवक्ता ने बताया, "इन व्यक्तियों ने पुलिस से महत्वपूर्ण जानकारी जानबूझकर छिपाई थी." उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान बिलावर के कलना धानू परोल के रहने वाले लायाकत अली उर्फ पावू और मल्हार के बौली मोहल्ला के रहने वाले मूल राज उर्फ जेनजू के रूप में हुई है.

नेपाल में दुर्घटनाग्रस्त विमान का 'ब्लैक बॉक्स' हुआ बरामद

एजेंसी। काठमांडू

नेपाल में एक दिन पहले दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान का 'ब्लैक बॉक्स' बरामद कर लिया गया है और यह जांच टीम को सौंप दिया गया है. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. दुर्घटना में एक बच्चे सहित 18 लोग मारे गए थे.

सौर्य एयरलाइंस का पोखरा जा रहा 'बॉम्बार्डियर सीआरजे-200' विमान बुधवार को त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई. घटना में विमान में सवार 18 लोगों की मौत हो गई और पायलट गंभीर रूप से घायल हो गया. मृतकों में चालक दल के दो सदस्य, एयरलाइन के तकनीकी कर्मचारी और चार वर्षीय एक लड़के सहित तीन लोगों का परिवार शामिल है.

नागर विमानन प्राधिकरण के उपमहानिदेशक हंस राज पांडे ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त विमान का 'ब्लैक बॉक्स' बरामद कर लिया गया है और आवश्यक कार्रवाई के लिए जांच टीम को सौंप दिया गया है. जांच टीम का नेतृत्व नागर विमानन प्राधिकरण के पूर्व महानिदेशक रतीश चंद्र लाल कर रहे हैं और इसमें चार अन्य विशेषज्ञ शामिल हैं. टीम को 45 दिन के भीतर अपनी जांच रिपोर्ट और सिफारिश सौंपनी हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)